जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 17 संख्याः 283 प्रभात जालोर, गुरुवार 19 जनवरी, 2023 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

'पेपर तिजोरी में बंद होता है, तिजोरी से पेपर बच्चों तक कैसे पहुंचा, यह तो जादूगरी हो गई'

पेपर लीक मामले में मुख्यमंत्री की ओर से अधिकारियों को क्लीन चिट देने के बयान पर सचिन पायलट का करारा हमला

जयपुर, 18 जनवरी (का.प्र.)। सचिन पायलट की सियासी दौरों ने राजस्थान की राजनीति में गर्मी पैदा कर दी है।

लगातार तीसरे दिन सचिन पायलट ने पेपर लीक मामले को उठाया और इस बार मुख्यमंत्री की ओर से कही गई बातों का मंच से ना सिर्फ सीधा जवाब दिया, बल्कि अधिकारियों को क्लीन चिट देने के अशोक गहलोत की बात पर भी सवाल खड़े कर दिए। इतना ही नहीं सचिन पायलट ने अधिकारियों को राजनीतिक नियुक्तियों में ज्यादा तवज्जों देने पर भी सवाल उठाए।

झुंझुनू जिले के उदयपुरवाटी विधानसभा क्षेत्र के गुढ़ा में आयोजित किसान सम्मेलन में बुधवार को भारी भीड़ उमड़ी। मंच पर मंत्री हेमाराम चौधरी, बृजेंद्र ओला और राजेंद्र गुढ़ा सहित आठ विधायक थे जिनमें गिर्राज सिंह मलिंगा, वीरेंद्र सिंह चौधरी, इंद्राज गुर्जर, वेद प्रकाश सोलंकी, सुरेश मोदी, खिलाड़ी लाल बैरवा और मुकेश भाकर शामिल रहे।

पायलट ने पेपरलीक मामले में अफसरों को क्लीन चिट देने के मुख्यमंत्री गहलोत के बयान पर कहा कि जब बार-बार पेपर लीक होते हैं तो हमें दुख होता है। इसके लिए जिम्मेदारी तय करके एक्शन लेना होगा। अब कहा जा रहा है कि कोई अफसर जिम्मेदार नहीं है। पेपर तिजोरी में बंद होता है, तिजोरी में बंद पेपर बाहर बच्चों तक कैसे पहुंच गया। यह तो जादूगरी हो गई। ऐसा संभव नहीं है कि कोई अफसर

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- पायलट ने यह कहकर अधिकारियों पर कार्यवाही का दबाव बनाया कि, ऐसा संभव नहीं है कि कोई अफसर जिम्मेदार नहीं है, कोई न कोई तो जिम्मेदार होगा।
- उन्होंने कहा, अधिकारी 5 बजे रिटायर होता है, रात को 12 बजे नियुक्ति मिल जाती है, यह मौका कांग्रेस कार्यकर्ताओं को मिलना चाहिए। यह कहकर पायलट ने 20 से ज्यादा अधिकारियों की राजनीतिक नियुक्तियों पर सवाल खड़े किए।

सचिन पायलट लगातार तीन दिनों से राजस्थान के सियासी दौरे पर हैं, अपने संबोधनों में पायलट जिस बेबाकी से अपनी बात रख रहे हैं, उससे इस शीतलहर के बीच प्रदेश की राजनीति में जबरदस्त गर्मी पैदा हो गई है। पायलट ने बुधवार को उदयपुरवाटी (झुंझूनू) के मंच से जबरदस्त शक्ति प्रदर्शन किया। उन्होंने 11 से ज्यादा मंत्रियों एवं विधायकों की मौजूदगी में पेपर लीक मामले में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान पर सवाल खड़े किये। पायलट ने राजनीतिक नियुक्तियों में अधिकारियों को बहुत ज्यादा तवज्जो दिये जाने का भी मुद्दा उठाया। उदयपुरवाटी और शेखावाटी क्षेत्र इन दिनों भारी शीतलहर की चपेट में है, इसके बावजूद पायलट को सुनने के लिए नेताओं, कार्यकर्ताओं और आम लोगों की भारी भीड़ जुटी।

'सिमी पर 2019 में लगा प्रतिबंध पूर्णतया जायज'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जनवरी। गृह मंत्रालय ने स्टूडैन्ट्स इस्लामिक मूवमैन्ट ऑफ इण्डिया (सिमी) पर प्रतिबंध लगाने के लिए सुप्रीम कोर्ट के समक्ष जो विषय बताएं हैं, उनमें है कि सिमी भारतीय राष्ट्रवाद के स्थान पर खलीफाई व्यवस्था निर्मित करने के लिए मुस्लिमों का समर्थन जुटा रहा है। वह इस्लाम की एक अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था लाना चाहता है और मूर्ति पूजा को "पाप" समझता है।

- केन्द्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में सिमी पर प्रतिबंध के खिलाफ दायर याचिका की सुनवाई में कहा कि, जिहाद के लिए युवाओं को एकजुट कर रहा है तथा यह संगठन विभिन्न कट्टरपंथी आतंकी संगठनों से प्रभावित है।

जस्टिस संजय किशन कौल की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की बैंच ने गैर कानूनी गतिविधियां (निरोधक) अधिनियम, 1967 के अंतर्गत जुलाई 2019 के एक आदेश को निरस्त करने की मांग को लेकर दायर एक याचिका की सुनवाई को स्थगित कर दिया।

गृह मंत्रालय ने एक शपथ-पत्र में कहा कि सिमी का उद्देश्य संविधान के मूल तांने-बाने के विरूद्ध है।

गहलोत की पठानकोट यात्रा

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जनवरी। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के लिए पठानकोट जायेंगे, जहां अन्य राज्यों की भांति एक सार्वजनिक रैली आयोजित की जा रही है।

गहलोत के राहुल गांधी की रैली में भाग लेने की उम्मीद है। राहुल की रैलियों में अब तक का चलन यही रहा है कि जिस राज्य में उनकी रैली होती है और वहां यदि कांग्रेस की सरकार है, तो वहां का मुख्यमंत्री रैली में मौजूद होता है।

- क्या गहलोत के विचलित मन को शांति मिलेगी राहुल से बातचीत करके।

सूत्र बताते हैं कि गहलोत का कोई विशेष एजेंडा नहीं है लेकिन वह स्वयं द्वारा 8 फरवरी को प्रस्तुत किए जाने वाले राज्य बजट को लेकर राहुल से चर्चा कर सकते हैं।

गहलोत राहुल गांधी से ऐसे सुझाव मांग सकते हैं, जिन्हें बजट में शामिल करने की जरुरत हो। उम्मीद है कि मुख्यमंत्री बजट के बारे में की जा रही मीटिंग्स के बारे में राहुल गांधी को ब्रीफ करेंगे। और इस पर भी चर्चा कर सकते हैं कि बजट की मुख्य विषय वस्तु क्या होनी चाहिए।

इन दिनों सचिन पायलट जन संपर्क अभियान में लगे हैं, जहां उनकी मीटिंग्स

(शेष पृष्ठ 5 पर)

'राहुल का अच्छा समय'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जनवरी। ज्योतिषी तथा पत्रकार से कांग्रेस नेता बने पंकज शर्मा ने बुधवार को कहा कि ज्योतिषीय गणना के हिसाब से राहुल गांधी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के लिए अच्छी संभावनाएं हैं।

- पत्रकारिता से राजनीति में आए कांग्रेस नेता और जाने माने ज्योतिषी पंकज शर्मा ने कहा कि, शनि के कुंभ राशि में प्रवेश के साथ आगामी ढाई साल राहुल व कांग्रेस के लिए करिश्माई साबित होंगे।

एक ट्वीट में उन्होंने कहा कि शनि, कुंभ राशि में आ चुका है जिससे राहुल का समय अच्छा हुआ है और अगले 30 महीनों के लिए कांग्रेस की जादुई संभावनाएं हैं।

कड़कती ठंड में रूस-यूक्रेन में युद्ध नया मोड़ आयेगा?

एक तरफ तो रूस, हर तरह से तैयारी कर रहा है, यूक्रेन के खिलाफ नया और बड़ा आक्रमण करने के लिये दूसरी ओर यूक्रेन मित्र देशों, इंग्लैंड, अमेरिका, पोलैण्ड, फ्रांस व जर्मनी, से आधुनिक हथियार प्राप्त करने जा रहा है। इंग्लैंड ने अपने आधुनिकतम, "चैलेंजर-2" टैंक सप्लाई करने की तैयारी कर ली है। पोलैण्ड ने भी नवीनतम टैंक यूक्रेन को देना शुरु दिया है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जनवरी। इस जमा देने वाली जबरदस्त सर्दी में यूक्रेन युद्ध एक नया मोड़ ले रहा है।

चूंकि रुस एक नया और बड़ा हमला करने के लिए हर संभव सैन्य कार्यवाही कर रहा है, इस पर यूक्रेन ने भी जवाबी हमला करने के लिए निर्णायक एवं घातक साज सामान प्राप्त करने का पूरा विचार बना लिया है ताकि वह रूसी सेनाओं को उस जगह से खदेड़ सके, जहां इस समय उनका कब्जा है।

सैन्य पर्यवेक्षकों को डर है कि आने वाले दिनों में, दोनों प्रतिद्वंदी सेनाओं के बीच और ज्यादा बड़ा खूनी संघर्ष होगा। जहां रुस अपनी सेनाओं को जमीन पर आगे बढ़ा रहा है, वहीं यूक्रेन रुसी सैनिको को, खाइयों में लिये गये उनके मोर्चो से खदेड़ने की नई कोशिशों को क्रियान्वित कर रहा है। यूक्रेन ने जमीन पर रुसी सैनिकों से

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- अमेरिका ने अभी अपने सबसे जबरदस्त "एब्रम्स" टैंक देने का मन नहीं बनाया है, इसके बजाय, अपने बेजोड़ "टैंककिलर" "अर्मर्ड वीहिकल्स" देने का प्रस्ताव रखा है यूक्रेन के समक्ष।
- जर्मनी व फ्रांस ने अपना "मिलिटरी हार्डवेयर", जो केवल नाटो की सेना को ही दिया जाता था, अब यूक्रेन को देने लिए स्वीकृति दे दी है।
- अब तक, यूरोपीय देश काफी हिचकिचा रहे थे, आधुनिक हथियार यूक्रेन को देने के लिए, क्योंकि रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने चेतावनी दी थी कि, किस भी यूरोपीय देश ने ऐसा किया तो उसकी खैर नहीं।

पंजाब के वरिष्ठ नेता मनप्रीत बादल ने कांग्रेस छोड़ी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जनवरी। पंजाब के पूर्व मंत्री मनप्रीत एस. बादल ने बुधवार को कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने इस्तीफा देने का कारण कांग्रेस की गुटबाजी को बताया है।

बादल ने राहुल गांधी को दिए अपने त्याग पत्र में कहा है कि "खेद की बात है कि पार्टी में वर्तमान मौजूद संस्कृति और इसमें बने रहने की अनिच्छा के कारण मैं अब भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का हिस्सा नहीं बने रहना चाहता।"

- उन्होंने राहुल गांधी को भेजे एक शिकायती पत्र में पार्टी से मोहभंग होने और पार्टी छोड़ने की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि "अपने प्रयासों की प्रशंसा पाने के बजाए मुझे अच्छा प्रदर्शन नहीं करने के लिए पंजाब कांग्रेस में तिरस्कृत किया गया। और इस विफलता को वित्तीय लापरवाही ही कहा जा

(शेष पृष्ठ 5 पर)

नॉर्थ ईस्ट के तीन राज्यों के चुनाव नतीजों का बेसब्री से इंतजार रहेगा

दो मार्च को घोषित होने वाले रिज़ल्ट , साल के अंत में होने वाले राज्यों का "मूड" तय करेंगे

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जनवरी। चुनाव आयोग ने देश के तीन उत्तर-पूर्वी राज्यों त्रिपुरा, नागालैण्ड और मेघालय के विधानसभा चुनाव तिथियों की आज घोषणा कर दी। इनके चुनाव परिणाम 2 मार्च को घोषित किए जाएंगे जिनसे इस वर्ष बाद में होने वाले छह अन्य राज्यों के विधानसभा चुनावों के लिए माहौल बन जाएगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि त्रिपुरा में नई सरकार के लिए 16 फरवरी को और मेघालय तथा नागालैण्ड के लिए 27 फरवरी को वोट डाले जाएंगे। चुनावों के परिणाम 2 मार्च को घोषित किए जाएंगे। नागालैण्ड विधानसभा का कार्यकाल 12 मार्च को, मेघालय का 15 मार्च को और त्रिपुरा विधानसभा का कार्यकाल 22

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- मेघालय का चुनाव ममता बनर्जी के लिए बहुत महत्व रखता है। दो साल पहले उनकी पार्टी ने मेघालय में प्रवेश किया, तथा 17 कांग्रेस विधायकों में से बारह को तोड़कर, अपनी पार्टी में शामिल किया पाला बदलने वालों में मु.मंत्री मुकुल संगमा भी शामिल थे। बारह में से तीन विधायकों ने वर्तमान मु.मंत्री संगमा का साथ छोड़ दिया है।
- विधायक, मेघालय में कई बार अपनी वफादारी बदलते रहे हैं, इस सबका तृणमूल पर क्या फर्क पड़ेगा, यह इंतजार है सबको।
- त्रिपुरा में पच्चीस साल से सदा जीतती आई सरकार को अपदस्थ करके भाजपा ने सरकार बनाई थी। पर भाजपा को चयनित मु.मंत्री बदलना पड़ा था। इस बार कांग्रेस व मार्क्सवादी पार्टी गठबंधन बनाकर त्रिपुरा में चुनाव लड़ रहे हैं। अगर त्रिपुरा में यह परीक्षण सफल रहा तो, बंगाल में दोहराये जाने की संभावना बनेगी।

'हिन्दुस्तान के साथ लड़े तीन युद्धों के बाद हमने "सबक" सीखा है'

पाकिस्तान के प्र.मंत्री शहबाज़ शरीफ ने अल-अरेबिया न्यूज़ चैनल को दिये इंटरव्यू में यह भी कहा कि, हम शांति के लिये तैयार हैं

-सुकुमार शाह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जनवरी। राजनैतिक, आर्थिक, विदेशनीति तथा शासन व्यवस्था के मोर्चों पर अनेकानेक चुनौतियों का सामना कर रहा तथा विवेकहीन नीतियों से हताश पाकिस्तान अब अपने धुर प्रतिद्वंद्वी भारत की तरफ संधि एवं शांति का हाथ बढ़ा रहा है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ इस बात को स्वीकार कर चुके हैं कि उनके देश ने भारत के साथ तीन युद्ध लड़ने के बाद "कई सबक सीख लिये" हैं। शहबाज़ इस समय जबरदस्त दबाव में हैं, घोर आर्थिक संकट के चलते दबाव बढ़ता ही जा रहा है। सुविदित है कि पाकिस्तान इस समय घोर आर्थिक संकट से गुजर रहा है। अब यह बिल्कुल स्पष्ट है कि वे भारत के साथ शांति वार्ता करने के इच्छुक है।

अभी हाल ही की अपनी यू.ए.ई. की यात्रा के दौरान, शहबाज़ ने यू.ए.ई. के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन ज़ायेद अल-नाहयान से कहा कि वे भारत से उनकी बात कराने में उनकी मदद करें। उन्होंने कहा कि अगर भारत के साथ बातचीत करने का कोई रास्ता खुल जाता है तो वे इस देश के साथ निष्कपट बातचीत करना चाहते हैं।

"अल-अरेबिया" समाचार चैनल के साथ हुई बातचीत के अन्तर्गत, शहबाज़ ने इस बात की पुष्टि की कि उन्होंने भारत के साथ बातचीत करने के लिये अल-नाहयान की मदद मांगी है। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान को "सबक मिल गया" है तथा वह शांति के लिये तैयार" है।

उन्होंने आगे कहा, "मैंने मोहम्मद बिन ज़ायेद से निवेदन किया है कि वे पाकिस्तान के भाई हैं तथा यू.ए.ई. (हमारा) भाई है। उनके भारत के साथ बहुत अच्छे रिश्ते भी हैं तथा वे दोनों देशों को वार्ता की मेज पर लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं और मैं उन्हें वचन देता हूँ कि हम भारतीयों के साथ पूरी निष्कपटता के साथ उद्देश्यपूर्ण बात करेंगे।"

पाकिस्तान के "द डॉन" की एक रिपोर्ट कहती है कि शहबाज़ ने यह स्पष्ट कर दिया कि ये बातचीत ऐसे वातावरण में हो सकती हैं जिसमें कश्मीर-विवाद जैसी "वास्तविक समस्याओं" पर विचार और उनका समाधान हो सकता हो।

विवादास्पद प्रश्न यह है कि भारत इस चुनावी वर्ष में पाकिस्तान के इस प्रलोभन को स्वीकार करेगा अथवा नहीं। भारत-पाकिस्तान के सम्बंधों को पुनर्परिभाषित करने के मामले में कश्मीर भारत का मानना है कि पाक-अधिकृत कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है।

भारत के साथ हुये तीन युद्धों, जिनके परिणामस्वरुप आपसी सम्बंधों में विषाक्तता आई तता लोगों को मुसीबतें झेलनी पड़ी, की याद करते हुये, शरीफ ने कहा, "हमने सबक सीख लिया है" तथा अब हम शांति से रहना चाहते हैं।

शरीफ ने कहा, "भारतीय नेतृत्व तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिये मेरा यह संदेश है कि हम टेबल पर बैठें तथा कश्मीर जैसे अपने ज्वलंत मुद्दों का समाधान करने के लिये गंभीरता तथा निष्कपट रुप से बात करें।" रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने कश्मीर में जारी "मानवाधिकारों के घोर उल्लंघनों" तथा कश्मीर की स्वायत्तता को 2019 में रद्द कर दिये जाने का मुद्दा भी उठाया।

उन्होंने भारत में अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न का भी उल्लेख किया। शहबाज़ ने इस बात को रेखांकित करते हुये, कि पाकिस्तान शांति के लिये "बहुत अधिक इच्छुक है कहा, "विश्व को यह संदेश देने के लिये कि वह वार्ता के लिये तैयार है, भारत को यह सब बंद कर देना चाहिये।"

बाद में, प्रधानमंत्री के प्रवक्ता ने एक ट्वीट के माध्यम से याद दिलाया कि शहबाज़ का यह सुसंगत मान्यता रही है कि बातचीत तब तक संभव नहीं होंगी, जब तक भारत "5 अगस्त 2019 की गैरकानूनी कार्यवाही" को उलट नहीं देता, तथा कश्मीर-विवाद का समाधान संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्तावों तथा जम्मू-कश्मीर के लोगों की आकांक्षाओं के अनुरुप ही होना चाहिये।

दिलचस्प बात यह है कि यू.ए.ई. की मदद से संभावित भारत के साथ किसी भी संवाद में कश्मीर विवाद पर केन्द्रित होने पर प्रधानमंत्री द्वारा जोर दिये जाने के बावजूद, यू.ए.ई. - पाकिस्तान द्वारा दो दिन की सरकारी यात्रा के अंत में जारी किये गये संयुक्त वक्तव्य में "कश्मीर" शब्द साफ तौर पर गायब था।

यू.ए.ई., भारत के साथ अपने - अपने प्रगाढ सम्बंधों की लम्बी चौड़ी बातें करता है। अल-नाहयान के विदेश नीति सलाहकार ने दिसम्बर में यू.ए.ई. में आयोजित "इंडिया ग्लोबल फोरम" में बोलते हुये कहा कि दोनों देशों ने "विश्वास के मंडार" तैयार किया।

उस अवसर पर भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा था कि वैश्विक व्यवस्था को नया रुप देने में भारत और यू.ए.ई. महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे।

अबू धाबी अतीत में भारत-पाकिस्तान तनाव को कम करने में अपनी विशिष्ट भूमिका निभा चुका है। बालाकोट संघर्ष के दौरान, स्थिति को नियंत्रण से बाहर होने से रोकने में अबू धाबी की मूक भूमिका सर्वविदित है।

- पाकिस्तान के प्र.मंत्री शरीफ ने यू.ए.ई. के प्र.मंत्री से यह भी कहा कि, वे पाकिस्तान-भारत बातचीत आयोजित करने में मदद करें, और वे (प्र.मंत्री शरीफ) अपनी जुबान देते हैं कि, वे भारत से पूर्ण "ईमानदारी" से बात करेंगे।
- इंटरव्यू के बाद, प्र.मंत्री के प्रवक्ता ने ट्वीट करके यह जोड़ा कि, बातचीत तभी संभव हो पायेगी, जब हिन्दुस्तान 5 अगस्त 2019 को कि गयी गैर कानूनी कार्यवाई को वापस लेगा, तथा कश्मीर विवाद का समाधान यू.ए.ई. द्वारा पारित प्रस्तावों व जम्मू-कश्मीर की जनता की आकांक्षाओं के अनुरुप होगा।
- पर, मजे की बात यह है कि, प्र.मंत्री शरीफ ने पुरजोर ढंग से कश्मीर समस्या की अहमियत पर भारी जोर दिया, पर यू.ए.ई. की यात्रा के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य में भी एक भी शब्द कश्मीर विवाद के बारे में नहीं है।

विचार बिन्दु

मासिक वेतन पूरनमासी का चाँद है जो एक दिन दिखाई देता है और घटते-घटते लुप्त हो जाता है। –प्रेमचंद

पुरानी पेंशन बनाम नई पेंशन अथवा नेशनल पेंशन

लम्बे समय से यदा-कदा नई पेंशन के विरोध में पेंशन योग्य पदों पर नियुक्त सरकारी व् अर्धसरकारी कर्मचारिओं के बीच यह मुद्दा चर्चा का विषय रहा है। विगत एक वर्ष से इस मसले ने अब देश व्यापी रुख अपना लिया है और लगभग प्रत्येक प्रान्त में पुरानी पेंशन वापिस बहाल करने की मांग अब जोर पकड चुकी है। इसी बीच कुछ राज्यों में वहां की सरकार ने पुरानी पेंशन बहाल करने का निर्णय भी ले लिया है।

राजस्थान सरकार के मुख्यमंत्री ने भी इस वाजिव और कर्मचारी हित को देखते हुए पुरानी पेंशन को दो माह पूर्व बहाल कर केंद्र से नई पेंशन में जमा की गई धन राशि को राज्य को वापिस लौटाने का अनुरोध कर दिया। परन्तु ऐसा सुना गया है कि वापिस लौटाने को यह कह कर मना कर दिया कि नई पेंशन के नियमों में जमा राशि लौटाने का कोई नियम ही नहीं है।

मेरे आंकलन के अनुसार जमा राशि का विथड्रॉल या निकासी का नियम इसलिए केंद्र ने नहीं डाला क्योंकि उन्हे पता था कि ऐसी स्तिथि आने पर सरकार उस सम्पूर्ण धन राशि को जप्त कर सके। नई पेंशन स्कीम 2004 से सरकारों ने लागू करदी। इस पर कर्मचारिओं के मध्य कोई सम्बाद भी नहीं हुआ और न ही इसके हानि लाभ से कर्मचारिओं को अवगत कराया गया।

इस प्रकार यह पेंशन योजना एक नादिर शाही आदेश से कर्मचारिओं पर थोप दी गई।

राज्यों को भी उस समय समझा दिया गया कि इससे राजकोष पर अनुकूल प्रभाव पडेगा अर्थात कर्मचारिओं की पेंशन पर राज्य का कोई खर्चा नहीं होगा और इससे जो धन की बचत होगी उसे अन्य कार्यों में अथवा माननिओं की अनुशंसा अनुसार खर्चा किया जायगा। अत: नई पेंशन स्कीम लागू करते समय चाहे कोई सरकार रही हो, नादिरशाही सोच की आकांक्षा सरकार के मन में बलवती थी।

आगे के वर्णन में पाठकों को बताने का प्रयास करूंगा, कि नई पेंशन के केवल दो प्रावधान (एक कटौती की राशि को कम्पनिओं में शेयर और म्यूच्यूअल फण्ड के माध्यम से सरकार इन्वेस्ट करेगी और कहाँ और कितना करेगी इसके लिए एक रेगुलेटरी बोर्ड इस पर नज़र रखेगा। पाठकों को बता दें कि सभी बड़ी कम्पनिओं के म्यूच्यूअल फण्ड भी एक नहीं लगभग 30 कम्पनिओं में अलग-अलग प्रतिशत के हिसाब से जमा फण्ड इन्वेस्ट करते हैं और उन कम्पनिओं पर फण्ड रेगुलेटर का तथाकथित सुपर विज़न भी रहता है। पर यह विज़न सुपर होता है अथवा नहीं, कहा नहीं जा सकता? लेकिन सच यही है कि अधिकांश म्यूच्यूअल फण्ड अपेक्षा पर खरे नहीं ठहरते और संतोषजनक लाभ इन्वेस्टर्स को नहीं दे पाते। वहीं अन्य कुछ म्यूच्यूअल फंडों में तो तीन-चार साल तक डिविडेंड नहीं मिलने पर रिडेम्पशन पर जमाकर्ता को मूल धन भी वापिस नहीं होता। लेखक ऐसे अनेक फंडों का भुक्तभोगी रहा है जब वर्षों बाद आखिर में मूल धन भी वापिस नहीं हुआ। ऐसे प्रकरण साबित करने के लिये डॉक्यूमेंट मौजूद हैं।

मैंने सभी म्युचुअल फंडों में आखिर में बंद करते समय लगभग एक लाख रुपये गवाएं जब कि सभी फंडों में एक्सपर्ट की सलाह से ही इन्वेस्ट किया था, फिर भी हानि, ऐसा क्यों? यहाँ मेरा बड़ा सबाल कि नई पेंशन की कटौती की राशि क्या अमरीका अथवा अन्य किसी विकसित देश में इन्वेस्ट होगी और क्या फण्ड रेगुलेटर विदेशी होगें? मुझे याद है यु एस 64 स्कीम जिसमे मैं भी एक छोटा इन्वेस्टर था। आखिर में स्कीम ऐसी डूबी कि जमाकर्ताओं को अपनी मूल राशि लेने के भी देने पड़ गए। अंत में केंद्र सरकार ने वित्तीय मदद कर जमा कर्ताओं को कुछ उबारा। यह स्कीम भी भारतीय स्टेट बैंक के माध्यम से ही चालू की गयी थी।

कर्मचारी को पेंशन प्रावधान एक डेफर्ड सैलरी है जो सरकार की नियमावली में भी है और सुप्रीम कोर्ट भी अनेक बार यह व्यवस्था दे चुका है। फिर केंद्र सरकार ने केवल यह ही व्यवस्था मिटाने की क्यों सोची? और भी अनेक मद हैं जहाँ किसी का जीवन अंधकारमय किये बिना परिवर्तन किये जा सकते हैं। यदि केंद्र में वांछित वित्त सलाहकारों की कमी है तो जनरल पब्लिक से कॉन्ट्रैक्ट पर उपयोगी सुझाव मिल सकते हैं। लेकिन अभी जयपुर आये अहलुवालीया अपनी तथाकथित वित्तीय योग्यता का ऐसा परिचय दे गए जो कोई भविष्य वक्ता ही देता तो ठीक होता। उनका कथन कि 'पुरानी पेंशन से राज्य दस वर्ष में कंगाल हो जायेगा।' वाह, क्या ज्योतिषी मिला देश को, यही कहा जा सकता है। मैं राजस्थान के मुख्यमंत्री की प्रशंसा करता हूँ कि उन्होंने श्री अहलुवालीया के स्टेटमेंट को यह कहकर वहीं ख़ारिज कर दिया कि नई पेंशन से कर्मचारिओं का भविष्य सुरक्षित नहीं रह सकता और उन्होंने अपने निर्णय अर्थात पुरानी पेंशन को ही सही माना। मुख्यमंत्री जी के विवेक को साधुवाद।

कर्मचारी को पेंशन प्रावधान एक डेफर्ड सैलरी है जो सरकार की नियमावली में भी है और सुप्रीम कोर्ट भी अनेक बार यह व्यवस्था दे चुका है। फिर केंद्र सरकार ने केवल यह ही व्यवस्था मिटाने की क्यों सोची? और भी अनेक मद हैं जहाँ किसी का जीवन अंधकारमय किये बिना परिवर्तन किये जा सकते हैं।

सरकारी ऑफिसर्स और अन्य कर्मचारिओं में एक चूसक वर्ग सदैव रहा है जो जन कल्याण के लगभग सभी नए प्रकल्पों में बाधा रहा है, चाहे अनुचित टिप्पणी लिखकर ; फाइल को अधिक दिनों तक अटकाए रख कर अथवा बिना टिप्पणी के भेज देना, अथवा कभी कभी मुट्ठी गरम होने की आशा में छुट्टी लेकर बैठ जाना आदि। ऐसा होने के दो प्रमुख कारण हैं जवाव देही का न होना और सचिव स्तर के अधिकारी का ढुल मुल रवैया।

अभी कुछ ही दिनों में वार्षिक बजट आने वाला है उसमे जनता को साफ़ दिख जायेगा कि उनकी सरकार कितनी जन हितेषी है? पहाड़ों पर रेल बिछाना क्या विकास है और यदि है तो किसके लिए?

सारांश में नई पेंशन की खूबियां यदि पाठकों को बताएं तो यह कहना उचित होगा कि नई पेंशन में सेवानिवृति पर कर्मचारी को न्यूनतम कितनी पेंशन मिलेगी, आखिरी वेतन की कितने प्रतिशत? कोई नहीं बता सकता और सरकार में जिन्होंने यह योजना बनाई और लागू करवाई वे भी इसका आंकलन नहीं कर सकते? और फिर क्या वेतन संशोधन होने पर पेंशन का संशोधन भी होगा? बेसिक पेंशन पर क्या मेहंगाई भत्ता मिलेगा? और क्या यह भत्ता महंगाई सूचकांक बढने पर सेवारत कर्मचारिओं की भांति बढाया जावेगा अथवा नहीं? क्या पेंशनर की मृत्यु होने पर पारवारिक पेंशन उसके आश्रितों को मिलगी अथवा नहीं, यदि मिलेगी तो किस आधार पर?

यदि नयी पेंशन का धन किसी समय मार्केट के धरातल के नीचे चला जाय तो पेंशन कहाँ से मिलेगी और कितनी केंद्र सरकार से अनुरोध है कि ऐसे सभी संशयों को स्पष्ट कर जनता में सरकार की पारदर्शिता का उदाहरण प्रस्तुत करने का कष्ट करे।

यदि सरकार नहीं कर सकती तो अविलम्ब पुरानी पेंशन बहाल करे और नई पेंशन में जमा कटौती की राशि सम्बंधित राज्यों को लाभ सहित लौटाएं। ऐसा करने पर जमा राशि पर उपार्जित लाभ विगत 18 वर्षों में कितना हुआ का भी आंकलन सुगमता से हो जायेगा। इसमें देरी सरकार को भारी पड सकती है? इसलिए समय से कदम उठाना वांछित होगा।

पेंशन से केवल एक व्यक्ति ही प्रभावित नहीं होता अपितु एक परिवार और उससे जुड़े व्यवसायी भी प्रभावित होते हैं। ऐसे में किसी को अन्धकार और अनिश्चित्ता में रखना न तो न्यायोचित है और न ही बुद्धिमानी। संकुचित विचार धारा वालों से सरकार दूरी बनाये क्योंकि ऐसे लोगों का उद्देश्य कुछ और ही होता है, सरकार और जनता का हित नहीं। अखबार वाले सभी बिके रहते हैं इसके प्रमाण का उल्लेख में लेख में पहले ही कर चुका हूँ।

अखबारों ने श्री अहलुवालीया जी का व्यान कि ; पुरानी पेंशन से राज्य दस वर्षों में कंगाल हो जायेगा ; समय उपरांत जनता देखेगी कि एक पूर्व अर्थशास्त्री की भविष्यवाणी सही होती है अथवा नहीं? यहाँ मैं केंद्र और सभी सरकारों से अनुरोध करता हूँ कि इस तथाकथित अर्थशास्त्री की भविष्यवाणी सही होती है अथवा नहीं, उनके सभी अखबारों में छपे कथन को सुरक्षित कर देश की लाइब्रेरी या आर्कईव में रखवा दें। मुख्य मंत्रिओं को आंकलन करना है कि उन्हे जनता का अनहित चाहिए अथवा सरकार का स्थायुत्व?

एक अन्य विडिओ से अभी मालूम हुआ कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी श्री आदित्यनाथ जी भी इस पेंशन मसले पर विचलित हैं। वे एक साधू हैं और कुशल प्रशासक भी, यह साबित हो चुका है। मैं कह सकता हूँ कि वे बिना किसी तरफ देखे अपने विवेक से उचित निर्णय उचित समय पर लेने में सक्षम होंगे।

पाठकों को मैं स्पष्ट कर दूँ कि नई पेंशन से मेरा कोई सम्बन्ध नहीं है लेकिन मैं सदैव जनोपयोगी मुद्दों पर अपनी सोच अनुभव के साथ पाठकों से साझा करता रहा हूँ। नई पेंशन स्कीम पर यह लेख भी इसी अभिप्राय की पुष्टि है अन्य कुछ भी नहीं। किसी के प्रति कोई दुर्भावना नहीं गरीब जनता के हितों पर कुठाराघात मुझे सहन नहीं। फिर भी किसी को ठेस पहुंचे उनसे क्षमा याचना।

–अतिथि सम्पादक,
प्रो.डॉ. वीर बहादुर सिंह,
(पूर्व कुलपति एवं डेयरीविज्ञ महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी वि.वि., उदयपुर-राज.)

महिला उद्यमियों के लिए वरदान है पैच वर्क कला

पन्नालाल मेघवाल

पुराने जमाने में बूढी नानी-दादी फुर्सत के क्षणों में बातों ही बातों में नन्हीं-नन्हीं कतरनों को सहेज कर रखी पोटलियाँ खोलती और प्राय: चादरें, गुदडियाँ, लँहगे-ओढनी या तकिये के कवर इत्यादि पर पेचवर्क का काम शुरू कर देती थी। चन्द चुनींदा कपडों की अनुपयोगी रंग-बिरंगी कतरनें, बारीक-सी सुई और भिन्न-भिन्न कतरनों से मेल खाता धागा-बस यहीं से बूढी दादी, नानी की कल्पना से पेचवर्क का काम खिल उठता था। आज भी गाँवों की ग्रामीण महिलाएँ यही सब करती हैं और छोटी-छोटी बालिकाएँ भी खेल-खेल में ही इसमें प्रशिक्षित हो जाती हैं।

आधुनिक युग में पेचवर्क से सज्जित आधुनिक पोशाकों के डिजाइन परम्परागत शैली में ही बनाये जाते हैं, जैसे-फूल के पेचवर्क में यदि पँखुडिया चिपकाई जाती थी तो वर्षो तक यही परम्परा बनी रही। सिंथेटिक वस्त्रों का प्रचलन आया जिसके अनुरूप अब टेरीकॉट, पॉपलीन, टेरीवायल और अब तो आरकन्डी पर भी पेचवर्क होने लगा है। साथ ही पेचवर्क की फलक पर डिजाइनें भी पारम्परिक न रहकर मॉडर्न आर्ट पेचवर्क में बदल गये हैं। अब आरी-तारी या मुकेश का काम भी पेचवर्क के साथ ही मिश्रित होने लगा हैं जिससे पोशाक में जहाँ चमक-दमक आती हैं वहीं व्यक्तित्व के निखार में भी वृद्धि होती है।

प्राचीनकाल के पारम्परिक कलीदार कुरतों का स्थान अब घेर-घुमावदार अंगरखों ने ले लिया या फिर आठकली के कुरतों का भी खूब प्रचलन है। हल्की गुलाबी साँझ के लिए यह सुखद पोशाक है इसमें हल्की आरी-तारी या मुकेश का पेचवर्क युक्त काम व्यक्तित्व को निखार कर और अधिक आकर्षक बनाता है। टसर सूट आरम्भिक जाड़ों के लिए सुन्दर व उपयोगी होते हैं। पोशाकों, साड़ियों एवं दुपट्टों पर आकर्षक पेचवर्क किया जाता है। पोशाकों का मूल्य निर्धारण पोशाक के वस्त्र तथा उस पर किये गये पेचवर्क के काम पर निर्भर होता है। पेचवर्क में केसमेन्ट बेड-शीट, टेबल मेट एवं डीनर सेट भी बनाए जाते हैं।

श्रीनाथ जी की फलक, गणेशजी, राधा-कृष्ण के अलावा बेड कवर, सोफा कवर, टेबलक्लाथ, कुशनकवर, सलवार सूट आदि भी बडे आकर्षक बनाये जाते हैं। पेचवर्क से सज्जित इन वस्तुओं को आम जनता बड़े चाव से खरीदती है। पेचवर्क का काम आधुनिक या नवीन नहीं है। सदियों से यह काम पारम्परिक और पुश्तैनी धंधे के रूप में अनेकों प्रदेशों में होता आया है।

औद्योगिकरण के बावजूद आज भी अधिकांश प्रदेशों में वहाँ का महिला वर्ग पेचवर्क से पूर्णत: जुड़ा होकर स्वतंत्र रूप से व्यवयाय में संलग्न हैं। घरेलू हस्तकला की शुद्ध पारम्परिक शैली के माध्यम सुई-धागे से सम्पन्न इस कला के प्रति लोगों की बढ़ती रूचि से जहाँ इस कला क्षेत्र को बल मिला वहीं रोजगार के द्वार भी खुले हैं। भिन्न-भिन्न प्रदेशों में समय-समय पर आयोजित होने वाली प्रदर्शनियों एवं घर-घर खुलते बुटिक के कारण भी पेचवर्क कला के क्षेत्र में उल्लेखनीय विकास हुआ।

आधुनिक युग में पेचवर्क पर महिलाओं का एकाधिपत्य होने से समाज में आर्थिक रूप से पिछड़ी महिलाओं की स्थिति में उल्लेखनीय बदलाव आया है। बाजार में इस कार्य की माँग होने से महिलाओं को घर बैठे ही आर्डर मिल जाते हैं। अनेकों असहाय और विधवा महिलाएँ आज पेचवर्क के जरिये समाज में स्वावलम्बी जीवन व्यतीत करते हुए अपने नौनिहालों के लिए अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य और सुन्दर भविष्य का स्वप्न साकार कर रहीं हैं। पेचवर्क कला महिला उद्यमियों के लिए वरदान साबित हो रही है।

आत्मविश्वास निष्ठा और लगन से श्रम करती इन महिलाओं को पेचवर्क उद्योग सम्बन्धी कोई अलग से संगठन तो नहीं हैं किन्तु कई प्रदेशों में आज भी इन कला धर्मियों ने जहाँ पेचवर्क जैसी पारम्परिक और विशिष्ट कला को विलुप्त होने से बचाया है वहीं पुश्तैनी कला का आधुनिक या मॉडर्न आर्ट के साथ खूबसूरत समन्वय व संयोजन द्वारा विश्व में पेचपर्क को विशिष्ट स्थान दिलवाया है। चाहे अलीगढ की पट्टी का काम हो, जयपुर की पेचवर्क निर्मित विल्हण चम्पावती हो, अजमेर-किशनगढ स्थित तिलोनिया का सुप्रसिद्ध पेचवर्क हो या उडीसा के पीपली गाँव की मनमोहक एप्लिक आर्ट हो जिसकी स्थापना भगवान जगन्नाथजी की स्थापना के साथ हुई थी, पेचवर्क के सजीले, चटकीले, इन्द्रधनुषी रंग आज सम्पूर्ण विश्व को मोहित कर रहे हैं।

–पन्नालाल मेघवाल,
वरिष्ठ लेखक एवं स्वतंत्र पत्रकार।

17 साल बाद बालिका वधु "सोनू" को बाल विवाह से छुटकारा मिला

- **बाल विवाह निरस्त की मुहिम के चलते सोनू के परिजनों व डॉ .कृति को भी कई धमकियों का सामना करना पड़ा**
- **सारथी ट्रस्ट से संपर्क कर कोर्ट में गुहार लगाई थी**
- **सोनू का बाल विवाह 4 वर्ष की उम्र में हो गया था**

जोधपुर, (कासं)। जिले के बिलाडा तहसील के पीथावास गांव निवासी बाल विवाहिता सोनू का बाल विवाह निरस्त हो गया। 17 वर्ष बाद बाल विवाह के निरस्त होने पर सोनू खुश है अब वह अपना भविष्य बनाना चाहती है। सोनू का बाल विवाह 4 वर्ष की उम्र में हो गया था। बचपन में हुई इस शादी को सोनू मानने से इंनकार किया और आखिर उसने सारथी ट्रस्ट से संपर्क कर विवाह के निरस्त करने के लिए कोर्ट में गुहार लगाई ।और सोनू का सपना साकार हो गया।

21 वर्षीय बालिका वधु सोनू का बाल विवाह करीब 17 साल पूर्व लूणी तहसील निवासी युवक के साथ समाज के दबाव में करवा दिया गया था। सोनू की बाल विवाह के समय आयु मात्र 4 साल ही थी। महज 4 साल की मासूम उम्र में बाल विवाह की बेडियों में जकडी बालिका वधु जब सयानी हुई तो पता चला कि उसका विवाह तो छोटी सी उम्र में ही हो गया था। सोनू ने इस विवाह को मानने से इंकार कर दिया। उसने मदद के लिए सारथी ट्रस्ट की मैनेजिंग ट्रस्टी व पुनर्वास मनोवैज्ञानिक डॉ. कृति भारती की शरण ली। डॉ. कृति भारती का संबल पाकर न्यायालय में बाल विवाह निरस्त की गुहार लगाई थी।

जिस पर एडीजे न्यायालय (अतिरिक्त प्रभार पारिवारिक न्यायालय) बिलाडा के न्यायाधीश पुखराज गहलोत ने सोनू के 17 साल पहले हुए बाल विवाह को निरस्त कर समाज को कड़ा संदेश दिया। सोनू डॉ. कृति भारती की बाल विवाह निरस्त की मुहिम के चलते सोनू के परिजनों व डॉ .कृति को भी कई धमकियों का सामना करना पडा। एडीजे कोर्ट बिलाडा में बीबीसी 100 वुमन सूची में शामिल सारथी ट्रस्ट की डॉ.कृति भारती ने पैरवी कर बालिका वधु सोनू के बाल विवाह निरस्त के तथ्यों और आयु संबंधी प्रमाणिक दस्तावेजों से अवगत करवाया। जिसके बाद एडीजे कोर्ट बिलाडा के न्यायाधीश पुखराज गहलोत ने सोनू के 17 साल पूर्व महज 4 साल की उम्र में हुए बाल विवाह को निरस्त करने का ऐतिहासिक फैसला सुनाया। जिसके साथ ही बिलाडा न्यायालय का पहला बाल विवाह निरस्त हुआ। न्यायाधीश पुखराज गहलोत ने समाज को बाल विवाह के संबंध में कडा संदेश दिया।

ख्वाजा साहब के 811 वें उर्स का झंडा ऐतिहासिक बुलंद दरवाजे पर चढ़ाया

अजमेर, (कासं)। विश्व प्रसिद्ध सूफी संत ख्वाजा मोईनुद्दीन हसन चिश्ती के 811 वें सालाना उर्स की अनौपचारिक शुरूआत दरगाह के ऐतिहासिक बुलंद दरवाजे पर झंडा पेश करने की रस्म के साथ हो गई है।

- **तोपों की गर्जना और सूफियाना कलामों के साथ ख्वाजा साहब के उर्स की अनौपचारिक शुरुआत**
- **भीलवाड़ा के लाल मोहम्मद गौरी के पोते फखरुद्दीन ने झंडे की रस्म अदा कर घोषणा की**

अजमेर में ख्वाजा साहब की दरगाह के बुलंद दरवाजे पर उर्स का झंडा चढ़ाया गया। इस दौरान दरगाह परिसर में अकीदतमंदों का जनसैलाब उमड़ा।

भीलवाड़ा के लाल मोहम्मद गौरी के पोते फखरुद्दीन ने दरगाह शरीफ के 85 फीट ऊंचे बुलंद दरवाजे पर झंडे की रस्म अदा कर इसकी घोषणा की। ख्वाजा साहब के उर्स में झंडे की रस्म अदा करने के लिए गरीब नवाज गेस्ट हाउस से झंडे का जुलूस रवाना हुआ जो दरगाह पहुंच संपन्न हुआ, इसके साथ ख्वाजा साहब के उर्स की अनौपचारिक शुरुआत हुई। झंडे की रस्म के दौरान दरगाह परिसर में अकीदतमंदों को हुजूम उमड़ पड़ा।

दरगाह के खादिम सैयद फजले हसन चिश्ती ने बताया कि सदियों पहले संदेश देने का कोई साधन नहीं हुआ करता था, उस समय झंडे चढ़ाकर संदेश दिया जाता था। उर्स में झंडा चढ़ाने की परम्परा अफगानिस्तान के बादशाह ने शुरू की थी, इसके बाद गौरी परिवार नियमित रूप से अपने परिवार के साथ आकर झंडा की रस्म निभाता चला आ रहा है। बुधवार को झंडे का जुलूस गरीब नवाज गेस्ट हाउस से कव्वालियों और बैंड बाजों की सूफियाना धुन पर लंगरखाना गली होते हुए निजाम गेट पहुंचा, दरगाह में प्रवेश कर बुलंद दरवाजे पर संपन्न हुआ। उर्स का झंडा चढ़ाने की रस्म के दौरान बड़े पीर की पहाड़ी से 25 तोपों की सलामी दी गई। इसके बाद फखरूद्दीन गौरी ने बुलंद दरवाजे पर झंडा फहराकर उर्स की रस्म अदायगी की। जुलूस के दौरान पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। झंडे की रस्म के दौरान दरगाह परिसर सहित आसपास के क्षेत्र में हजारों की संख्या में अकीदतमंदों का हूजुम उमड़ा पड़ा। जुलूस के दौरान दरगाह की शाही चौकी की कव्वाल द्वारा ख्वाजा साहब की शान में सूफियाना कलाम पेश किए गए, अकीदतमंद ख्वाजा साहब की शान में जयघोष लगाते हुए चल रहे थे, हर कोई ख्वाजा साहब की शान पर अपनी आस्था प्रकट कर रहा था। जिला प्रशासन द्वारा जुलूस के दौरान चाक-चौबंद इंतजाम किए गए, जैसे ही असर की नमाज समाप्त हुई, वैसे ही बैंड बाजों की शुरू हो गई और सूफियाना कलाम की धूनी माहौल में फैलने लगी लो अकीदत के साथ झंडे के ऊपर अपनी आस्था के फूल लुटाते हुए चल रहे थे। बुलंद दरवाजे पर कड़ी सुरक्षा रखी गई, पुलिस के जवानों भीड़ को नियंत्रित करते हुए झंडे को बुलंद दरवाजे पर पहुंचाने की व्यवस्था जुटे थे वहीं मेला मजिस्ट्रेट भावना गर्ग, पुलिस अधीक्षक चूनाराम जाट सहित विभिन्न अधिकारी नजर बनाए हुए थे।

उर्स की अनौपचारिक शुरुआत: बुलंद दरवाजे पर झंडे की रस्म के साथ उर्स की अनौपचारिक शुरुआत हो गई है, अब अकीदतमंद की आवक धीरे-धीरे बढ़ेगी। रजब का चांद दिखने के बाद 22 जनवरी से उर्स की विधिवत शुरू होगी। इसके साथ दरगाह में गरीब नवाज के अकीदतमंद की तादाद बढ़ ती चली जाएगी। उर्स के दौरान विभिन्न रसूमात और कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

ख्वाज़ साहब के 811 वें में उर्स की अनौपचारिक शुरुआत के साथ ही दरगाह की धार्मिक रस्मों में बदलाव शुरू हो गया। बुधवार को दोपहर में होने वाली खिदमत की रस्म देर शाम 7:45 प्रारंभ हुई वर्षभर ख्वाजा साहब के आस्ताना शरीफ में खादिमों द्वार दोपहर 3 बजे खिदमत की रस्म अदा की जाती है, जैसे ही उर्स की शुरूआत होती है, इस परंपरा में बदलाव हो जाता है, कुल की रस्म अदा होने तक अब खिदमत सायं काल में होगी।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 19 जनवरी, 2023

माघ मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2079, ज्येष्ठा नक्षत्र दिन 3:18 तक, ध्रुव योग रात्रि 11:04 तक, तैतिल करण दिन 1:19 तक, चन्द्रमा आज 3:18 से धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मकर, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-वृष, बुध-धनु, गुरू-मीन, शुक्र-मकर, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज प्रदोष व्रत है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 8:40 तक, चर 11:18 से 12:37 तक, लाभ-अमृत 12:37 से 3:15 तक, शुभ 4:34 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:54

मेष

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

वृष

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मिथुन

आर्थिक मामलों से संबंधित विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क

परिजनों के व्यवहार के कारण दु:ख हो सकता है। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात विवादित मामलों से राहत मिलेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

सिंह

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कन्या

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

वृश्चिक

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

धनु

घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

मकर

आर्थिक/वित्तीय मामलों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी बनी रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

सार-समाचार

विश्व शांति दिवस मनाया

जालोर, (कासं)। जालोर के ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्र में संस्था के संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा की 54 वीं पुण्यतिथि विश्व शांति दिवस के रूप में हर्ष उल्लास के साथ श्रद्धा पूर्वक मनाई गई। जालोर सेवा केंद्र पर बुधवार को सवेरे 3.30 बजे से गहन तपस्या एवं शांति का माहौल था। सेवा केंद्र का ऐश्वर्या परिवार आज विशेष योग तपस्या एवं विश्व में शांति फैलाने के लिए योग तपस्या में लीन थे। पूरे आश्रम का वातावरण अत्यंत शांत और मन को सुकून देने वाला था। प्रात: 11 बजे पिताश्री को श्रद्धा सुमन अर्पित करने सभी ब्रह्मावर संगठित रूप में हॉल में एकत्रित हुए इस संगठन में शहर के गणमान्य लोग भी शामिल हुए लायंस क्लब जालौर से सुषमा गोयल, अध्यक्ष अनीता जैथलिया, रचना, पायल सिद्धवत, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, भंवरलल परिहार, ग्राम सेवक हनुमान सुथार, किशोर सिंह राजपुरोहित,संतोष बहन, सिमरन बहन, रामप्यारी सहित आसपास के गांव लेटा, सामतीपुर, ऊण, जालोर के सभी कॉलोनियों के लोग मौजूद रहे। समारोह में सेवा केंद्र के इंचार्ज बाल ब्रह्मचारिणी तपस्विनी राजयोगिनी रंजू दीदी ने पिता की जीवन कहानी संक्षिप्त में बताई। वही शिव परमात्मा की प्रवेशता के बाद आपने अपना सर्वस्व नवीन सतयुगी दुनिया की स्थापना के कार्य में अर्पण कर परमात्मा के इशारे अनुसार माताओं बहनों का ट्रस्ट बनाकर वंदे मातरम् के नारे को फलीभूत किया। अंत में परमपिता शिव परमात्मा एवं उनके साकार ब्रह्मा बाबा को बड़े प्यार से भोग स्वीकार कराया गया एवं सभी ब्रह्मा वत्सों द्वारा सजल नेत्रों से श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। अंत में यज्ञ हीं सिमरन बेन एवं उनके परिवार द्वारा सभी ब्राह्मणों को ब्रह्मा भोजन का प्रसाद खिलाया गया।

बॉर्डर पर कब्बड्डी और खो खो का रोमांच

बाड़मेर, (निसं)। बीएसएफ सिर्फ राष्ट्र रक्षार्थ ही तैनात नही है, अपितु सामाजिक सरोकार में भी हमारी महत्वपूर्ण भूमिका है । हमारी कोशिश रहती है कि समय समय पर समाज में ऐसे आयोजन किये जायें जिससे हम प्रतिभागियों को तराशकर उनका प्रोत्साहन कर सकें। ये आयोजन बेटियों को समर्पित है। जिसमें बीएसएफ के साथ साथ ग्रामीणों का भी अभूतपूर्व योगदान होगा । उक्त उदगार बुधवार को बीएसएफ सेक्टर हेड क्वार्टर बाड़मेर के उपमहानिरीक्षक प्रीतपाल सिंह भट्टी ने आगामी 20 से 22 जनवरी तक होने वाले कब्बड्डी और खो-खो लीग के पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में व्यक्त किए। बीएसएफ की 83 वीं वाहिनी के कमांडेंट एमपी सिंह ने बताया कि आगामी 20 से 22 जनवरी तक राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय साता में बेटियों के प्रोत्साहन के लिए कब्बड्डी और खो-खो खेल का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सीमावर्ती क्षेत्र दो दर्जन से ज्यादा टीमें भाग लेगी। इस ऐतिहासिक प्रतियोगिता का पोस्टर विमोचन डीआईजी प्रीतपालसिंह भट्टी ,कमांडेंट देवेंद्रसिंह ,साता सरपंच तेजदान चारण ,सीमाजन कल्याण समिति के जिला प्रचार प्रमुख रघुवीरसिंह तामलोर और तडला सरपंच हरचंद राम की उपस्थिति में किया गया। इस टूर्नामेंट में बीएसएफ की तरफ से जहां विजेता और उपविजेता खिलाडयों को ट्रैक सूट प्रदान किए जाएंगे। वहीं विजेता व उप विजेता टीम को नकद पुरस्कार के साथ-साथ ट्रॉफी और मैडल भी प्रदान किए जाएंगे । साता सरपंच तेजदान चारण ने सभी गांवों की टीमों को अधिकाधिक संख्या में भाग लेने का आव्हान किया।

बाइकों की भिड़ंत में तीन घायल

पिंडवाड़ा, (निसं)। पिण्डवाड़ा के उदयपुर की ओर जाने वाले फोरलेन हाईवे पर मालेरा के पास रॉन्ग साइड से दो मोटरसाइकिल की भिडंत में बाइक पर सवार तीन जने गंभीर घायल हो गये। जानकारी के अनुसार मंगलवार रात्रि को उदयपुर जाने वाले फोरलेन हाईवे मार्ग बेकरिया की ओर से रुपाराम पुत्र देवाराम और दला राम पुत्र भैराराम जाति गरासिया निवासी वर्ली पिंडवाडा दोनों जने मोटरसाइकिल पर सवार होकर अपने घर आ रहे थे। मालेरा गांव की दूरी से कुछ ही दूरी पर आगे पहुंचे थे। तभी उसी दौरान रॉन्ग साइड से आ रहे मालेरा निवासी लाला राम पुत्र जोगाराम जाति गरासिया की मोटरसाइकिल टकरा गई। आमने-सामने की भिडंत में तीनों जने गंभीर घायल हुए। दुर्घटना की जानकारी मालेरा टोल प्लाजा टोल मैनेजर हर्षद चावडा को मिलते ही घायलों की मदद के लिए तुरंत ही हाईवे एंबुलेंस भेजी। जहां तीनों घायलों को राजकीय चिकित्सालय पहुंचाया गया। जहां डॉ. विनोद यादव ने प्राथमिक उपचार कर घायलों की स्थिति गंभीर देखकर उपचार के लिए आगे रेफर किया। वही पुलिस थाना को दुर्घटना की जानकारी मिलते ही एएसआई सोमाराम मीणा अस्पताल पहुंचे। घायलों को उपचार के लिए सिरोही रेफर करवाया घटनास्थल पर पहुंचकर मौके की जांच पडताल कर दोनों मोटरसाइकिल को पुलिस थाने ले आए।

नवोदय परीक्षा के पोस्टर का विमोचन

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के जसवंतपुरा में केन्द्र सरकार की ओर से संचालित पूर्णत: आवासीय जवाहर नवोदय विद्यालय की कक्षा 6 में प्रवेश के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा के पोस्टर और पेम्पलेट का विमोचन बुधवार को जिला कलैक्टर और विद्यालय समिति के अध्यक्ष निशांत जैन ने किया गया। कक्षा पांचवीं में अध्ययनरत जिले की राजकीय और निजी मान्यता प्राप्त विद्यालयों के विद्यार्थी 31 जनवरी तक आवेदन कर सकेंगे। आवेदन जालोर जिलें के मूल निवासी विद्यार्थी ही कर पाऐंगे। विद्यार्थी को आधार कार्ड के माध्यम से आनलाईन ही आवेदन करना है। परीक्षा 29 अप्रेल को सभी खंड मुख्यालयों पर आयोजित होगी। जिला कलेक्टर ने जिले वासियों से अधिक से अधिक आवेदन करने की अपील की है, जिससे जिलें की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिल सकें। जिला कलेक्टर कार्यालय में आयोजित हुए पोस्टर एवं पेम्पलेट का विमोचन समारोह में अतिरिक्त जिला कलेक्टर राजेन्द्र अग्रवाल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद् संजय कुमार वासु, पीआरओ वेदप्रकाश आशिया, डीईओ प्रारंभिक श्रीराम गोदारा, एडीओ सैकेंडरी मोहनलाल परमार, सहायक निदेशक समसा शांतिलाल दवे ,जनवि के प्राचार्य प्रदीप मिश्रा, नवोसा सचिव अनन्त भट्ट, ललित ठाकुर आदि उपस्थित रहें।

खाते में आए 90 हजार 7 सौ लौटाए

बाप, (निसं)। आज कल की भागदौड में लोग नवीन चमक धमक में पैसों के चक्कर में सब कुछ भूल रहे हैं। लेकिन कुछ लोग आज भी अपना वजूद नहीं भूला रहे हैं और इमानदारी को सर्वोच्च मान रहे हैं। ऐसा ही ईमानदारी का उदारहण मंगलवार को घंटियाली के चाखू गांव में देखने को मिला। चाखू में संचालित श्रीनागाणाराय ई-मित्र से जल्दबाजी से फोन पे से 90 हजार सात सौ रूपये का ट्रांजेक्शन भीलवाडा जिले की भीम तहसील के बाला का बाडयिा निवासी कांता देवी के खाते में हो गया। यह ट्रांजेक्शन गत रविवार को हो गया था। ई मित्र संचालक गोपाल सिंह राठौड ने बताया कि मोबाइल नंबर का एक गलत लग जाने की वजह से पेमेंट कांता के चला गया। फोन पे से कांतादेवी के मोबाइल निकाल संपर्क किया तो उसने बताया कि उसका मोबाइल टूटा हुआ है। वह पेमेंट दे देगी, लेकिन ऑनलाइन नहीं भेज पाएगी। इस पर उसके बताये पते पर गोपाल सिंह राठोड, सामाजिक कार्यकर्ता मनोज पंचारिया व पूनम सिंह राठौड बाला का बाडिया पहुंचे और उनसे सम्पर्क किया। कांता देवी ने स्थानीय बैंक शाखा बैंक ऑफ बडौदा तहसील भीम पहुंच कर सम्पूर्ण राशि 90 हजार सात सौ रूपये वापिस लौटा दी। मनोज पंचारिया ने बताया कि कंाता का परिवार बेहद गरीब है। मजदूरी कर जैसे तैसे जीवन व्यापन कर रहे है। उसकी इमानदारी से खुश होकर गोपाल सिंह राठौड ने कांता देवी को पांच हजार नकद पुरस्कार स्वरूप देकर धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान प्रेम सिंह रावत व भंवर सिंह आदि उपस्थित थे।

स्वच्छ जल व शुद्ध पोषण जरूरी : खत्री

बाप, (निसं)। ग्रामीण विकास विज्ञान समिति उप केंद्र बाप द्वारा संचालित हेल्पेज इन्टर्नेशनल परियोजना के तहत मंगलवार को ग्राम गाडना मेघवालो की ढाणी में सामुदायिक नेतृत्व क्षमता वर्धन के लिए बैठक आयोजित की गई। बैठक में संदर्भ व्यक्ति अखेराज खत्री ने कहा कि वृद्धजन बदलते मौसम में अपने खान पान पर विशेष ध्यान रखे। मनुष्यों के शरीर में अधिकतर बीमारियां पानी के कारण होती है। वर्षा जल को हम संजोकर रखे। वर्षा जल में बहुत सारे मिनरल होते है। यह साफ पानी शरीर मे स्फूर्ति लाता है। हमें पानी की शुद्धता पर ध्यान देना होगा। साथ ही पोष्टिक आहार भी जरूरी है। जिन खाद्य वस्तुओं में विटामिन, प्रोटीन, वशा अधिक हो उनका उपयोग करें। हमारा दायित्व हैं कि हम वर्षा जल को संजोकर उसका सदुपयोग करें। तालाब, बावडी, कुओं का सही प्रबंधन रखे। ये प्राचीन जल स्त्रोत हमारे बहुत उपयोगी साबित होंगे। बैठक में सुरवाईजर भुराराम पंवार, सहायक रूखमणी विश्नोई, हरुराम मेगवाल, पूना राम, चिमाराम, धनाराम, कस्तूरी देवी, शांति, इमली, मोहनी, पेम्पो, मीरा देवी, मेहराराम, मूलाराम, इंद्रा, आसुराम, धूड़ी देवी, सुमित्रा आदि मौजूद थी।

ठेकेदार ने दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया

सायला, (निसं)। सायला क्षेत्र की पांथेडी ग्राम पंचायत में निविदा की हार्ड कॉपी जमा नही करने एवं ठेकेदार के साथ दुर्व्यवहार करने का मामला सामने आया है। जिसको लेकर ठेकेदार ने ग्राम विकास अधिकारी के खिलाफ पुलिस थाने में रिपोर्ट दी है।

जानकारी के अनुसार फर्म मैसर्स शौकत खान सरदार खान द्वारा ग्राम पंचायत पांथेडी में निविदा क्रमांक 76-82 दिनांक 5 जनवरी 2023 की ई-बोली संख्या 11, 12 व 13 को ऑनलाईन सबमिट किया था। जिसकी हार्ड कॉपी जमा करवाने की अन्तिम समयावधि दिनांक 18 जनवरी 2023, प्रात: 11 बजे तक निर्धारित थी। जिस पर ठेकेदार शौकत खान बुधवार प्रात: 9:30 बजे निविदा की हार्ड कॉपी जमा करवाने पांथेडी ग्राम पंचायत पहुंचा, लेकिन कार्यालय बन्द था। जिस पर ठेकेदार ने ग्राम पंचायत में खडे रहकर सरपंच एवं ग्राम विकास अधिकारी का इंतजार किया।

ग्राम विकास अधिकारी इन्द्रपालसिंह प्रात: 11 बजकर 05 मिनट पर कार्यालय में पहुंचे और हार्ड कॉपी लेने से मना कर दिया।

जिस पर ठेकेदार द्वारा हार्ड कॉपी जमा करने का कहने पर ग्राम विकास अधिकारी ने पास में खडे ठेकेदार के भाणेज शाहरूख का गला पकड लिया और हाथापाई करने पर उतारू हो गया। साथ ही जेब से आईफोन मोबाइल निकालकर नीचे पटक दिया। जिससे मोबाइल टूट गया।

ठेकेदार शौकत खान ने पांथेडी ग्राम विकास अधिकारी इन्द्रपालसिंह पर निविदा की हार्ड कॉपी जमा नही करने एवं दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया है। जिसकी शिकायत जिला कलक्टर और मुख्य कार्यकारी अधिकारी जालोर को लिखित में दी है।

सरपंच मीरा देवासी का कहना है कि मैं प्रात: 10:30 बजे से करीबन 12 बजे तक पांथेडी ग्राम पंचायत कार्यालय में ही थी। ठेकेदार शौकत खान के साथ ग्राम विकास अधिकारी की कोई कहासुनी नहीं हुई है।

ठेकेदार बार-बार टेण्डर लगा रहा था और काम नही करता था। इसलिए उसकी हार्ड कॉपी नही ली। वही ग्राम विकास अधिकारी इन्द्रपालसिंह से मोबाइल पर संपर्क करने का प्रयास किया लेकिन उनका मोबाइल स्वीच ऑफ था।

रेशाराम सुन्देशा, सहायक विकास अधिकारी सायला का कहना है कि मै अभी पांथेडी हूं। ग्राम पंचायत में एलडीसी और रोजगार सहायक तो है लेकिन ग्राम विकास अधिकारी और सरपंच उपस्थित नहीं है।

मनमोहन मीणा विकास अधिकारी पं.स. सायला के अनुसार ठेकेदार शिकायत देकर गया है। लेकिन मै आज जनसुनवाई में व्यस्त था इसलिए मामले की जानकारी नहीं है।

'शिक्षित बचपन, सुरक्षित बचपन' कार्यशाला आयोजित

पाली,(नि.सं.)। राजस्थान राज्य बाल संरक्षण आयोग एवं स्कूल शिक्षा विभाग पाली संभाग के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षित बचपन सुरक्षित बचपन एक दिवसीय कार्यशाला अग्रसेन वाटिका में बुधवार को हुई।

कार्यशाला में राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्षा संगीता बेनिवाल ने कहा कि आयोग आपके द्वार कार्यक्रम के तहत कार्यशाला पाली में आयोजित की गई है। जिसमें बच्चों के साथ शिक्षकों की भागीदारी रखी है आयोग पाली में आकर आपके विचार व सुझाव आमंत्रित कर रहा है। राज्य में सभी स्थानों पर आयोग समस्याओ को सुनकर उनका निस्तारण कर रहा है। उन्होंने कहा कि हमे अपने अधिकार व कर्तव्यों को समझने के लिए शिक्षित होना जरूरी हैं बच्चे देश का भविष्य है उन्हें सामान रूप से शिक्षा दिलानी चाहिए। बाल आयोग का कार्य किसी के अधिकारों का हनन न हो, शिक्षको का इसमें बड़ा योगदान है वे बच्चों को सही मार्गदर्शन देते है बच्चों के हित में शिक्षक नवाचार करे और उसकी जानकारी आयोग को दें। उन्होंने पाली जिले को पूर्ण शिक्षित करने का आहवान करते हुए कहा कि कुछ भी असंभव नहीं है। प्रत्येक बच्चा महत्वपूर्ण है उन्हें शिक्षित व सुरक्षित बचपन के मार्गदर्शक बने ओर केरियर बनाने में योगदान दे। अध्यक्ष ने बच्चों द्वारा रखी गई बातों को ध्यान से सुनकर उनका निराकरण कर उन्हे प्रोत्साहित किया।

आयोग की सदस्य संगीता गर्ग कहा कि बेटा बेटी एक समान है दोनों को बराबर ज्ञान होना जरूरी है। बच्चों प्रकृति प्रदत्त गुण लेकर आते है। उनको बच्चे अपने गुणों को पहचान कर उन्हें तराशे फिर अपने कार्य को मूर्तरूप दें। सदस्य साहु मीणा ने कहा कि बच्चों पर अभिभावकों का थोड़ा दबाव हो सकता है। बच्चे अपनी बात परिजनों व शिक्षकों के समक्ष रखें। मा-बाप बच्चों का कभी बुरा नहीं चाहते केवल समझाईश की आवश्यकता है। उन्होंने कह कि सरकारी स्कूलों में अच्छी व गुणवत्तापूर्वक शिक्षा की जा रही है।

आयोग में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक शर्मा ने कहा कि आयोग द्वारा बालकों के हितार्थ कई कार्यक्रम चलाए जा रहे है। चुप्पी तोड़ो खुलकर बोलो, बाल सप्ताह, शिक्षित बचपन, सुरक्षित बचपन, जैसे कार्य का उद्देश्यों बच्चों की हितों की रक्षा करना है। इनमें बडा काम शिक्षा विभाग का है। जिसमें बच्चों को शिक्षित करने के साथ सुरक्षित करना भी होता है। बच्चे 6 घंटे स्कूलों में बिताते है कोई बात जो अपने माता पिता को नहीं बताते वे अध्यापकों से साझा करते है। बच्चों के लेगिंग अपराध की जानकारी दी जाए 18 वर्ष के कम के बच्चों को गुड टच, बेड टच की शिकायत पर कार्यवाही करने के साथ ही उनके हितों की रक्षा के लिए शिक्षकों को सैदव मदद करनी चाहिए।

कार्यशाला के दूसरे सत्र में आयोग के सदस्य, सहायक निदेशक विकास मीणा, एडवोकेट भाटी आदि ने कानूनी पहलुओ के बारे में बताया। इस मौके पर शिक्षा विभाग के जिला शिक्षा अधिकारी राहुल राजपुरोहित, प्रकाश सिंगाडिया, सोहन भाटी, तुलसीराम चौहान, बंसत परिहार, किरण बाला सहित पाली, जालौर, सिरोही के शिक्षक व छात्र छात्राऐं मौजूद रहे।

उत्कर्ष की काउंसलिंग सेमिनार 21 व 22 को

जोधपुर, (कासं)। उत्कर्ष क्लासेस द्वारा सूचना सहायक की विज्ञप्ति जारी होने के अवसर पर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने हेतु जयपुर व जोधपुर में क्रमश: शनिवार तथा रविवार को काउंसलिंग सेमिनार आयोजित किया जा रहा है।

इसके तहत जयपुर में गोपालपुरा बाईपास रोड पर स्थित उत्कर्ष के ऑफलाइन सेंटर पर शनिवार प्रात: 10 से दोपहर 2 बजे तक तथा रविवार को इसी समयानुसार जोधपुर में शास्त्री नगर स्थित उत्कर्ष कॉम्प्लेक्स में संबंधित परीक्षा के अभ्यर्थियों को विशेषज्ञों द्वारा परीक्षा से जुडी मूलभूत जानकारियों पर मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

उत्कर्ष क्लासेस के फाउंडर एंड सीईओ डॉ. निर्मल गहलोत ने बताया कि राजस्थान सूचना सहायक भर्ती परीक्षा के अंतर्गत 2730 पदों पर भर्तियाँ किए जाने संबंधित क्षेत्र में तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए एक सुनहरा अवसर है। इसी को ध्यान में रखते हुए संस्थान द्वारा इस शनिवार एवं रविवार को जयपुर व जोधपुर में भव्य काउंसलिंग सेमिनार का आयोजन रखा जा रहा है जहाँ विभिन्न विषयों के अनुभवी विशेषज्ञ परीक्षा संबंधी जरूरी जानकारियों जैसे आवेदन कैसे किया जाए, योग्यता, आयु सीमा, आरक्षण का गणित इत्यादि के अलावा हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम में परीक्षा में श्रेष्ठ परिणाम हासिल करने के लिए सार्थक रणनीति के साथ मजबूत तैयारी करने पर मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। विशेषज्ञों द्वारा सामान्य अध्ययन व कंप्यूटर विषयों की तैयारी पर विशेष परिचर्चा करने के साथ ही वर्ष 2018 के प्रश्न-पत्र का हल भी बताया जाएगा। इसके अतिरिक्त सेमिनार में आए सभी विद्यार्थियों को 500 महत्त्वपूर्ण प्रश्नों की बुकलेट नि:शुल्क दी जाएगी।

भूमि आवंटन को लेकर धरना

बाप, (निसं)। अम्बेडकर भवन के लिए आवंटित भूमि को निरस्त कर डॉ अम्बेडकर मेमोरियल सोसायटी बाप को आवंटन कराने की मांग को लेकर गुरूवार को धरना स्थल से जोधपुर जिला कलेक्ट्रेट तक पैदल विरोध मार्च निकाला जाएगा।

डॉ अम्बेडकर मेमोरियल सोसायटी संघर्ष समिति का अनिश्चितकालीन धरना 16 वें दिन बुधवार को भी उपखण्ड कार्यालय बाप के समक्ष जारी रहा। धरनार्थियों ने जिला कलक्टर के नाम का उपखण्ड कार्यालय में ज्ञापन सौंपा। बुधवार को अम्बेडकर भवन बनाने की कार्यकारी एजेन्सी पंचायत समिति के सहायक अभियन्ता प्रदीप छंगाणी एवं पुखराज मेघवाल के प्रतिनिधिमंडल ने धरनार्थियों से वार्ता भी की। वार्ड पंच बाबूराम मेघवाल टेपू, प्रहलादराम मेघवाल, किशनाराम मेघवाल, ज्ञानाराम पंवार, हरदेवाराम मेघवाल, गणपत भाट, मूलाराम पंवार, रेवंतराम तंवर कानासर, किशनाराम मेघवाल, लिखमाराम भील, कमला भील, उत्तमाराम लोहिया, लालचंद लोहिया गाडना, पूर्व सैनिक नारायणराम लोहिया, ओमप्रकाश मेघवाल महादेवपुरा, मदनलाल भाट, भेराराम मेघवाल, बिहारी पंवार, प्रहलाद कुमार मेघवाल महादेवपुरा आदि बैठे।

आयुर्वेद के प्रचार व शिक्षण-प्रशिक्षण पर समझौता हुआ

जोधपुर, (कासं)। जी-20 की चर्चाओं के बीच बुधवार को जोधपुर में भारत एवं जापान के बीच ऐतिहासिक अन्तर्राष्ट्रीय समझौता आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार एवं शिक्षण-प्रशिक्षण विषय पर सम्पन्न हुआ।

आयुर्वेद की वैश्विक पटल पर बढती लोकप्रियता का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने आयुर्वेद सोसायटी, जापान के साथ आयुर्वेद शिक्षण-प्रशिक्षण, शोध-कार्य एवं प्रचार-प्रसार के कार्यों में मिलकर काम करने के उद्देश्य से आपसी समझ-पत्र (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किये।

इस अवसर पर आयुर्वेद सोसायटी, जापान की प्रतिनिधि मिहो अराओका तथा मासुमी नाकानो तथा सोसायटी के संरक्षक प्रो. हरिशंकर शर्मा उपस्थित थे।

कुलपति प्रो. प्रजापति ने इस अवसर पर अपने उद्बोधन में कहा कि जापान में आयुर्वेद की जीवनशैली तथा वनौषधियों द्वारा स्वास्थ्य संरक्षण के विषय में आमजनता में जागरुकता बढ रही है तथा वहाँ पंचकर्म आधारित अनेक क्लिनिक संचालित किये जा रहे हैं। इनके फलस्वरूप वहाँ की जनता में आयुर्वेद के द्वारा स्वास्थ्य-रक्षण कर रोगों से बचाव करने के प्रति रूझान बढ रहा है। उन्होंने जापान के साथ आयुर्वेद पर मिलकर काम करने के उद्देश्य के साथ आज सम्पन्न हुए एम.ओ.यू. पर जापानी प्रतिनिधियों एवं विश्वविद्यालय के शिक्षकों को बधाई दी।

आयुर्वेद सोसायटी, जापान के संरक्षण प्रो. हरिशंकर शर्मा ने एम.ओ.यू. सम्पन्न होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये कहा कि इस एम.ओ.यू. के माध्यम से आयुर्वेद सोसायटी, जापान के सदस्यगण आयुर्वेद का शिक्षण-प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिये जोधपुर स्थित देश की प्रमुख आयुर्वेद विश्वविद्यालय में आ सकेंगे तथा आयुर्वेद विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं शोध अध्येता जापान स्थित आयुर्वेद सोसायटी जा सकेंगे। कुलसचिव सीमा कविया तथा डीन रिसर्च प्रो. प्रेमप्रकाश व्यास ने एम.ओ.यू. पर साक्षी के रूप में हस्ताक्षर किये। इस मौके पर प्रो. चन्दन सिंह, प्रो. नीलिमा रेड्डी, प्रो. राजेश गुप्ता, प्रो. महेश शर्मा, डॉ. राकेश शर्मा, डॉ. देवेन्द्र चाहर, डॉ. राजाराम अग्रवाल, डॉ. दिनेश शर्मा, डॉ. हरीश कुमार सिंघल, डॉ. ब्रह्मानन्द शर्मा, डॉ. ऋतु कपूर, डॉ. मनोज अरोडा, डॉ. चन्द्रभान शर्मा, डॉ. संजय श्रीवास्तव तथा होम्योपैथी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गौरव नागर आदि शिक्षक उपस्थित थे।

पटवारी के खिलाफ शिकायत

रेवदर, (निसं)। गांव सेलवाड़ा में कृषि भूमि में खड़ी फसल को जेसीबी से नष्ट करने को लेकर सेलवाड़ा पटवारी सहित दो अन्य लोगों के खिलाफ कार्यवाही को लेकर प्रार्थी द्वारा पुलिस थाना रेवदर में रिपोर्ट पेश की गई।

उक्त रिपोर्ट में बताया गया कि प्रार्थी जब्बरसिंह पुत्र हंसाजी व नारायण पुत्र नवाजी जाति राजपुत निवासी सेलवाड़ा का गाँव सेलवाडा में संयुक्त कृषि आराजी खसरा संख्या 54/1174 कुल रकबा 04-10 बीघा आई हुई है जिस पर हम हमारे बाप दादा के समय से कृषि काश्त करते आ रहे है एवं वर्तमान में भी हमारा कब्जा काश्त काबिज हैं। यह कि 16 जनवरी 2023 को वह लोग किसी काम से रेवदर गये थे तब शाम 6 बजे उनके खेत पर कार्य कर रहे हाली परभाराम पुत्र हमीरजी जाति मेघवाल निवासी सेलवाडा का फोन आया कि पटवारी सहित नगाराम पुत्र वीराजी व देवाराम वीराजी कलबी जेसीबी लेकर आये है और उनकी खडी फसल को जेसीबी द्वारा नष्ट कर रहे है।

सूचना मिलने पर जब्बरसिंह, सुरेन्द्रसिंह पुत्र हंसाजी, महेन्द्र सिंह पुत्र नारायणसिंह व छगनसिंह पुत्र नारायणसिंह मौके पर गये और देखा कि पटवारी, नगाराम व देवाराम जेसीबी के चालक को दिशा निर्देश देते हुए खडी फसल को नष्ट करवा रहे थे। पटवारी रामाराम को पूछा तो उसने बताया कि हम यहाँ से रास्ता निकाल रहे हैं।

विशेष योग्यजन आयुक्त शर्मा ने जनसुनवाई की

सायला, (निसं)। जालोर जिले के सायला पंचायत समिति परिसर में बुधवार को विशेष योग्यजन आयुक्त आपके द्वार के अन्तर्गत मिशन तहसील-392 के तहत एक दिवसीय जनसुनवाई का विशेष योग्यजन आयुक्त उमाशंकर शर्मा की अध्यक्षता में आयोजन हुआ।

जनसुनवाई में सर्वप्रथम आयुक्त शर्मा का साफा एवं माला पहनाकर सम्मान किया गया। इस मौके आयुक्त शर्मा ने कहा कि राज्य में प्रत्येक विशेष योग्यजन मान, प्रतिष्ठा और सम्मान के साथ रह सकें और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान हो, इसके लिए राज्य सरकार द्वारा जयपुर में विशेष योग्यजन आयुक्तालय बनाया गया है। अगर विशेष योग्यजनों को स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, बिजली आदि किसी भी विभाग से संबंधित कोई समस्या आती है तो सीधे तौर पर हमें शिकायत करें। विशेष योग्यजन आयुक्तालय के हर जिले एवं तहसील में अधिकारी नियुक्त है। देश में राजस्थान पहला ऐसा राज्य है जहां विशेष योग्यजनों की समस्या समाधान के लिए तहसील स्तर पर जनसुनवाई का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें विशेष योग्यजन को अपनी समस्याएं बताने का आग्रह किया। पूर्व जिला प्रमुख मंजू मेघवाल ने राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का पात्र व्यक्तियों को लाभ दिलवाने की बात कही।

सामाजिक सुरक्षा अधिकारी राजाराम चौधरी ने बताया कि जिले में 17530 व्यक्तियों को दिव्यांगजन पेंशन, 16314 को दिव्यांग प्रमाण पत्र, 15 स्वरोजगार ऋण, 2870 परिवार व 4590 बच्चे को पालनहार योजना का लाभ एवं 300 उपकरण देकर लाभान्वित किया गया है।

आयुक्त शर्मा का विप्र फाउंडेशन द्वारा भी ब्लॉक अध्यक्ष कन्हैयालाल त्रिवेदी के नेतृत्व में साफा एवं माला पहनाकर सम्मान किया गया। जनसुनवाई में 167 परिवेदनाएं प्राप्त कर उनका निस्तारण किया गया। साथ ही 4 ट्राईसाईकिल, 1 व्हील चेअर, 4 जोडी बैशाखी एवं 1 श्रवण यंत्र वितरित किए गए।

इस दौरान पूर्व जिला प्रमुख मंजू मेघवाल, प्रधान ढोमीदेवी, उपखण्ड अधिकारी सूरजभान बिश्नोई, तहसीलदार कौशल्या जांगिड, नायब तहसीलदार महेश दवे, विकास अधिकारी मनमोहन मीणा, बीसीएमओ डॉ. रघुनन्दन बिश्नोई, ओटवाला सरपंच दीपाराम मेघवाल, सायला उपसरपंच प्रकाश मेघवाल, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अजीतसिंह देता, सुल्तान खान भाटी, जालोर शान्ति अहिंसा प्रकोष्ठ सदस्य मांगीलाल गर्ग, सुखदेव त्रिवेदी, युवा नेता जितेन्द्र प्रजापत, शैलेन्द्रसिंह बावतरा, गोपाल देवासी समेत विशेष योग्यजन एवं ग्रामीण मौजूद थे।

आयुक्त शर्मा ने कहा कि विशेष योग्यजनों के लिए न्यायालय राज्य आयुक्त विशेष योग्यजन की भी व्यवस्था है। जो विशेष योग्यजनों के द्वारा दिए गए परिवाद पर सुनवाई करता है। इस न्यायालय में 100 से ज्यादा मामले चल रहे है जिसके अंतर्गत 42 मामलों में निर्णय दिया जा चुका है। जिसमें विशेष योग्यजनों के स्थानान्तरण, भू-खण्ड पर अवैध कब्जा, प्रताडित करने आदि से संबंधित मामले शामिल है। विशेष योग्यजनों के त्वरित न्याय की संकल्पना का सपना साकार करने के लिए जिला मुख्यालय पर मोबाइल कोर्ट का आयोजन किया जा रहा है। राज्य में प्रथम मोबाइल कोर्ट का आयोजन जालोर जिला मुख्यालय पर 20 जनवरी से होगा।

उन्होंने राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि विशेष योग्यजन बच्चों के सरकारी स्कूल जाने पर राज्य सरकार सालाना 8 से 10 हजार सहायता देती है, ताकि बच्चे उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकें। पालनहार योजना में एक हजार रूपये प्रतिमाह दिया जाता है। चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत 10 लाख रूपये तक नि:शुल्क ईलाज, 5 लाख दुर्घटना बीमा एवं नि:शुल्क जांच की व्यवस्था है। सामाजिक सुरक्षा पेंशन के तहत सभी विशेष योग्यजनों को 1500 रूपये तक पेंशन मिलती है।

जनसुनवाई के बाद आयुक्त शर्मा ने ब्रह्मपुरी स्थित महालक्ष्मी मन्दिर मे दर्शन किए। जहां श्रीमाली ब्राह्मण समाज द्वारा आयुक्त शर्मा का साफा व माला पहनाकर एवं तिलक लगाकर सम्मान किया। इस दौरान श्रीमाली ब्राह्मणों ने स्वस्ति वाचन मंत्रोच्चारण किया।

वहीं आयुक्त ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस दौरान कन्हैयालाल त्रिवेदी, पारसमल त्रिवेदी, प्रकाश त्रिवेदी, मुकुन्द दवे, कमलेश त्रिवेदी, त्रिभुवन, महेश त्रिवेदी, पूरण प्रकाश, हरीश त्रिवेदी, किशोर कुमार, जगदीश, विक्रम, जितेन्द्र, नवनीत, रविन्द्र समेत समाजबंधु मौजूद थे।

कार्यालय ग्राम पंचायत ऐलाणा पं.स. सायला जिला जालोर

क्रमांक/ग्रापं/बोली/2022-23/125 | दिनांक 11/01/2023

ई-बोली 01/2022-23

ग्राम पंचायत ऐलाणा में महानरेगा व अन्य विकास योजनाओं हेतु जारी बोली सूचना वर्ष 2022-23 के अनुसार वित्तीय वर्ष 2022-2023 में योजनाओं की निर्माण साम्रगी आपूर्ति हेतु जीएसटी विभाग के अन्तर्गत पंजीकृत फर्मो/संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युमेन्ट प्रक्रिया से वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑन लाईन बोली आमंत्रित की जाती है।

बोली की अनुमानित लागत 80.00 लाख

बोली की क्र. स.	ऑनलाईन बोली प्रपत्र विक्रय/डाउनलोड /अपलोड करने की दिनांक व समय	प्रोसेसिंग शुल्क व बोली शुल्क एवं अमानत राशि मय तकनिकी बिड भौतिक रूप से ग्राम पंचायत में जमा कराने की दिनांक व समय	ऑन-लाईन बोली खोलने की दिनांक
1.	11/01/2023 To 21/01/2023 6 PM	upto 23/01/2023 11.00 AM	23/01/2023 3.00PM

बोली सूचना में बोली शुल्क, बोली प्रतिभूति, बोली प्रोसेसिंग फीस राशि, शर्ते एवं पूर्ण विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी एवं डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है।

NIB ZJR2223A0440 UBN No. ZJR2223GLRC00846

सरपंच
ग्राम पंचायत ऐलाणा
पं.स. सायला

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत ऐलाणा
पं.स. सायला

'आज राजस्थान की जनता के दिल में बस एक ही सवाल है कि पायलट साहब मुख्यमंत्री कब बनेंगे'

फिर मंत्री राजेंद्र सिंह गुढा ने सचिन पायलट का नाम लिए बगैर सरकार पर हमला बोला

झुंझुनूं, (निसं)। प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने एक बार फिर नाम लिए बगैर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान पर ना केवल पलटवार किया है। बल्कि रिटायर होने वाले अधिकारियों को मिल रही राजनैतिक नियुक्तियों पर भी सवाल उठाए है। किसान सम्मेलन के जरिए प्रदेश के दौरे पर निकले सचिन पायलट ने बुधवार को झुंझुनूं के गुडा गांव में किसानों को संबोधित किया।

गुडा गांव में किसान सम्मेलन में पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट को उदयपुरवाटी विधायक व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढा ने हल भेंट किया।

- कौनसी जादुगरी से निकले तिजोरी से पेपर, इसलिए जिम्मेदारी तो सरकार को तय करनी पड़ेगी : पायलट
- सचिन पायलट ने रिटायर होने वाले अधिकारियों को मिल रही राजनैतिक नियुक्तियों पर भी सवाल उठाए
- सचिन पायलट ने कहा, कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए संघर्ष करूंगा

इस मौके पर उन्होंने कहा कि पेपर लीक होने का दुख सभी को है। उनकी सरकार पेपर लीक मामले में कार्रवाई कर रही है। उसका स्वागत है। लेकिन कहा जा रहा है कि इन पेपर लीक में कोई भी नेता या फिर अधिकारी शामिल नहीं है। तो वो समझ से परे है। उन्होंने कहा कि पेपर तिजोरी में रखे जाते हैं। अब सरकार को जिम्मेदारी तय करते हुए यह बताना चाहिए कि ऐसी कौनसी जादुगरी है जो बिना नेता और अधिकारियों की शह के पेपर बच्चों तक पहुंच जाता है। उन्होंने कहा लगातार पेपर लीक से सभी दुखी है। इसलिए हमें जिम्मेदारी तय करते हुए सभी लोगों को बेनकाब करना होगा। पायलट यहीं नहीं रूके। इस बार पायलट ने रिटायर होने वाले अधिकारियों को मिल रही राजनैतिक नियुक्तियों पर भी सवाल उठाया।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार को बने हुए चार साल हो गए हैं। कई कार्यकर्ताओं को नियुक्तियां मिली है। लेकिन अधिकारियों को राजनैतिक नियुक्तियां मिल रही है। जिसका अनुपात सही नहीं है। जो अधिकारी शाम पांच बजे रिटायर होते हैं। उन्हें रात 12 बजे तक राजनैतिक नियुक्तियां दे दी जाती है। जबकि जिस कार्यकर्ता और नेता के खून पसीने से सरकार सत्ता में आई है। पहला मौका उन्हें दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे कार्यकर्ताओं के मान सम्मान के लिए पहले भी संघर्ष करते रहे है और आगे भी करते रहेंगे।

इस मौके पर उन्होंने किसानों की और युवाओं की बात रखते हुए केंद्र सरकार पर भी हमला बोला। मंच पर इस सम्मेलन के संयोजक मंत्री राजेंद्र सिंह गुढा समेत परिवहन मंत्री बृजेंद्र ओला, वन मंत्री हेमाराम चौधरी, व्यापार कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष नीमकाथाना विधायक सुरेश मोदी, एसी आयोग अध्यक्ष खिलाडीलाल बैरवा, चाकसू विधायक वेदप्रकाश सोलंकी, विराट नगर विधायक इंद्राज गुर्जर, लाडनू विधायक मुकेश भाकर, श्रीमाधोपुर विधायक दीपेंद्र सिंह के पुत्र बालेंदू सिंह शेखावत, दातारामगढ विधायक वीरेंद्र चौधरी, खेतडी के पूर्व विधायक हजारीलाल गुर्जर तथा उदयपुरवाटी चेयरमैन रामनिवास सैनी समेत अन्य नेता मंच पर मौजूद थे। इससे पहले पायलट हैलिकॉप्टर से गुडा गांव में पहुंचे और फिर झुंझुनूं के लिए रवाना हो गए।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर राजेंद्र सिंह गुढा का हमला:- गुडा गांव में सचिन पायलट के किसान सम्मेलन में कांग्रेस के मंत्री राजेंद्र सिंह गुढा ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पूरा देश देख रहा है कि 200 में से 21 नंबर लाने वाला तो सफल और 21 से 100 संख्या पहुंचाने वाला निकम्मा और नकारा। गुढा ने सभा को संबोधित करते हुए सचिन पायलट की तुलना राम और पांडवों से भी कर डाली। उन्होंने कहा कि राम का जब राजतिलक होना था। तब उन्हें बनवास मिला। 14 साल के बनवास के कारण आज भी हिंदुस्तान के दिल में राम बसे है। द्रोपदी का चीरहरण हुआ तो पूरा हिंदुस्तान बोला कि पांडवों के साथ अन्याय हुआ है। लेकिन जिसके साथ भी अन्याय होता है।

ये जनता उसे अपने दिलों में बसा लेती है और अपना पूरा समर्थन देती है। जिसने 200 में से 21 नंबर लाकर कांग्रेस को सत्ता से बाहर करवाया उसे कांग्रेस ने सफल माना। और जिसने कांग्रेस को 21 नंबर से 100 नंबर तक पहुंचाया। उसे निकम्मा और नकारा बताया जा रहा है। यही सचिन पायलट के साथ हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज पूरे राजस्थान की जनता के दिल में बस एक ही सवाल है कि पायलट साहब मुख्यमंत्री कब बनेंगे।

घूसखोर एएसपी दिव्या के मोबाइलों की आनासागर में तलाश की

एसडीआरएफ़ को आनासागर में मोबाइल हाथ नहीं लगे

अजमेर, (कासं)। एसओजी की घुसखोर एडिशनल एसपी दिव्या मित्तल को एसीबी कि कार्यवाही की भनक एक दिन पहले ही लग गई थी, इसलिए दिव्या मित्तल ने अपने 2 मोबाइल फ़ोन अजमेर की आनासागर झील में फेंक दिए, रिमांड के दौरान जब एसीबी ने दिव्या मित्तल से पूछताछ की तो उसने मोबाइल आनासागर झील में फेंकना कबूल किया।

घूसखोर एएसपी को आनासागर झील पर लेकर पहुंची एसीबी टीम।

- एसीबी की टीम मोबाइल बरामदगी के लिए दिव्या मित्तल को लेकर अजमेर पहुंची
- एक दिन पहले ही दिव्या मित्तल ने दो मोबाइलव अन्य सामान आनासागर में फेंकना कबूला था

बुधवार को जयपुर एसीबी की टीम मोबाइल बरामदगी के लिए दिव्या मित्तल को लेकर अजमेर पहुंची, बताया जा रहा है कि रविवार रात जब दिव्या मित्तल ने अपना मोबाइल आनासागर में फैंका उस समय वह अपनी सरकारी गाड़ी में थी, इसलिए सरकारी गाड़ी के ड्राईवर बहादुर सिंह को भी मौके पर बुलाया गया, झील का पानी गहरा होने के कारण एसीबी ने एसडीआरफ की मदद ली। एसडीआरएफ के दस जवानों ने करीब तीन घंटे तक आनासागर में मोबाइल की तलाश की लेकिन मोबाइल हाथ नहीं लगा। अंधेरा होने के चलते सर्च अभियान को रोका, बताया जा रहा कि गुरूवार को एक बार फिर एसीबी एसडीआरएफ़ की मदद से सर्च कर सकती है, इस दौरान दिव्या मित्तल एसीबी की हिरासत में कार में ही बैठी रही।

जानकारी के अनुसार रविवार रात करीब 10 बजे दिव्या मित्तल अपने आरजी स्थित फ्लैट से अपनी सरकारी गाडी में ब्यावर के लिए निकली और उसने ड्राईवर बहादुर को गाडी आनासागर के करीब से ले जाने के लिए कहा। दिव्या मित्तल ने आनासागर के करीब आकर गाडी से उतर गई। ड्राईवर ने एसीबी को बताया कि दिव्या मित्तल ने कुछ सामान आनासागर में फेंका। दो दिन में दिव्या कि रिमांड अवधि भी समाप्त हो रही है यदि इन दो दिनों में दिव्या का मोबाइल नहीं मिला तो एसीबी का केस कमजोर पड़ने के भी आसार है। मई 2021 में अजमेर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 16 करोड़ रुपए से ज्यादा की नशीली दवाओं की खेप पकड़ी थी, इसमें जयपुर में साढ़े पांच करोड़ और अजमेर में 11 करोड़ की दवाओं के साथ आरोपी पकड़े गए थे, इसी मामले से नाम हटाने के एवज में एसओजी की एडिशनल एसपी दिव्या मित्तल पर रिश्वत मांगने का आरोप है, परिवादी ने 4 जनवरी को एसीबी से संपर्क किया था।

पेपर लीक मामले में दो गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। सुखेर थाना पुलिस ने पेपर लीक मामले में पेपर उपलब्ध कराने एवं वाहन सुविधा उपलब्ध कराने वाले दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार 24 दिसंबर सवेरे राज्य लोकसेवा आयोज द्वारा आयोजित की जाने वाली द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती प्रतियोगिता परीक्षा के सामान्य ज्ञान प्रश्नप्रत्र पत्र पेपर लीक के मामे में सुखेर थाना क्षेत्र में स्थित होटल हिमांशी में ठहरे छात्रों को गिरफ्तार कर उनसे की गई पूछताछ में मिले साक्ष्यों के आधार पर 17 जनवरी को छात्रों को पेपर उपलब्ध कराने वाले रिडियाघेरा पोस्ट हेमागुडा जालौर निवासी सुरेश विश्नोई पुत्र जगदीशराम विश्नोई तथा वाहन उपलब्ध कराने वाले पीराराम पुत्र रघुनथाराम विश्नोई को गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर 8 दिन का पुलिस रिमाण्ड लिया है। जिनसे पूछताछ की जा रही है।

देश-दुनिया में सिख समाज का महत्वपूर्ण योगदान : पायलट

हनुमानगढ़, (कासं)। हनुमानगढ़ जिले के दौरे पर आये पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने बुधवार सुबह टाउन स्थित ऐतिहासिक गुरूद्वारा शहीद बाबा सुक्खा सिंह बाबा महताब सिंह में मत्था टेका और क्षेत्र की खुशहाली, सुख-समृद्धि और अमन-चैन की कामना की।

गुरूद्वारा साहिब में सरोपा भेंट कर पायलट का सम्मान किया गया। इससे पहले सचिन पायलट का पंचायत समिति के पूर्व प्रधान जयदेव भिड़ासरा के निवास पर कार्यकर्ताओं की ओर से स्वागत किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने बंद पड़ी स्पिनिंग मिल को शुरू करवाने, डीएपी-यूरिया खाद की किल्लत सहित किसानों की अन्य समस्याओं से पायलट को अवगत कराया और समाधान की मांग की।

गुरूद्वारा साहिब में मत्था टेकने के बाद पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने बताया कि वे झुंझुनूं में आयोजित किसान सम्मेलन को संबोधित करेंगे। गुरूवार को पाली का दौरा करेंगे। पाली में भी किसान और आदिवासी सम्मेलन में शामिल होंगे। स्कूलों में पंजाबी सब्जेक्ट के पद रिक्त होने पर उन्होंने कहा कि जो-जो पद खाली पड़े हैं, वे भरे जाने चाहिए। सिख समाज की संस्कृति और इतिहास को और प्रोत्साहित करने के लिए भी यह आवश्यक है। पायलट ने कहा कि इस दुनिया और देश में सिख समाज के योगदान का कोई मुकाबला नहीं कर सकता। जब भी मुश्किल घड़ी आती है तो सबसे पहले सिख समाज आगे आकर बढ़-चढ़कर सेवा करता है। सिख समाज में सेवा का जितना भाव है, वह शायद ही किसी अन्य धर्म में हो। इसके बाद सचिन पायलट जंक्शन में जिला परिषद कार्यालय के पीछे बनाये गए हेलीपेड पर पहुंचे। यहां से उन्होंने हेलीकॉप्टर में सवार होकर झुंझुनूं के लिए उड़ान भरी।

जेईई-मेन 2023-एनटीए ने परीक्षा की तिथियां, परीक्षा केन्द्र जारी किये

कई विद्यार्थियों को चारों विकल्प में से भी परीक्षा शहर नहीं मिला

कोटा, (निसं)। देश की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-मेन जनवरी सेशन के परीक्षा शहर एवं परीक्षा की तिथियां बुधवार को जारी कर दी गई। विद्यार्थियों को इसकी सूचना मिलने के साथ ही असमंजस की स्थितियां भी सामने आई। वहीं अब एडमिट कार्ड का इंतजार शुरू हो गया है, एक-दो दिन में एडमिट कार्ड रिलीज हो जाएंगे। जेईई-मेन जनवरी परीक्षा के लिए 9.15 लाख विद्यार्थियों ने आवेदन किया है।

- बीई-बीटेक 24, 25, 29, 30, 31 जनवरी तथा 1 फरवरी को
- जेईई-मेन जनवरी परीक्षा के लिए 9.15 लाख विद्यार्थियों ने आवेदन किया है

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि जेईई-मेन जनवरी परीक्षा जो कि पूर्व में 24 से 31 जनवरी के मध्य आयोजित की जानी थी। परीक्षा तिथियां जारी होने के पश्चात अब जेईई-मेन परीक्षा 24 जनवरी से 1 फरवरी के मध्य संपन्न होगी, यानी परीक्षा के लिए एक दिन अतिरिक्त कर दिया गया है। जेईई-मेन जनवरी परीक्षा में 24, 25, 29, 30 व 31 जनवरी एवं 1 फरवरी को बीई-बीटेक के लिए परीक्षा होगी। वहीं 28 जनवरी को बीआर्क के लिए परीक्षा होगी। परीक्षा अभी भी 7 दिवस में ही संपन्न होगी। पूर्व में जारी किए गए कार्यक्रम में 26 जनवरी को परीक्षा नहीं होनी थी। अब जारी किए गए कार्यक्रम में 26 व 27 जनवरी को परीक्षा नहीं होगी। इसके बदले 1 फरवरी तक परीक्षा होगी।

आहूजा ने बताया कि परीक्षा तिथियों के साथ-साथ परीक्षा शहर भी जारी किए गए हैं। परीक्षा शहरों में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के परीक्षा शहर उनके आवेदन के दौरान भरे हुए चारों परीक्षा केन्द्रों के विकल्पों के अतिरिक्त परीक्षा शहर आवंटित किए गए हैं। ऐसे में ये विद्यार्थी बड़े असमंजस में दिखाई दे रहे हैं, कि इतने कम समय में वे उस परीक्षा शहर के अनुरूप आने-जाने की व्यवस्था कैसे करेंगे, जबकि पूर्व में ही विद्यार्थी अपने आवेदन के दौरान भरे हुए परीक्षा केन्द्र के अनुरूप आने-जाने के लिए मन बना चुके थे। अधिकांश विद्यार्थियों ने अपने पहले और दूसरे परीक्षा शहर के विकल्प के अनुरूप व्यवस्था तक कर चुके थे। विद्यार्थियों को अब अपने ओरिजनल आईडी प्रुफ, फोटोग्राफ को व्यवस्थित कर लेना चाहिए, क्योंकि परीक्षा केन्द्र में उन्हें अपने साथ मूल प्रमाण पत्रों को ले जाना होगा। विद्यार्थी जेईई-मेन की वेबसाइट पर दिए गए लॉगइन पर जाकर अपना एप्लीकेशन नम्बर एवं जन्म दिनांक की जानकारी भरकर एनटीए द्वारा जारी की गई इस सूचना को प्राप्त कर सकते हैं।

लोगों ने कलेक्टर से मिलकर बताई समस्या

लोगों ने कहा कि घर गिरा देंगे तो रहेंगे कहां

पाली, (निसं)। पाली विधायक ज्ञानचंद पारख के नेतृत्व में सैकड़ों लोग बुधवार को जिला कलेक्टर नमित मेहता से मिले। अपनी व्यथा सुनाते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री के नाम उन्हें ज्ञापन सौंपा। इसमें बताया कि एसडीएम ने छह मकान गिराने का आदेश जारी किया है। लाखों रुपए खर्च कर उन्होंने मकान बनाए हैं। उन्हें गिरा दिया जाएगा तो वे कहां रहेंगे। उन्हें लाखों रुपए का नुकसान हो जाएगा। प्रशासन को चाहिए की मकानों में दरारें क्यों आ रही हैं इसकी जांच करवाए और उनके मकान जो बार-बार क्षतिग्रस्त हो रहे हैं उन्हें फिर से दुरुस्त करवाने के लिए मुआवजा दिलवाएं।

ज्ञापन सौंपते समय क्षेत्र के रमेश परिहार, दिनेश देवड़ा, प्रवीण, शारदा देवी, पारस भाटी, नगर परिषद के पूर्व सभापति महेन्द्र बोहरा, पार्षद राधेश्याम चौहान, विकास बुबकिया, अशोक बाफना सहित बड़ी संख्या में पीड़ित लोग मौजूद रहे। बाहर से एक्सपर्ट की टीम बुलाकर मकानों में आ रही दरारों की जांच करवाई जाए, मोहल्ले से गुजर रही पाइप लाइन की जांच करवाई जाए, जो मकान गिराए जाने वाले हैं उन लोगों के रहने की व्यवस्था सरकार करे, जिन मकानों को गिराया जाना है उन परिवारों को सरकार मुआवजा दे, जिस विभाग की लापरवाही से मकानों में दरारें आ रही हैं। उनके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाए।

- एसडीएम ने छह मकान गिराने का आदेश जारी किया है
- टीम से मकानों में आ रही दरारों की जांच की मांग की

जानकारी के अनुसार 16 जनवरी को एक आदेश जारी कि एसडीएम पाली ने शाह का चौक, भैरूघाट स्थित रमेश परिहार, दयाशंकर, ओमप्रकाश, जगदीश घांची, नरेन्द्र कोठारी के मकान गिराने की कार्रवाई के आदेश दिए।

ट्रक से 47 क्विंटल 500 ग्राम राशन का गेहूं जब्त

डूंगरपुर, (निसं)। चितरी पुलिस थाने को मुखबीर की सूचना पर जुईतलाई में एक ट्रक से 47 क्विंटल 500 ग्राम राशन का गेहूं परिवहन करते हुए जब्त किया। पुलिस को तफ्तीश के दौरान ड्राइवर ट्रक छोड़कर भाग गया। ट्रक में सरकारी राशन का गेहूं मिलने पर इसकी सूचना जिला रसद विभाग को दी। जिस पर जिला रसद अधिकारी विपिन जैन, प्रवर्तन निरीक्षक पुष्पेंद्रसिंह, इस्पेक्टर बजरंग मेघवाल के मार्गदर्शन में जब्त ट्रक के रुट के आधार पर नजदीक के राशन डीलर गडाजसराजपुर के वहां निरीक्षण किया। जिस पर गडा जसराजपुर राशन डीलर गौतम बरंडा के स्टॉक का सत्यापन किया। जिसमें पोश मशीन में ऑनलाइन एंट्री के तहत कुल 107 क्विंटल 42 किलो गेहूं स्टॉक में उपलब्ध होना बताया।

इसी के आधार पर गोदाम का निरीक्षण करने पर 26 क्विंटल 5 किलो गेहूं मिला। मौके से 81 क्विंटल 37 किलो गेहूं गायब था। वहीं ट्रक में जब्त 47 क्विंटल 500 ग्राम गेहूं के अलावा 34.32 क्विंटल गेहूं का कोई हिसाब नहीं था। जिस पर राशन डीलर गौतम बरंडा को निलंबित कर दिया गया है। वहीं ट्रक को जब्त कर चितरी थाने में रखा गया है। ट्रक मालिक परेश अमरजी पाटीदार उदैया का निवासी है। उसकी ओर से सरकारी राशन का गेहूं के परिवहन का जवाब लेने के बाद अग्रीम कार्रवाई की जाएगी।

'स्थाई लोक अदालत में समुचित स्टाफ की तत्काल व्यवस्था करें'

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय की खंडपीठ के वरिष्ठ न्यायाधीश संदीप मेहता और न्यायाधीश राजेंद्र प्रकाश सोनी ने अतिरिक्त महाधिवक्ता को कहा है कि वे संबंधित राज्य के अधिकारियों को निर्देश दें कि वे राजस्थान राज्य में स्थायी लोक अदालतों को कर्मचारी उपलब्ध कराने के लिए तुरंत प्रक्रिया शुरू करें। उन्होंने भारत सरकार को निर्देश दिए हैं कि याचिका का जवाब पक्के तौर पर आगामी पेशी 14 फरवरी तक पेश करें।

- उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने अतिरिक्त महाधिवक्ता को कहा है कि वे संबंधित राज्य के अधिकारियों को निर्देश दें
- भारत सरकार को निर्देश दिए कि आगामी पेशी तक जवाब पक्के तौर पर पेश करें

एडवोकेट वासुदेव दाधीच की ओर से दायर जनहित याचिका पर बहस करते हुए अधिवक्ता अनिल भंडारी ने कहा कि राज्य सरकार के विधि विभाग ने 26 अप्रैल 2016 को स्थाई लोक अदालत में एक-एक रीडर और आशुलिपिक, द्वितीय श्रेणी के 3 लिपिक और 2 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद स्वीकृत किए थे। इसके बावजूद राज्य के स्थाई लोक अदालत में समुचित स्टाफ की नियुक्तियां नहीं की गई है। इससे न्यायिक कार्रवाई में दिक्कत और परेशानियां हो रही है। राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता संदीप शाह ने कहा कि उन्हें सरकार की ओर से सूचित किया गया कि स्थाई लोक अदालत में स्टाफ के पद सृजित नहीं है।

खंडपीठ ने अपने आदेश में कहा कि प्रथम दृष्टया राज्य सरकार का कथन विश्वनीय प्रतीत नहीं हो रहा है क्योंकि राज्य सरकार ने 26 अप्रेल 2016 को स्टाफ के विभिन्न पद स्वीकृत कर विधिक सेवा प्राधिकरण को प्रेषित किए थे और उनके द्वारा नियुक्तियां की जानी थी। उन्होंने भारत सरकार को निर्देश दिए कि आगामी पेशी तक जनहित याचिका का जवाब पक्के तौर पर पेश करें।

बुजुर्ग महिला घर में मृत मिली

बस्सी, (निसं)। राजधानी के तूंगा थाना इलाके में बुधवार को दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। तूंगा थाना क्षेत्र के ग्राम दनाऊ कलां में एक 95 वर्षीय बुजुर्ग महिला जो कि मकान में अकेले रहती थी। मंगलवार रात को उस महिला ने सोते वक्त सिगड़ी जली हुई छोड़ दी जो महिला को भारी तब पड़ा गया सुबह होते-होते उसका पूरा शरीर राख में तब्दील हो गया, केवल हड्डियों के कंकाल बचे। इस पूरी घटना का खुलासा तब हुआ, जब रोज की तरह गांव का ही व्यक्ति उस लावारिस महिला को सुबह खाना देने उस मकान में पहुंचा। जब वह अंदर गया तो उसे सिर्फ और सिर्फ जली हुई राख में उसकी बॉडी के कंकाल दिखाई दिए।

इस पर खाना देने गये व्यक्ति ने अन्य ग्रामीणों को सूचना दी और मौके पर पहुंची तूंगा थाना पुलिस ने उसका पोस्टमार्टम करवाकर ग्रामीणों की सहायता से उसका दाह संस्कार करवा दिया। तूंगा थाना इंचार्ज नरेश कुमार ने बताया कि बुजुर्ग महिला संभवत: सिगडी को जलते छोड़ सो गई होगी और इसी दौरान सिगड़ी की चिंगारी पलंग या महिला के कपड़ों तक पहुंच गई होगी। जिससे वह पूरी तरह इसकी चपेट में आ गई होगी। मृतक महिला की पहचान कौशल्या देवी पत्नी कल्याण सहाय शर्मा उम्र 95 वर्ष के रूप में हुई है।

ठगी करने वाले दो शातिर बदमाश गिरफ्तार

नकली सोने को गढ़ा हुआ धन बताकर ठगी की थी

लालसोट, (निसं)। नकली सोने को खुदाई में गढ़ा हुआ धन मिलना बताकर ठगी की वारदात को अंजाम देने वाले लक्ष्मण पुत्र हीरालाल बागरी निवासी भीमपुरा एवं नारू राम पुत्र नवाजी राम बागरी निवासी बड़ा थाना राम सिंह जिला जालौर दो शातिर बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है।

थानाधिकारी नाथू लाल मीणा ने बताया कि जमवारामगढ़ तहसील क्षेत्र के रहने वाले सीताराम शर्मा ने थाने में प्राथमिकी देते हुए बताया कि दो युवकों द्वारा उनके पास पहुंच कर उनको खुदाई में गढ़ा हुआ पुराना सोने का धन मिलने की बात कहते हुए उस सोने के आभूषण के बेचान करने की बात कही गई। जहां उस सोने के आभूषण की कीमत उनके द्वारा पीड़ित सीताराम को दस लाख बताई गई। इस पर पीड़ित द्वारा इतना पैसा नहीं होने की बात कहने पर शातिर बदमाशों द्वारा जितना पैसा दे उतना सोने के आभूषण में से सामान काटकर देने की सहमति जताई।

जहां पीड़ित सीताराम को शातिरों द्वारा पहले तो बस्सी चक बुलाया गया इसके बाद जगह बदल कर दूसरा बस स्टैंड पर मिलने की बात कही गई एवं बस स्टैंड दोसा पहुंचने पर पीड़ित को लालसोट बुला लिया गया। इसके बाद शातिर बदमाशों ने पीड़ित से दो लाख रुपए लेकर उस सोने के आभूषण में से उस कीमत के बराबर सोने का आभूषण काट कर दे दिया गया। वही पीड़ित को जगह बदलने पर सख्त होने के बाद उस सोने के आभूषण से लिए गए टुकड़े की जांच कराने पर वह सोने का आभूषण नकली पाया गया जहां पीड़ित के होश फाख्ता हो गए।

लालसोट में पुलिस ने ठगी करने के आरोपियों को बापर्दा गिरफ्तार किया।

- दो लाख की ठगी की वारदात को दिया था अंजाम

इसके बाद पीड़ित द्वारा आपबीती बताने एवं प्राथमिक देने के बाद दर्ज मुकदमे के आधार पर पीड़ित से पूछताछ करने के बाद ठगों द्वारा ठगी का शिकार बनाने के दौरान उपयोग में लिए गए मोबाइल नंबरों के आधार पर ठगों की शिनाख्त की गई। वहीं पुलिस द्वारा उसी साथी राणा अंदाज में आसूचना संकलन एवं साइबर सेल की मदद से तकनीकी अनुसंधान करते हुए ठगी के दोनों आरोपियों को लालसोट के निर्माणाधीन रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया गया। थाना अधिकारी ने बताया कि ठगी के आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायालय से आरोपियों का पुलिस रिमांड प्राप्त किया गया है एवं पूर्वी ठगी की वारदात खुलने की आशंका बनी हुई है।

चिकित्सकों ने अधिकारियों को गिनाई राइट टू हैल्थ बिल के प्रावधानों में कमियां

चिकित्सक संगठनों के साथ चिकित्सा विभाग की परामर्श बैठक आयोजित

जयपुर,(कासं)। चिकित्सक संगठनों ने राज्य सरकार की ओर से आमजन को स्वास्थ्य का अधिकार देने के लिए लाए जा रहे राइट-टू-हैल्थ बिल के प्रावधानों में कई कमी बताते हुए इसका विरोध किया है।

बुधवार को स्वास्थ्य भवन में चिकित्सक संगठनों और स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ राज्य स्तरीय परामर्श बैठक आयोजित की गई। चिकित्स शिक्षा विभाग के प्रमुख शासन सचिव टी. रविकांत व चिकित्सा सचिव डॉ. पृथ्वी की अध्यक्षता में हुई बैठक में चिकित्सकों ने बिल के प्रावधानों का कड़ा विरोध किया। इस दौरान कई उपयोगी सुझाव भी दिए गए।

बैठक में सिविल सोसायटी, स्वयं सेवी संगठनों व उपभोक्ता संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त कर राइट-टू-हैल्थ बिल को राजस्थान के स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक मील का पत्थर बताया। वहीं राज्य और जिला स्तर पर प्राधिकरण को लेकर भी सुझाव दिए गए।

वहीं आईएमए के पदाधिकारियों ने इस बिल की कमियां बताते हुए कहा कि इस बिल में इमरजेंसी को जस्टिफाई नहीं किया गया है। इसके कारण निजी अस्पतालों में आए दिन हंगामे के हालात बन जाएंगे। वहीं किसी अस्पताल में स्पेशलिस्ट सेवा नहीं मिल पाए तो निजी अस्पतालों पर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही इस बिल के माध्यम से इंस्पेक्टर राज बढ़ने की आशंका भी जताई गई। बिल के मौजूदा प्रावधानों के मुताबिक निजी अस्पतालों को देरी से किए जाने वाले भुगतान पर कोई सजा को प्रावधान नहीं है। इस दौरान टी. रविकांत ने राइट-टू-हैल्थ बिल को प्रदेश की जनता के लिए जनकल्याणकारी बताते हुए कहा कि राजस्थान आम आदमी को स्वास्थ्य का अधिकार देने वाला पहला राज्य बनेगा। शासन सचिव डॉ. पृथ्वी ने कहा कि सभी में सामंजस्य बिठाकर एक बेहतरीन जनहितैषी बिल लाया जाएगा जो प्रदेश, आमजन, डॉक्टर्स और सभी के लिए अच्छा साबित होगा। बैठक के बाद चिकित्सा सचिव ने कहा कि प्रतिनिधी मंडल ने जो सुझाव दिए हैं, उन पर चर्चा कर प्रवर समिति को भेजा जाएगा। बैठक के बाद चिकित्सक प्रतिनिधियों ने कहा कि हम चाहते है कि बिल पास हो और जनता को इसका लाभ मिले। लेकिन सरकार इसके जरिए निजी चिकित्सकों पर नकेल कसने का प्रसास कर रही है। इसे निजी अस्पतालों पर थोपा जा रहा है। 49 पेज का बिल का प्रारूप डॉक्टरों की ओर से दिया गया है। इस तरह का बिल ओडिशा, गुजरात, दिल्ली और तेलांगना में है। चिकित्सक प्रतिनिधियों ने कहा कि डॉक्टरों के सुझावों के अनुरूप बिल नहीं लाया गया तो आंदोलन किया जाएगा। बैठक में आरएसएचएए की सीईओ शुची त्यागी, आरएमएससीएल की प्रबंध निदेशक अनुपमा जोरवाल, निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. के.एल. मीणा, प्राचार्य एसएमएस मेडिकल कॉलेज डॉ. राजीव बगरहट्टा, आईएमए के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुनील चुघ, पिडिएट्रीशियन एसोसियेशन के अध्यक्ष डॉ. लाखन पोसवाल, जनस्वास्थ्य अभियान के प्रतिनिधि राजन चौधरी सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

हस्तीमल हिरण की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारिणी के आमंत्रित सदस्य वरिष्ठ संघ प्रचारक दिवंगत हस्तीमल हिरण की स्मृति में बुधवार को शहर में श्रद्धांजलि सभा हुई। जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विविध संगठनो के विभिन्न कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर संघ प्रचारक को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर राजस्थान क्षेत्र के संघचालक डॉ रमेश अग्रवाल ने हस्तीमल हिरण की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके जीवन के बारे मे जानकारी देते हुए कहा कि हस्तीमल हिरण का संपूर्ण जीवन राष्ट्र व समाज को समर्पित रहा है। संघ के अखिल भारतीय बौद्धिक शिक्षण प्रमुख स्वांतरंजन ने कहा कि हस्तीमल हिरण के द्वारा कार्यकर्ताओं की संभाल एवं सम्पर्क की स्नेहपूर्ण पद्दति विशेष रही है। संघ कार्य की नींव में ऐसे समर्पित कार्यकर्ताओ का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

शीतलहर का प्रकोप अभी भी जारी है जिससे तापमान में कमी होने से पानी भी जम रहा है। पार्क की हरी-भरी घास पर ओस की बूंदें जमने से सफेद चादर सी नज़र आती है। स्वर्ण जयंती पार्क में जमी ओस की बूंदें। फ़ोटो : दिनेश भारद्वाज

दूसरे दिन भी करोना का कोई भी नया मरीज नहीं मिला

-कार्यालय संवाददाता-

- राजधानी जयपुर में भी पिछले पांच दिन से एक भी नया संक्रमित सामने नहीं आया है
- राज्य में अब केवल करोना के तीन ही मरीजों का इलाज चल रहा है
- प्रदेश में कोविड वैक्सीन आने के बाद बुधवार को एक दिन में 11 हजार से ज्यादा टीके लगे

जयपुर। प्रदेश में लगातार दूसरे दिन बुधवार को भी कोई नया करोना संक्रमित नहीं मिला है। वहीं इस बीच एक मरीज के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर केवल तीन ही रह गए हैं। राज्य में पिछले कई दिनों से इस बीमारी से कोई मौत नहीं हुई है।

प्रदेश में बुधवार को भी कोई नया संक्रमित सामने नहीं आया है। इससे पहले मंगलवार और रविवार को भी राज्य में एक भी नया संक्रमित नहीं मिला था। इधर राजधानी जयपुर में भी आज लगातार पांचवें दिन भी कोई नया संक्रमित नहीं पाया गया है। अब यहां न कोई नया संक्रमित है और न ही कोई एक्टिव केस मौजूद है।

प्रदेश में बुधवार को भी 1 मरीज के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 3 रह गए हैं। इनमें जैसलमेर, सीकर और उदयपुर में 1-1 एक्टिव केस बचा है। प्रदेश में बुधवार को भी करोना से किसी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि राज्य में अब तक इस बीमारी से 9653 लोगों की मौत हो चुकी है। उधर प्रदेश में केन्द्र सरकार से कोविड वैक्सीन मिलने के बाद वैक्सीनेशन में थोड़ी तेजी आई है। इसके चलते बुधवार को एक ही दिन में 11 हजार 438 लाभार्थियों को निर्धारित टीके लगाये गये। कोविड वैक्सीनेशन की यह लंबे समय बाद बड़ी उपलब्धि है। गौरतलब है कि मंगलवार को कोवीशिल्ड वैक्सीन की 1 लाख 50 हजार डोज की खेप आई थी। इस वैक्सीन को सभी जिलों को आंवटित कर दिया गया। इसके बाद आज वैक्सीनेशन में तेजी दर्ज की गई।

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल का धूमधाम से आगाज़ आज

जेएलएफ 2023 का 19 जनवरी से भव्य आगाज होने जा रहा है। आज फ्रंट लॉन में सुबह 9.50 बजे से उद्घाटन सत्र आयोजित होगा, जिसमें कीनोट एड्रेस नोबेल प्राइज विजेता अब्दुलरज़ाक गुरनाह द्वारा दिया जाएगा। इस वर्ष फेस्टिवल डेकोर की थीम उत्सव रखी गई है। उत्सव राजस्थान के रंगों का जश्न मनाना और उज्जवल रंगों का प्रदर्शन है। भारतीय शादियां अपने जीवंत रंगों, धूमधाम, गूंजते संगीत और एक नई शुरुआत की खुशियों को उत्सव के रूप में मनाने का एक आदर्श उदाहरण है। इस वर्ष अपनी डेकोर थीम उत्सव के साथ जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2023 ने दर्शकों को उसी आनंद का अनुभव कराने का प्रयास किया है, जो उन्हें एक भारतीय पारंपरिक उत्सव से मिलता है। इस वर्ष की पूरी साज-सज्जा और थीम भारतीय सांस्कृतिक विरासत और उसकी जीवंत प्रकृति का मिश्रण है।

जयपुर। 'धरती के सबसे बडे' साहित्य उत्सव के तौर पर मशहूर, जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2023 का आयोजन 19 जनवरी होटल क्लार्क्स आमेर, जयपुर में होगा, और 'कहानी' कहने की अपनी परम्परा को आगे बढाएगा।

साहित्य उत्सव के बहुप्रतीक्षित 16वें संस्करण में दुनिया की श्रेष्ठ प्रतिभाएं हिस्सा लेंगी। इस संस्करण में श्रोताओं को भाषाओं की अभूतपूर्व विविधता देखने को मिलेगी, जिसमें 21 भारतीय और 14 अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं को फेस्टिवल के 5 वेन्यू पर प्रस्तुत किया जायेगा। फेस्टिवल विभिन्न देशों के 350 वक्ताओं की मेजबानी करेगा, जिसमें सभी प्रमुख पुरस्कारों - जैसे नोबेल, बुकर, इंटरनेशनल बुकर, पुलित्ज़र, साहित्य अकादमी, बैली गिफर्ड, पेन अमेरिका लिटरेरी अवार्ड, डीएससी प्राइज, जेसीबी प्राइज-से सम्मानित लेखक हिस्सा लेंगे।

फेस्टिवल के 16वें संस्करण में समाज और समय की ज़रूरतों को ध्यान रखते हुए कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी, जैसे जलवायु परिवर्तन, महिलाओं की आवाज़ और पहचान, अपराध कथा, संस्मरण, अनुवाद, काव्य, अर्थव्यवस्था, टेक मोरालिटी और आर्टिफिशल इंटेलीजेंस, कृषि में वैश्विक संकट, रूस-यूक्रेन विवाद, ब्रिटिश साम्राज्य की हिंसा, आधुनिक समय का विज्ञान, भारत के 75 वर्ष, विभाजन की याद, जिओपॉलिटिक्स, कला और फोटोठाफी, स्वास्थ्य और मेडिसीन, तथा अन्य।

19 जनवरी, गुरुवार की सुबह में, फेस्टिवल की शुरुआत कर्नाटक गायिका सुषमा सोम के दिल को छू लेने वाले मधुर संगीत के साथ होगी। सर्दियों की खुशनुमा सुबह में फेस्टिवल के को-डायरेक्टर्स नमिता गोखले व विलियम डेलरिम्पल और फेस्टिवल के प्रोड्यूसर संजॉय के. रॉय उदघाटन संभाषण देंगे। कीनोट एड्रेस नोबेल प्राइज विजेता अब्दुलरज़ाक गुरनाह देंगे।

लेखिका और जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल की फाउंडर व को-डायरेक्टर नमिता गोखले ने कहा, जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2023 का उद्देश्य किताबों, विचारों और साझा वक्तव्य के माध्यम से खुशी का प्रसार करना है। दुनिया की कुछ श्रेष्ठ प्रतिभाएं भी हमारे इस प्रण में साथ देंगी। आज की इस कमजोर और खंडित दुनिया में ये आशा और विश्वास की एक किरण है।

लेखक, इतिहासकार और जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के फाउंडर और को-डायरेक्टर विलियम डेलरिम्पल ने कहा, पिछले सालों में, जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल ने दुनियाभर के 5000 से अधिक वक्ताओं और लाखों श्रोताओं की मेजबानी की है। साहित्य के इस कुम्भ में हमारी कोशिश हर बार इसकी गुणवत्ता को बढाने की रहती है, लेकिन 2023 के इस संस्करण को बेशक अब तक का सबसे बेस्ट माना जायेगा। सारे प्रमुख पुरस्कारों से सम्मानित लेखकों की मेजबानी करते हुए हमें गर्व है। हमारे साथ नोबेल, बुकर इंटरनेशनल बुकर, साहित्य अकादमी, बैली गिफर्ड, नेशनल बुक अवार्ड व वीमेन'स प्राइज से सम्मानित लेखक होंगे। इस साल हम दुनिया के श्रेष्ठ उपन्यासकारों और कवियों, इतिहासकारों और जीवनीकारों, वैज्ञानिक और अर्थशास्त्री, कलाकार और कला इतिहासकारों को एक मंच पर प्रस्तुत करेंगे। फेस्टिवल के इन पांच दिनों में श्रोताओं को विचारों का स्वतंत्र प्रवाह देखने को मिलेगा। साहित्य प्रेमियों के लिए यह जन्नत है: जयपुर में आप सभी के स्वागत के लिए हम तैयार हैं।

जयपुर में नलकूप किये सीज

जयपुर। जयपुर शहर में अवैध रूप से संचालित आरओ प्लांट्स के खिलाफ उपखंड मजिस्ट्रेट, सांगानेर की टीम की कार्रवाई जारी है। बुधवार को लगातार दूसरे दिन उपखंड अधिकारी सांगानेर श्रीमती एकता काबरा के नेतृत्व में टीम ने 3 अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई को अंजाम दिया।

शुभमन के तूफान के आगे ब्रेसवेल का वस्फिोट बेअसर, भारत 12 रनसे जीता

हैदराबाद 18 जनवरी। पंजाब की सनसनी शुभमन गिल (208) के तूफानी दोहरे शतक की बदौलत भारत ने तीन मैचों की एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय श्रृखंला के पहले मुकाबले में बुधवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ 12 रन से रोमांचक जीत अर्जित की। राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम पर भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित 50 ओवर में 349 रनो का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य खड़ा किया जिसके जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 49.2 ओवर में 337 रन ही बना सकी। न्यूजीलैंड को जीत की ओर ले जाने में मिचेल ब्रेसवेल (140) ने भरपूर प्रयास किया मगर शार्दुल ठाकुर ने अंतिम खिलाड़ी के तौर पर उनको पगबाधा आउट कर मैदान पर मौजूद और टीवी स्क्रीन से चिपके भारतीय टीम के करोड़ों प्रशंसकों को मुस्कराने का मौका दे दिया।

कप्तान रोहित शर्मा के टास जीत कर पहले बल्लेबाजी के फैसले को खरा बताते हुये शुभमन ने न्यूजीलैंड के कम अनुभवी गेंदबाजी आक्रमण की बखिया उधेड़ दी। न्यूजीलैंड के खिलाफ अब तक किसी भी खिलाड़ी द्वारा बनाया गया यह सर्वाधिक निजी स्कोर है। अपने करियर का पहला दोहरा शतक शुभमन ने दो लगातार छक्के लगाकर आक्रमक अंदाज में पूरा किया। अपनी पारी में उन्होने 139.59 के स्ट्राइक रेट से 19 चौके और नौ छक्के जड़े। भारतीय पारी के अंतिम ओवर में हेनरी शिपले की गेंद पर लांग आफ पर खडे फिलिप ने लंबी दौड़ लगा कर उनका शानदार कैच लपका।

शुभमन की धमाकेदार पारी का जवाब देने का जिम्मा न्यूजीलैंड के मध्य क्रम के बल्लेबाज ब्रेसवेल ने उठाया और महज 78 गेंद खेलकर दस छक्कों और 12 चौकों की मदद से 140 रन बनाये और मैच को आखिर तक रोमांच के चरम पर बनाये रखा। ब्रेसवेल के एक दिवसीय करियर का यह दूसरा शतक था। इससे पहले उनका अधिकतम निजी स्कोर 127 नाबाद था। एक समय कीवी टीम के छह विकेट महज 131 रन पर गिर चुके थे और मैच पूरी तरह भारत की गिरफ्त में था मगर ब्रेसवेल ने हरफनमौला मिचेल सेंटनर (57) सातवें विकेट के लिये 162 रन की पार्टनरशिप करके मैच को रोमांचक मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया।

भारतीय कुश्ती महासंघ के विरोध में उतरे पहलवान

नई दिल्ली 18 जनवरी। ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक समेत कई अन्य दिग्गज पहलवानों ने भारतीय कुश्ती महासंघ के खिलाफ ने अपनी आवाज बुलंद की है। पुनिया समेत कई पहलवानों ने बुधवार को जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर भारतीय जनता पार्टी सांसद बृजभूषण सिंह के नेतृत्व में भारतीय कुश्ती महासंघ के कामकाज के प्रति खिन्नता का इजहार किया। बजरंग ने यहां पत्रकारों से कहा कुश्ती फेडरेशन के अध्यक्ष हमें गालियां देते हैं। उनका रवैया तानाशाही का है। वास्तव में कुश्ती महासंघ में बैठे कुछ लोगों को खेल का ज्ञान नहीं है। पहलवान इस तानाशाही को बर्दाश्त करने के मूड में नहीं है।

इससे पहले उन्होने ट्वीट किया फेडरेशन का काम खिलाड़ियों का साथ देना, उनकी खेल की जरूरतों का ध्यान रखना होता है। कोई समस्या हो तो उसका निदान करना होता है। लेकिन अगर फेडरेशन ही समस्या खड़ी करे तो क्या किया जाए। अब लड़ना पड़ेगा, हम पीछे नहीं हटेंगे। उन्होने कहा खिलाड़ी पूरी मेहनत कर के देश को मेडल दिलाता हैं लेकिन फेडरेशन ने हमें नीचा दिखाने के अलावा कुछ नहीं किया। मनचाहे क़ायदे क़ानून लगा कर खिलाड़ियों को प्रताड़ित किया जा रहा है। बजरंग ने कहा जान से मारने की धमकी मिलने के बाद से हमने किसी से संपर्क नहीं किया। बृजभूषण ने ओलंपिक के बाद मुझसे बात करने से इंकार कर दिया। हम महासंघ में बदलाव चाहते हैं।

गौरतलब है कि भारतीय कुश्ती महासंघ ने सभी पहलवानों को ट्रायल में अपनी उपस्थिति दर्ज कराना अनिवार्य कर दिया है जबकि पहलवानो ने इस ऐलान को तुगलकी करार देते हुये विरोध करने का फैसला किया है। उनका कहना है कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में खुद की क्षमता को साबित करने के बाद ट्रायल का कोई औचित्य नहीं है। ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक ने बजरंग के विरोध का समर्थन करते हुये कहा कि वास्तव में फेडरेशन में बैठे लोगों को खेल के बारे में रत्ती भर ज्ञान नहीं है। उन्होने ट्वीट किया खिलाड़ी पूरी मेहनत कर के देश को मेडल दिलाता हैं लेकिन फेडरेशन ने हमें नीचा दिखाने के अलावा कुछ नहीं किया।

खेल मंत्रालय ने भारतीय कुश्ती महासंघ से स्पष्टीकरण तलब किया

नयी दिल्ली, 18 जनवरी। युवा मामले एवं खेल मंत्रालय ने दिग्गज पहलवानों द्वारा भारतीय कुश्ती महासंघ पर लगाये गये आरोपों को संज्ञान में लेते हुए महासंघ से अगले 72 घंटों में स्पष्टीकरण तलब किया है। मंत्रालय ने बुधवार को विज्ञप्ति जारी कर कहा, पहलवानों द्वारा किये गये विरोध प्रदर्शन और प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष और कोचों पर लगाये गये महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न एवं महासंघ के कामकाज में कुप्रबंधन के आरोपों पर खेल मंत्रालय ने डब्ल्यूएफआई से स्पष्टीकरण मांगा है। और उसे लगाये गये आरोपों पर अगले 72 घंटों के भीतर जवाब देने का निर्देश दिया है।" उल्लेखनीय है कि ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक समेत कई अन्य दिग्गज पहलवानों ने बुधवार को यहां जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन करते हुए डब्लूएफआई के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की। पहलवानों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद एवं महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह और पुरुष कोचों पर महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न सहित कई गंभीर आरोप लगाये। मंत्रालय ने कहा कि अगर डब्ल्यूएफआई अगले 72 घंटों के भीतर जवाब देने में विफल रहता है, तो मंत्रालय राष्ट्रीय खेल विकास संहिता 2011 के प्रावधानों के अनुसार महासंघ के खिलाफ कार्रवाई शुरू करेगा।

हार से निराश हूं मगर लड़ना नहीं छोड़ूंगा : नडाल

मेलबर्न 18 जनवरी। आस्ट्रेलिया ओपन में अमेरिकी प्रतिद्वंदी मैकेंजी मैकडानल्ड से मिली हार से निराश राफेल नडाल ने स्वीकार किया है कि वह चोटों के कारण मानसिक रूप से कमजोर हुये हैं मगर दुनिया भर में अपने लाखों प्रशसंको को विश्वास दिलाते हैं कि वह अपने करियर को आगे बढ़ाते हुये जुझारू प्रवृत्ति को बरकरार रखेंगे।

विश्व के नम्बर दो खिलाड़ी नडाल को अमेरिका के मैकेंजी मैकडानल्ड ने बुधवार को 6-4, 6-4 और 7-5 से हराया जिसके बाद नडाल का मौजूदा टूर्नामेंट में सफल खत्म हो गया। नडाल दूसरे सेट के बाद हिप और लेग इंजरी से परेशान दिखने लगे थे मगर इसके बावजूद उन्होंने पूरा मैच खेला। हालांकि हार के साथ उन्होने इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट से विदाई ली।

मैच के बाद नडाल ने कहा,मैं अपनी चोट में इजाफा किये बगैर खेलना जारी रखता चाहता था। मै मैच को खत्म करना चाहता था। मैकेंजी ने उच्च स्तरीय खेल का प्रदर्शन किया। एक लंबे अरसे के बाद मैं अपने मौकों के लिये लड़ रहा था मगर नेट के दूसरी ओर मैकेंजी लाजवाब टेनिस खेल रहा था। मै उसके खिलाफ उम्दा प्रदर्शन नहीं कर पा रहा था और आखिर में मुझे मैच गंवाना पड़ा मगर मैने मैच के अंतिम लम्हे तक पूरी कोशिश की।

वर्ष 2009 और 2022 में आस्ट्रेलियन ओपन के विजेता का बांया कूल्हा पिछले कुछ समय से तकलीफ दे रहा है जिसके कारण उन्हे शाट खेलने में परेशानी हो रही है। जाहिर है, दर्द बढ़ने के साथ ही 22 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता को संन्यास लेने के विचार आने लगे थे।

मैकेंजी को जीत की बधाई देते हुये नडाल ने कहा, मैं चोट को और बढ़ाने के पक्ष में नहीं था और अपने मैच को खत्म करना चाहता था। हार के बावजूद मेरे प्रशसंकों ने खड़े होकर मेरा अभिवादन किया जो वाकई जोश भरने के लिये काफी था। आप सिर्फ आखिर तक अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश कर सकते हैं जो मैने किया। यही खेल का नियम है।मैंने अपने पूरे टेनिस करियर के दौरान इसका पालन करने की कोशिश की है। उन्होंने कहा, मुझे टेनिस खेलना पसंद है। मुझे पता है कि यह हमेशा के लिए नहीं है मगर आपको चलते रहना होगा। कभी-कभी हार निराशाजनक होती है। कभी-कभी इसे स्वीकार करना मुश्किल होता है। कभी-कभी आप चोटों के मामले में इन सभी चीजों के बारे में बहुत थका हुआ महसूस करते हैं मगर इसका यह मतलब नहीं निकालना चाहिये कि मैं अपने जीवन के बारे में शिकायत कर रहा हूं। चोट खेल का हिस्सा हैं मगर मैने हिम्मत नहीं हारी है। मैं मानसिक तौर पर मजबूत बने रहने की कोशिश कर रहा हूं। स्पेन के 36 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, मैं उम्मीद करता हूं कि चोट के कारण मुझे लंबे समय तक कोर्ट से बाहर नहीं रहना पड़ेगा।

टी-20 विश्व कप में हमारे लिये 'एक्स फैक्टर' हो सकती है शिखा : हरमनप्रीत

ईस्ट लंदन (दक्षिण अफ्रीका), 18 जनवरी। शिखा पांडे की हैरानी भरी वापसी से कुछ भृकुटियां तन सकती हैं लेकिन भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने बुधवार को कहा कि यह अनुभवी तेज गेंदबाज दक्षिण अफ्रीका में होने वाले आगामी टी20 विश्व कप में उनके लिये 'एक्स फैक्टर' (अहम) हो सकती है जिसकी उन्हें जरूरत है। अक्टूबर 2021 में भारत के लिये पिछली बार खेली 33 वर्षीय शिखा को आगामी त्रिकोणीय श्रृंखला और 10 से 26 फरवरी तक होने वाले टी20 विश्व कप के लिये टीम में शामिल किया गया है। हरमनप्रीत ने त्रिकोणीय श्रृंखला में मेजबान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले मैच की पूर्व संध्या पर कहा, "वह (शिखा) बहुत ही अनुभवी गेंदबाज हैं, यही कारण है कि हम उसे टीम में वापस लाना चाहते थे। उन्होंने कहा कि शिखा दक्षिण अफ्रीका में गेंदबाजों की मुफीद पिच पर पावरप्ले और अंतिम ओवरों में उपयोगी साबित होंगी।

सार-समाचार

स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित

जालोर, (कासं)। जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक जिला कलैक्टर निशांत जैन की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में जिला कलैक्टर निशान्त जैन ने मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस योजना का लाभ अधिक से अधिक लोगों को मिले इसके लिए विशेष प्रयास कर पंजीकरण बढ़ाया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने एनीमिया मुक्त राजस्थान कार्यक्रम के सुचारू क्रियान्वयन के संबंध में प्रगति जांची। जिला कलैक्टर ने जिले में कोविड टीकाकरण की वर्तमान प्रगति के बारें में जानकारी प्राप्त की साथ ही जिले में मौसमी बीमारियों की रोकथाम एवं प्रभावी उपचार के लिए स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने जिले में चल रही आयुष्मान भारत योजना के बारें में जानकारी लेते हुए कहा कि अधिकारी आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्रता के लिए की जाने वाली ईकेवाईसी पर विशेष ध्यान देंवे। साथ ही इस योजना में पंजीकरण को बढ़ाते हुए आम जन की भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्रों, पीएचसी एवं सीएचसी पर होने वाले आईपीडी पंजीकरण की स्थिति के बारें में स्वास्थ्य अधिकारियों से जानकारी ली। बैठक में सीएमएचओ डॉ. रमाशंकर भारती, पीएमओ डॉ. पूनम टांक, बीसीएमओ डॉ. भजनाराम विश्नोई सहित ब्लॉक स्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के प्रभारी, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

सुरक्षित परिचालन पर चर्चा की

जोधपुर, (कासं)। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर रेल मंडल पर बुधवार को सभागार कक्ष में मंडल रेल प्रबंधक गीतिका पांडेय की अध्यक्षता में सुरक्षित परिचालन सेफ्टी सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें ट्रेनों के परिचालन को लेकर परिचालन तथा संरक्षा विभाग के सुपरवाइजरो एवं कर्मचारियों के साथ संरक्षा पर चर्चा हुई। इस सेफ्टी सेमिनार में मंडल के विभिन्न खंडों के टीआई, सेफ्टी इंस्पेक्टर, स्टेशन मास्टर, पॉइंट्स मैन इत्यादि कर्मचारियों ने भाग लिया। डीआरएम ने सभी टीआई , पर्यवेक्षकों को कहां की परिचालन व ट्रेन संचालन में सेफ्टी पर किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरतनी चाहिए। इस सेफ्टी सेमिनार में जोधपुर मंडल के कुल 25 पर्यवेक्षकों ने 2-2 घंटे के दो सत्रों में अपने अनुभव साझा किए। दोनों सत्रों के बाद सवाल-जवाब का दौर चला। डीआरएम ने अपने संबोधन में ट्रेनों के सुरक्षित संचालन के लिए जिम्मेदार सभी हितधारकों के बीच निरंतर बातचीत के महत्व पर जोर दिया और कहा कि पर्यवेक्षक प्रबंधन और फ्रंटलाइन अधिकारियों के बीच सुचारू संचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस सेफ्टी सेमिनार में डीआरएम गीतिका पांडेय, अपर मंडल रेल प्रबंधक मनोज जैन, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक अजीत कुमार, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी शेखर बी मारू, मंडल परिचालन प्रबंधक लोकेश शर्मा, डीटीआई जसवीर सिंह, एम एम पुरोहित और अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

जांगिड़ पंचायत बाड़मेर की सदस्यता शुरू

बाड़मेर, (निसं)। जांगिड पंचायत द्वारा 1976- 77 में बने विधान नियमावली में सर्वसम्मति से संशोधन करते हुए नए विधान को लागू किया गया है। इसके तहत पंचायत की मौजूदा कार्यकारिणी का कार्यकाल मार्च में पूरा होगा। इसलिए संशोधित नियमों के अनुसार नए सिरे से जांगिड पंचायत के सदस्य बनाने का निर्णय लिया गया है। जांगिड़ पंचायत के मंत्री राजेन्द्र जांगिड ने बताया कि नियम 5 के तहत बाडमेर नगर परिषद क्षेत्र व आस पास में निवास करने वाले जांगिड़ बंधुओं से जांगिड़ पंचायत का सदस्य बनने के लिए आवेदन शुरू किए गए है। सदस्यता के लिए समाज बंधु 30 जनवरी तक आवेदन कर सकते हैं। सदस्यता के लिए बंधु अपना आधार कार्ड अथवा जन आधार या वोटर आईडी कार्ड जिसमें उम्र एवं स्थाई पता दर्ज हो एवं एक पासपोर्ट साइज फोटो सहित रॉय कॉलोनी स्थित जांगिड़ पंचायत कार्यालय में आवेदन जमा कर सकते हैं।

अलगोजा बजाकर कलाकारों मांगी पेंशन

जैसलमेर, (नि.सं.)। जिले के कलाकारों नेपेंशन व बीमा की मांग को लेकर रैली निकाली। इस दौरान कलाकार चनणाराम ने अलगोजा बजाकर रैली को संगीतमय बनाया और राजस्थान कलाकार मंच के संस्थापक अध्यक्ष गजेन्द्रसिंह मण्डली ने कलेक्टर टीना डाबी को ज्ञापन दिया। ज्ञापन में लिखा है कि उत्तरप्रदेश की तरह कलाकारों के लिए भी 4 हजार रू मासिक पेंशन व 1 करोड़ रू. का पूरे परिवार के लिये स्वास्थ्य बीमा शुरू करावे। डाबी ने कहा कि ये तो बहुत अच्छी बात है कलाकारों को मदद मिलनी ही चाहिए मदद मिलने से कलाकारों को संबल मिलेगा। रैली में प्रेमनाथ, राजानाथ महाराज, भलुराम दबड़ी, पूनमाराम सूरदास, रावताराम, चनणाराम, गोरधनराम, चेतनराम,दलपतराम, लूणाराम, अभय सिंह, अर्जून सिंह, मूलाराम, गणपत सिंह,मुल्तानाराम, दुर्गा राम, मांगुराम, नखताराम, हरखाराम, हेमाराम, जेठाराम,ताराराम, छगनाराम, ठाकुरदास, गेमराराम, ओमप्रकाश, डांवराराम, नरेन्द्र गर्ग, प्रेमाराम, सुखदेवपाल, तुलछाराम, कमल, उगमदान, दशरथ, डाकराराम आदि सैकडों कलाकार उपस्थित रहे।

मुस्कान ने जीते गोल्ड व सिल्वर मेडल

बाप, (निसं)। 15 अगस्त 16 जनवरी 2०23 को जोधपुर में आयोजित 33 वी जिला स्तरीय स्ट्रेंथ लिफ्टिंग प्रतियोगिता में स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल बाप की कक्षा 9वी की छात्रा मुस्कान विश्नोई ने अलग-अलग कैटेगरी में वजन उठाकर दो गोल्ड मेडल वह दो सिल्वर मेडल जीतकर जिले में प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। व्याख्याता शारीरिक शिक्षा लक्ष्मण राम विश्नोई बताया कि इससे पहले मुस्कान विश्नोई ने जिला स्तर पर माह अगस्त एवं सितंबर में अलग-अलग प्रतियोगिताओं में भाग लेकर गोल्ड मेडल व सिल्वर मेडल जीते हैं। उसका राज्य स्तर पर भी चयन हुआ है। मंगलवार को विद्यालय में छात्रा मुस्कान का सम्मान कर प्रधानाचार्य राजीव कुमावत, व्याख्याता सुगन सिंह, दिनेश सारण, पृथ्वीराज, परसराम विश्नोई, श्रवण कुमार, प्रहलाद रेवाड़, राजेंद्र कुमार विश्नोई, नारायण पालीवाल, निशा पालीवाल, मुकेश कुमार, माला राम, सुनील कुमार, विकास कुमार, अमित कुमार, श्याम सुंदर, जगदीश कुमार, विनीत प्रकाश ने खुशी जाहिर की।

जेल प्रहरियों का अनशन जारी

जोधपुर, (कासं)।जेल प्रहरियो का आंदोलन बुधवार को छठे दिन भी जारी रहा। राज्य सरकार की ओर से अब तक किसी प्रकार नहीं दी गई है।अब स्थिति खराब होने लगी है। बुधवार सुबह भी एक प्रहरी मुकेश मीणा की तबीयत खराब होने पर उसे एमजीएच अस्पताल भर्ती करवाया गया। अब तक 14 जेल प्रहरी अस्पताल पहुंच चुके हैं। इनमें से आठ की तबीयत खराब होने पर अब तक अस्पताल में ही भर्ती है। वेतनमान सहित अन्य मांगों को लेकर जेल प्रहरी पिछले 6 दिन से मैस का बहिष्कार कर अन्य त्याग कर सेंट्रल जेल के बाहर धरना दे रहे हैं। पहले दिन जेल प्रहरियो ने गैस की टंकी और बर्तन लेकर सेंट्रल जेल के अंदर प्रदर्शन किया था। इसके बाद वे जेल के बाहर धरना देकर बैठे हैं।जेल में अनशनरत प्रहरी मैस का बहिष्कार कर अन्न त्याग चुके हैं, लेकिन वह साथ में अपनी ड्यूटी भी कर रहे हैं। ड्यूटी ऑवर्स के बाद सभी प्रहरी जेल के बाहर धरना स्थल पर आकर बैठते हैं। अपनी ड्यूटी के साथ अनशन करने के कारण इनकी हालत ज्यादा बिगड़ रही है।

गणतंत्र दिवस की रिहर्सल की

बाप, (निसं)। 26 जनवरी गणतंत्र दिवस समारोह को लेकर तैयारियां बुधवार से शुरू हो गई। उपखंड स्तरीय समारोह स्थानीय राउमावि के खेल मैदान में होगा। बुधवार को इसी खेल मैदान में स्कूली बच्चों ने पीटी व परेड का अभ्यास किया। पहले दिन सुबह की प्रार्थना के बाद स्कूली बच्चे सीधे मैदान में पहुंच गए। पूर्वाभ्यास में कस्बे में संचालित सभी सरकारी व निजी विद्यालयों के छात्र छात्राएं भाग ले रही है। रिर्हसल में बच्चों ने जमकर पसीना बहाया। शारीरिक शिक्षिका प्रीति गोदारा की देखरेख में सरकारी व निजी विद्यालयों के बच्चों ने परेड व शारीरिक व्यायाम का अभ्यास किया। उपखंड स्तरीय कार्यक्रम में सांस्कृतिक, पीटी प्रदर्शन, परेड व अन्य गतिविधियां होगी, जिसकी तैयारियां शुरू कर दी गई है।

आज जैसलमेर आएंगी मंजू राजपाल

जैसलमेर, (नि.सं.)। शासन सचिव ग्रामीण विकास एवं जिला प्रभारी सचिव आईएएस टॉपर मंजू राजपाल आज गुरुवार को जैसलमेर पहुंचेगी एवं आयोजित की गई जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक में भाग लेगी। ज्ञात रहे कि जैसलमेर कलेक्टर टीना डाबी भी आईएएस टॉपर है।

कर्मचारियों ने रैली निकाली, जयपुर कूच की तैयारी की

जालोर, (कासं)। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ की ओर से घोषित 23 जनवरी को जयपुर में होने वाली कर्मचारियों की महारैली को लेकर बुधवार को जालोर में महासंघ के कर्मचारियों ने वाहन रैली निकाल कर जयपुर कूच करने का आहवान किया।

महासंघ द्वारा राज्य कर्मचारियों की 15 सूत्री मांगों को लेकर घोषित किए गए प्रदेश व्यापी आव्हान पर चरणबद्ध आंदोलन की कड़ी में बुधवार को जिला मुख्यालय जालोर पर महासंघ जिलाध्यक्ष गोविंदसिंह मंडलावत एवं जिला संघर्ष सयोजक कैलाश खत्री के नेतृत्व में विशाल वाहन रैली निकाली गई। जिला संघर्ष सयोजक कैलाश खत्री ने बताया कि सरकार से महासंघ के कई बार समझौते होने के बाद भी उसे धरातल पर लागू नहीं करने पर कर्मचारियों की 15 सूत्री मांगो को लेकर 23 जनवरी को जयपुर में महा आक्रोश रैली का आयोजन किया जाएगा एवं राज्य सरकार की वादा खिलाफी एवं संवाद हीनता के कारण राज्य कर्मचारियों में भारी आक्रोश है।

राज्य कर्मचारियों की वेतन विसंगतिया दूर करने, 7, 14, 21, 28 एवं 32 वर्ष पर चयनित वेतनमान स्वीकृत करने, संविदा कार्मिकों को नियमित करने, सहित 15 सूत्री मांगों को लेकर कर्मचारी लंबे समय से संघर्षरत हैं। जिसको लेकर 18 जनवरी को जिला मुख्यालय पर पूरे जिले भर से सैकडों कर्मचारियों ने वाहन रैली निकाल कर सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

जालोर में अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ ने वाहन रैली निकाली। फोटो-राष्ट्रदूत

वाहन रैली हायर सेकेण्डरी स्कूल जालोर से रवाना होकर, आहोर चौराहा, हॉस्पीटल चौराहा, हरिदेव जोशी सर्किल, बाई पास होते हुए जिला कलेक्टर के सामने पहुंची। वहां पर महासंघ द्वारा सभा आयोजित की गई।

जालोर जिलाध्यक्ष गोविंद सिंह मंडलावत सहित जिले के सभी ब्लॉक अध्यक्षों ने सभा को सम्बोधित कर विरोध प्रदर्शन किया तथा 23 जनवरी को जयपुर में होने वाली महा आक्रोश रैली में पहुंचकर राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया जायगा। कार्यक्रम का संचालन प्रकाश नारायण माली ने किया।

इस अवसर पर सांचेर से लादूराम भादू, रानीवाडा से करना राम देवासी, सायला से लुंबाराम चौधरी ,कैलाश गर्ग, सरनाऊ से भागीरथ राम कडवासरा, आहोर से जीवन सिंह चंपावत, भंवर सिंह राठौड़, जालोर से प्रकाश नारायण माली,जसवंतपुरा से रघुनाथ बिश्नोई ,बागोडा से वीरमा राम सारण, ग्राम विकास अधिकारी संघ जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश विश्नोई, अतिरिक्त सहायक विकास अधिकारी संघ के पोकारम सोलंकी, रेसाराम माली, कानुनगो संघ से पुख सिंह भाटी, ज्ञानेश त्रिपाठी, जालोर के पटवार संघ से कृष्णा मांजू, रमेश कुमार प्रजापत, नर्सेज एसोसिएशन से शहजाद खान हंजाराम सुंदेशा ,किशोर कुमार परिहार, सहायक कृषि अधिकारी संघ से ओमाराम सोनल, चतराराम आयुर्वेदिक संघ से जयवीर सिंह जाट ,अशोक सुथार शिक्षक संघ से हरिराम खिलेरी, ललित सुरियाल, शिवदत्त आर्य भोमाराम सिंगल, नेमीचंद खोरवाल, ओम प्रकाश बेनीवाल, रघुनाथ राम, भंवर सिंह ,मेघ सिंह, बालकृष्ण शर्मा, ललित खत्री, मोहन खत्री सहायक कर्मचारी संघ से राधेश्याम तंवर, दामोदर सिंह अनूप सिंह , हरिराम बुरडक आदि उपस्थित थे।

श्री कुम्हार (प्रजापति) समाज द्वारा आयोजित श्रीयादे माता जयंती महोत्सव समिति जोधपुर द्वारा शोभायात्रा 23 जनवरी को होगी। आमंत्रण पत्रिका का विमोचन पूर्व सांसद जसवंत सिंह बिश्नोई ने किया। उनके साथ मुख्य संरक्षक दशरथ कवाड़िया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष भंवरलाल ओड़िया, संरक्षक कालूराम कारवाल, लालचंद संखवाया, कोषाध्यक्ष मुन्नाराम मोरवाल, संतोष भोभरिया, हुकमाराम सिंगाटिया, अध्यक्ष लूणाराम घोड़ेला सहित समाज के कई लोग उपस्थित थे।

जागरूकता कार्यशाला हुई

जोधपुर, (कासं)। नेहरू युवा केंद्र, जोधपुर द्वारा महिला पी.जी. महाविद्यालय सभागार में आज कैरियर मार्गदर्शन जागरूकता कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के सहयोग से किया गया।

जिला युवा अधिकारी राजेश चौधरी ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। प्रो. एस. पी. व्यास, अध्यक्ष, महिला पी.जी महाविद्यालय ने युवतियों को हेरिटेज संरक्षण के क्षेत्र में आगे आने के लिए प्रोत्साहित किया। इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अजयवर्धन आचार्य ने नई शिक्षा नीति पर प्रकाश डालते हुए बहुआयामी व्यक्तित्व बनाने के लिए युवाओं को प्रेरित किया। प्राचार्य डॉ. मनोरमा उपाध्याय ने स्वयंसेवकों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि युवतियों को अपनी पसंद के क्षेत्र में आगे बढ़ने का निर्णय लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि कौशलयुक्त युवा ही भविष्य के भारत की नींव है।

ड्रोन से नैनो यूरिया का छिड़काव किया

जालोर, (कासं)। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत जालोर जिले में आहोर तहसील के सेदरिया बालोतान ग्राम में ड्रोन के माध्यम से नैनो यूरिया कर छिड़काव करवाया जाकर सजीव प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम में सवाराम पटेल ने ड्रोन तकनीक को किसानों के हित में बताते हुए राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की उपयोगिता के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक वी.आर. सोलंकी ने नैनो यूरिया छिड़काव की उपयोगिता के बारे में बताते हुए कहा कि राज्य में पहली बार ड्रोन द्वारा नैनो यूरिया का छिड़काव किया जा रहा है।

कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. आर.बी. सिंह ने कहा कि फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिए यूरिया के सर्वाधिक प्रयोग से कृषि भूमि की उर्वरा शक्ति नष्ट होने की शिकायत लंबे समय से आती रही है। इस चिंता को दूर करने के लिए यूरिया नैनो तकनीक आधारित लिक्विड तैयार किया गया है जो कि स्वदेशी आधारित उर्वरक है एवं भारत सरकार द्वारा अनुमोदित है। फसल की क्रांतिक अवस्थाओं पर नैनो यूरिया का पत्तियों पर छिड़काव करने से नाइट्रोजन की पर्याप्त मात्रा में फसलों को पूर्ति होती है। जिससे उत्पादन में वृद्धि के साथ ही यह पर्यावरण के लिए अनुकूल है।

ड्रोन द्वारा नैनो यूरिया छिड़काव एक साथ विस्तृत भू-भाग में कम समय में किया जा सकता है। जिससे समय की बचत की साथ ही धन की भी बचत होती है।

ईफको मैनेजर निर्भय चौधरी ने जानकारी देते हुए कहा कि नैनो यूरिया का निर्माण गांधीनगर जिले के कलोल में ईफको द्वारा नैनो तरल यूरिया प्लान्ट से निर्माण किया गया है।

यूरिया की एक बोरी का फर्टिलाईजर नैनो यूरिया के रूप में पांच सौ मि.ली. की बोतल में समा जायेगा। इस तरल यूरिया को नैनो तकनीक द्वारा विकसित किया गया है।

नैनो यूरिया के लाइव प्रदर्शन में आहोर उपखण्ड अधिकारी शैलेन्द्र सिंह, तहसीलदार हितेश त्रिवेदी, सरपंच जगतसिंह, डेयरी रानीवाडा के चैयरमैन जोगसिंह बालोत, कमाण्ड क्षेत्र अध्यक्ष लादुसिंह बालोत, उप सरपंच दलपत सिंह, एफपीओ अध्यक्ष ओटाराम मीणा, कृषि अधिकारी राकेश नोगिया, जगदीश प्रसाद एवं क्षेत्रीय कार्मिक उपस्थित रहे।

देश के निर्माण में युवाओं का अहम योगदान है : पूर्व सांसद पुष्प जैन

जालोर, (कासं)। भारतीय जनता पार्टी की ओर से चल रहे नव मतदाता पंजीकरण अभियान एवं डाटा प्रबंधन एवं उपयोग कार्यशाला का आयोजन पूर्व सांसद पुष्प जैन के मुख्य आतिथ्य एवं भाजपा जिलाध्यक्ष श्रवणसिंह राव बोरली, जालोर विधायक जोगेश्वर गर्ग के नेतृत्व में रामसीन में आयोजित हुआ।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद पुष्प जैन ने कहा कि देश के विकास में युवाओं का अहम योगदान है। आने वाले चुनावों में प्रथम बार मतदान करने वाले युवाओं को अधिक से अधिक मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित करना एवं उनको भारतीय जनता पार्टी की जन कल्याणकारी योजनाओं से अवगत करवाना आवश्यक हैं। देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनहित की सैंकड़ो योजनाएं चल रही है। जिसका आम जनता को लाभ मिल रहा है।

भाजपा जिलाध्यक्ष श्रवणसिंह राव बोरली ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि नव मतदाता पंजीयन के लिए हमें प्रत्येक बूथ पर हर घर से संपर्क करके 18 वर्ष की आयु वाले युवा एवं युवतियों को मतदाता सूची में जुड़वाने के लिए प्रेरित करना है। वर्तमान में राजस्थान में कांग्रेस सरकार द्वारा युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है, पेपर लीक होने को रोकने में सरकार विफल रही है। किसानों के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। इस विषयों को लेकर नवमतदाताओं से सम्पर्क करना और उनको राष्ट्र निर्माण के कार्य से अवगत कराया जाना आवश्यक है। जालोर विधायक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि राजस्थान में गुंडाराज, लूट डकैती, बलात्कार के मामले बढ़ रहे है, लेकिन सरकार कोई ठोस कार्यवाही नही कर रही है। राजस्थान में कांग्रेस सरकार दिनों दिन भ्रष्टचार में डूब रही है एवं आम जनता के रुपयों का दुरुपयोग कर रही है। आम किसान पानी बिजली और सड़क के लिए परेशान है। जिला महामंत्री हरीश राणावत ने कहा कि इंदिरा गांधी शहरी विकास योजना के नाम पर झुठे वादे करके युवाओं को ठगा है। कांग्रेस सरकार ने बेरोजगारी भत्ता देने का झुठा वादा किया जो अभी तक पूरा नहीं हुआ है। नव मतदाता पंजीकरण अभियान के जिला संयोजक डिंपलसिंह चैहान ने नव मतदाता पंजीकरण अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी दी। डाटा प्रबंधन एवम उपयोग कार्यशाला के जिला संयोजक बिशनसिंह सोलंकी ने जिले में समस्त विधानसभा एवं मंडल में डाटा प्रबंधन के संयोजक सहसंयोजक द्वारा डाटा प्रबंधन का कार्य किया जाएगा। डाटा प्रबंधन के संदर्भ में विस्तृत जानकारी प्रदान की।

रामसीन में भाजपा के नव मतदाता पंजीकरण अभियान को लेकर कार्यशाला हुई। फोटो-राष्ट्रदूत

इस दौरान पूर्व सांसद पुष्प जैन, भाजपा जिलाध्यक्ष श्रवणसिंह राव बोरली, जालोर विधायक जोगेश्वर गर्ग सहित भाजयुमो जिलाध्यक्ष गजेन्द्रसिंह सिसोदिया, एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष मिश्रिमल मेघवाल, जिला उपाध्यक्ष भेरूदान चारण, जिला महामंत्री हरिश राणावत, जिला मंत्री पवनी मेघवाल, जिला सोशल मीडिया संयोजक चंद्रकांत सुन्देशा, डिम्पलसिंह चैहान, बिशनसिंह सोलंकी, जामताराम चौधरी, किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष पहाडसिंह राव बोरली, भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष किशनलाल प्रजापत सहित ई जने मौजूद रहे।

सार-समाचार

वार्ड पंच ने भ्रष्टाचार का लगाया आरोप

पिण्डवाड़ा, (निसं)। समीपवर्ती ग्राम लौटाणा के वार्डपंच ने संभागीय आयुक्त, जिला कलैक्टर व मुख्य कार्यकारी अधिकारी से सीसी रोड़, नाली निर्माण व सफाई कार्यो को लेकर भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर जांच करवाकर कार्यवाही की मांग की। वार्ड पंच कसनाराम देवासी ने बताया कि गांव के मदन के घर से लेकर मामाजी मंदिर तक सीसी रोड मय नाली निर्माण कार्य व हरीश सिंह अजय सिंह से लेकर रघुनाथ देवासी के दुकान तक सीसी रोड़ मय नाली निर्माण कार्य किया गया है, लेकिन ग्राम पंचायत नियमों के विरूद्व ठेकेदार से कार्य करवाया गया है। जिसको लेकर तकनीमाना के अनुसार सड़क आठ ईंची होनी थी, लेकिन मौके मात्र 4 से 2 ईंच सड़क बनी है। जबकि मौके पर पुरी लम्बाई भी नहीं की गई है। गांव के पूर्व सरपंच सरूपाराम देवासी के दुकान से लेकर गांव के मुख्य नाले तक नाली निर्माण कार्य हुआ, जिसमें सीसी सडक के फाउण्डेषन (नीचे) 40 एमएम गिट्टी 4 ईंच मोटाई नहीं की तथा नाली के उपर भी 2 ईंची कुपींग नहीं कर मात्र प्लास्टर किया गया है। जबकि जेटीए प्रवीण सिंह ने ठेकेदार से मिलीभगत एवं भारी भरकम कमीशन लेकर नियमों के विरूध नाप पुस्तिका में नाप इन्द्राज कर लाखों रूपये का भ्रष्टाचार किया है। वही वार्डपंच देवासी ने बताया कि गांव के मुख्य नाला गंदगी से भरा पड़ा है, सफाई के अभाव दुर्गन्ध फैली हुई तथा गांव में बिमारीयां फैलने की आशंका है। तथा नाला खुला होने के कारण कई बार बच्चें भी नाले में गिर जाते है जो अभी बडा हादसा हो सकता है।

भूंगरा पीड़ितों की चिकित्सा सेवा पर सम्मान

जोधपुर, (का.सं.)। वीर दुर्गादास राठौड़ चिकित्सा सेवा समिति द्वारा गुरुवार 19 जनवरी को प्रातः 11 बजे एमजीएच अस्पताल लेक्चर हॉल में भूंगरा दुःखान्तिका पीड़ितो की एम जी एच में चिकित्सा सेवा करने वाले कार्मिकों का सम्मान किया जायेगा। समिति के सचिव राजेन्द्र सिंह लीलिया ने बताया कि कार्यक्रम में प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया जायेगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्राचार्य एवं नियंत्रक डॉ एस एन मेडिकल कॉलेज डॉक्टर दिलीप कच्छवाह , अध्यक्षता अधीक्षक एम जी एच डॉ राजश्री बेहरा व विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त प्राचार्य डॉ योगीराज जोशी होंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम मे समिति अध्यक्ष डॉ बी एस जोधा, कोषाध्यक्ष रामचंद्र सिंह जोधा ,कार्यकारिणी सदस्य सुमेर सिंह बामणू , डॉ बलवीर सिंह शेखावत , डॉ वीर सिंह राठौड़ , महिपाल सिंह जोधा , के वी सिंह चांदरख व रणजीत सिंह ज्याणी उपस्थित रहेंगे ।उन्होंने बताया कि समिति चिकित्सा सेवा से जुड़ी हुई संस्था है ।कोरोना काल में भी समिति द्वारा चिकित्सा सेवा के कार्य किए गए थे ।

कलैक्टर को जंबूरी का स्मृति चिन्ह भेंट

जालोर, (नि.सं.)। 18 वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जंबूरी रोहट पाली में 4 से 10 जनवरी तक आयोजित हुई। जिसमें जालोर जिले से 380 स्काउट गाइड एवं स्काउटर गाइडर सम्मिलित हुए। जिनका जंबूरी में उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा। बुधवार को जिला कलैक्टर निशांत जैन को 18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जंबूरी का स्मृति चिन्ह सीओ स्काउट एम. आर. वर्मा के नेतृत्व में भेंट किया गया। सीओ स्काउट एमआर वर्मा ने जिला कलेक्टर को जिले में आयोजित स्काउट गाइड की गतिविधियों से अवगत कराया। इस अवसर पर स्थानीय संघ चांदराई के सचिव जुहारलाल डांगी, स्थानीय संघ जसवंतपुरा के सचिव सोहनलाल टेलर, राउमावि पावटा के स्काउट मदनसिंह बालोत, राउमावि कुंवारड़ा के स्काउटर बखेडू राम, राउमावि चवरछा स्काउटर प्रकाशचंद्र आदि उपस्थित रहे।

बीसूका की प्रगति की समीक्षा की

जैसलमेर, (नि.सं.)। जिला कलैक्टर टीना डाबी ने बीसूका की माह दिसम्बर की प्रगति की समीक्षा करते हुए सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे बीसूका में ठोडिंग वाले सूत्रों में लक्ष्य के अनुरूप उपलब्धि हासिल कर 'ए' श्रेणी अर्जित करावे। उन्होंने समीक्षा के दौरान जिन विभागों की ठोडिंग 'बी'' व 'सी' थी, उन विभागों के अधिकारियों को हिदायत दी कि वे मार्च से पहले सूत्रों में 'ए' श्रेणी अर्जित करावें एवं इसके लिए विशेष प्रयास करे। डाबी ने बुधवार को जिला कलक्ट्री सभाकक्ष में आयोजित बीसूका की प्रगति समीक्षा बैठक में यह निर्देश दिए। बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी दाताराम के साथ ही सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

महाराणा प्रताप जन्मस्थली पर कार्यक्रम 19 को

पाली, (नि.सं.)। हिंदुआ सूरज वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप की पुण्य तिथी 19 जनवरी गुरुवार को जूनी कचहरी स्थित जन्मस्थली परिसर में महाराणा प्रताप जन्मस्थली एवं नगर परिषद के संयुक्त तत्वावधान में पुष्पांजलि का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। समिति सचिव चम्पालाल सिसोदिया एवं रितेश छाजेड़ ने बताया कि गुरुवार को प्रातः 11 बजे जूनी कचहरी में स्थापित चेतक अश्वारूढ़ प्रतिमा पर पुष्पांजलि कार्यक्रम व पुष्प वर्षा की जाएगी । इस अवसर पर विधायक सहित समस्त जनप्रतिनिधिगण, समिति सदस्य,धानमंडी व्यापार संघ एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के आयोजन की व्यवस्था में समिति अध्यक्ष शैतानसिंह सोनिगरा, संयोजक उगमराज सांड, सचिव चम्पालाल सिसोदिया,उपाध्यक्ष अनोपसिंह चौहान,सह सचिव रितेश छाजेड़, कोषाध्यक्ष प्रकाश शर्मा, युवा प्रतिनिधि कुलदीपसिह सोनिगरा, तरुणसिंह चौहान,प्रवीण शर्मा, मुकेश भंसाली, गुलाबसिंह गिरवर,प्रदीप कच्छवाह,एडवोकेट दीपाराम परमार, रविमोहन भूतड़ा, गौतमचंद यति, महेश बागड़ी, रमेश शर्मा, छगनलाल मेवाड़ा,सहित सभी सदस्य व नगर परिषद के अधिकारी व कर्मचारी जुटे हुए हैं।

फसल हुई चौपट,मुआवजे की मांग

पाली, (नि.सं.)। भारतीय किसान यूनियन टिकैत संगठन के जिलाध्यक्ष मदनसिंह जागरवाल ने राज्य के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को जिला कलेक्टर के मार्फत ज्ञापन देकर पिछले सात दिनों में पूरे राजस्थान के साथ पाली जिले में भयंकर सर्दी के कारण किसानों के खेतों में पाला पड़ने से पूरी फसल जलकर नष्ट हो गई, जिसके राजस्व विभाग द्वारा सर्वे करवाकर किसानों को उचित मुआवजा देने की मांग की। जागरवाल ने ज्ञापन में बताया कि पूरे पाली जिले के जैतारण, रायपुर, मारवाड़, सोजत, रानी, बाली, सुमेरपुर, देसुरी, पाली और रोहट पंचायत समिति क्षैत्र में पिछले 7 दिनों से पड़ रही सर्दी के कारण चना, रायला, गेहूं, इरण्डी, इसबगोल और सब्जियों में भयंकर पाला पड़ने से किसानों की फसलें पूरी बर्बाद हो चुकी है। सबसे ज्यादा रोहट क्षैत्र में सेंवज की फसल बर्बाद हुई है।

विप्र फाउंडेशन के प्रदेशाध्यक्ष का स्वागत

स्वरूपगंज, (निसं)। राजस्थान सरकार के राज्य मंत्री विप्र फाउंडेशन के राजस्थान अध्यक्ष एवं पूर्व पीसीसी महेश शर्मा का स्वरूपगंज में कार्यकर्ताओं द्वारा पूर्व पीसीसी सचिव इंदर सिंह देवडा के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया गया। इस मौके पर एवं खाद की उपलब्धता मांग की गई। पीसीसी सचिव से निंबाराम गरासिया ने स्थानीय बाशिंदों की मूल समस्याओं से अवगत कराया। इस अवसर पर निर्वार्तमान सचिव राजपाल सिंह देवड़ा, असलम खान, महबूब नागोरी, नवाराम माली, मनीष प्रजापत, समीर खान पठान, विना राम गमेती, कन्हैयालाल मेघवाल, कन्हैयालाल लखारा, कुंवर सिंह राजपुरोहित अन्य सहित सैकडों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चोरी के दो गिरफ्तार

बाप, (निसं)। बाप पुलिस ने सोलर प्लेट चोरी मामले में दो आरोपयिों को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है। पुलिस गुरूवार को दोनो आरोपियों को न्यायालय में पेश करेगी। एसआई देवाराम ने बताया कि भडला में स्थित अजूर पावर प्लांट से करीब एक माह पूर्व सोलर प्लेटो की चोरी हो गई थी। उक्त मामले में फलोदी जेल से निम्बूाम पुत्र जोधाराम निवासी अवाय व अमरदीन पुत्र लालदीन निवासी सत्याया दोनो जिला जैसलमेर को प्रॉडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है। इसी मामले में पूर्व में पांच आरोपी गिरफ्तार हो चुके है।

राठौड़ अध्यक्ष, पालीवाल संयोजक बने

बाप, (निसं)। विश्व हिंदू परिषद प्रखंड बाप के बाप खण्ड में डोलियों की ढाणी में बुधवार को विहिप की बैठक जिला उपाध्यक्ष रामचंद्र सोलंकी की उपस्थिति में आयोजित हुई। बाप प्रखण्ड मंत्री नारायण सिंह सिडा ने बताया कि डोलिया वार्ड समिति में सुमेर सिंह राठौड़ को अध्यक्ष, उपाध्यक्ष गिरधर सिंह भाटी, अनिल पालीवाल मंत्री, अमृत लाल पालीवाल को बजरंग दल डोलिया वार्ड संयोजक, सुमेरसिंह को सह संयोजक मनोनीत किया। सोलंकी ने कहा कि विहिप धार्मिक संगठन है। इस दौरान सुमेरसिंह, अमृतलाल पालीवाल, माणकलाल पालीवाल, चन्द्रसिंह, सुमेर सिंह भाटी, जेठू सिंह, रूपसिंह आदि मौजूद रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को बीस साल की कैद

जयपुर, 18 जनवरी (का.सं.)। जयपुर की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त सरदारमल को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर दो लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक विजया पारीक ने अदालत को बताया कि, मामले में पीड़िता की मां ने 25 सितंबर 2020 को गोविन्दगढ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि, उसका पति मानसिक बीमार है, जिसके चलते वह अपनी बेटी के साथ पीहर में रहती है। अभियुक्त उसकी बेटी को तीन साल से परेशान कर रहा है। अभियुक्त 17 अप्रैल 2020 की रात उसके घर आया और पीड़िता को धमका कर अपने साथ ले गया और परिचित के घर ले जाकर दुष्कर्म किया।

- **पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने आरोपी सरदारमल पर दो लाख रू. का जुर्माना भी लगाया।**

दुष्कर्मी ने उसे मारने की धमकी देकर घर भेज दिया। जिसके चलते पीड़िता ने घटना की जानकारी नहीं दी। इसके साथ अभियुक्त ने कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया। इस पर पीड़िता ने अपने परिजनों को घटना की जानकारी दी। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान पीड़िता ने अभियुक्त के साथ ही दो अन्य लोगों पर भी दुष्कर्म करने का आरोप लगाया, लेकिन पुलिस ने अभियुक्त को दोषी मानते हुए उसके खिलाफ आरोप पत्र पेश किया। वहीं बाद में शेष दोनों को आरोपी बनाने के लिए अदालत में प्रार्थना पत्र पेश किया गया, लेकिन अदालत ने प्रार्थना पत्र खारिज कर दिया।

‘सरकारी मामलों में पैरवी व सरकारी इकाइयों में नियुक्ति के बारे में क्या नीति है’

-यादवेंद्र शर्मा-

जयपुर, 18 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट में केंद्र तथा राज्य सरकार की विभिन्न इकाईयों तथा निगमों के विभिन्न कानूनी मुकदमों में वकीलों की नीतिबद्ध तरीके से नियुक्ति नहीं किए जाने और मामलों की सुनवाई के दौरान उपस्थित नहीं होने पर नाराजगी जताते हुए न्यायाधीश समीर जैन ने मामले पर स्वत: संज्ञान लिया है। और साथ ही अदालत ने केंद्र सरकार और राज्य सरकार से वकीलों की नियुक्ति किये जाने, उन्हें सरकारी मामलों में पैरवी के लिये अनुबंधित किये जाने और सरकारी इकाईयों के पैनल में नियुक्त किये जाने की नीति गठित कर जवाब प्रस्तुत करने को कहा है।

सरकारी इकाईयों में सही से पैरवी नहीं होने और वकील नियुक्त नहीं किये जाने का मामला अदालत के समक्ष तब आया जब राजस्थान स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (आर.एस.आर.टी.सी.) के खिलाफ पेंशन नहीं दिये जाने के एक मामले में आर.एस.आर.टी.सी. के वकील पैरवी के लिये उपस्थित नहीं थे। तब न्यायाधीश समीर जैन ने कॉर्पोरेशन के सीएमडी को अगली तारीख तक उपस्थित होने के आदेश दिये। इस मामले की अगली ही सुनवाई में सरकार की ओर से महाधिवक्ता पेश हुए थे। अदालत में आर.एस.आर.टी.सी. के डायरेक्टर (कानून) की ओर से यह आंकड़े भी पेश किये गये थे कि आर.एस.आर.टी.सी., रीको, जेडीए और नगर निगम के हजारों केस उच्च अदालत में लंबित हैं। केवल आर.एस.आर.टी.सी. के ही 7500 से अधिक मामले हाईकोर्ट में पेंडिंग हैं। प्रमुख सचिव के जवाब से यह भी स्पष्ट हो गया था कि आर.एस.आर.टी.सी. के पास वकील को नियुक्त करने या अनुबंधित करने की कोई स्पष्ट नीति नहीं है।

- **हाई कोर्ट ने राज्य व केन्द्र सरकारों से जवाब तलब किया, क्योंकि न्यायालय ने महसूस किया कि सरकार की ओर से नियुक्त वकील मुकदमों की सुनवाई के समय उपस्थित नहीं होते।**
- **राजस्थान बार एसोशिएशन से भी, उनका इस बारे में मत पेश करने के लिये कहा गया।**
- **बार ऐसोशिएशन के अध्यक्ष महेन्द्र शांडिल्य ने न्यायालय को बताया कि, नियुक्ति बड़े अपारदर्शी व मनमाने तरीके से होती है जिससे बैक गेट एन्ट्री व पक्षपात को बढ़ावा मिलता है।**
- **अदालत ने इस मामले में अधिवक्ता शशांक अग्रवाल को न्याय मित्र भी नियुक्त किया है।**

इस मामले में राजस्थान बार एसोसियेशन जयपुर के अध्यक्ष, महेन्द्र शांडिल्य, को भी अदालत में बुलाकर सरकारी वकीलों की नियुक्ति के संदर्भ में अपना जवाब प्रस्तुत करने को कहा गया था। महेन्द्र शांडिल्य ने भी अदालत को बताया कि सरकारी पैनलों में वकीलों की नियुक्ति बड़े ही अपारदर्शी और मनमाने तरीके से की जाती है। उन्होंने अदालत को कहा कि वकीलों की नियुक्ति के पहले ना तो कोई विज्ञापन जारी किया जाता है और ना ही कोई विचार-विमर्श किया जाता है जिससे पक्षपात और बैकडोर एंट्री को बढ़ावा मिलता है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 16 नवम्बर 2022 को प्रमुख सचिव (कानून) के द्वारा जारी किया एक सर्कुलर, में स्पष्ट कहा गया था कि कई मामलों में सरकार द्वारा नियुक्त वकील और एडीशनल एडवोकेट जनरल (ए.ए.जी.) पैरवी के लिये उपस्थित नहीं हो रहे थे और अपने सहायक अधिवक्ताओं को तारीख लेने के लिये भेज देते हैं। इस सर्कुलर में कहा गया है कि सरकारी वकीलों की इस प्रथा से सभी सरकारी विभाग परेशान थे क्योंकि सरकारी वकील और ए.ए.जी. की नियुक्ति महत्वपूर्ण मामलों में ही की जाती है।

न्यायाधीश समीर जैन ने इन सभी तथ्यों को मद्देनजर रखते हुए इस मामले में स्वत: संज्ञान लिया और इसे जनहित याचिका के रुप में सुनने का आदेश 17 जनवरी को दिया था जिसकी प्रति 18 जनवरी को प्रकाशित हुई।

अपने आदेश में न्यायाधीश समीर जैन ने केंद्र सरकार और राज्य सरकार की ओर से वकीलों को नियुक्त करने की नीति के संबंध में जवाब तलब किया है। अदालत ने इस मामले में अधिवक्ता शशांक अग्रवाल को न्याय मित्र भी नियुक्त किया है।

‘पेपर तिजोरी में बंद होता...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिम्मेदार नहीं है, कोई न कोई तो जिम्मेदार होगा ही।'' यह कहकर सचिन पायलट ने मुख्यमंत्री की ओर से नेताओं अधिकारियों को पेपर लीक मामले में क्लीन चिट देने के बयान को कटघरे में ला दिया। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा था कि सरगना के नाम बताओ, हालांकि सचिन पायलट ने अपने बयान में परीक्षा कराने वाली एजेंसी में लगे अधिकारियों का नाम भले ही नहीं लिया, लेकिन स्पष्ट कर दिया कि उनकी मर्जी के बिना पेपर लीक नहीं हो सकता। ऐसे में अब पेपर लीक मामले में अधिकारियों को बचाने की सरकार की कोशिश पर सवाल उठेंगे। जिनका जवाब देना चुनावी वर्ष में आसान नहीं होगा।

पायलट ने सरकार की ओर से एक के बाद एक करीब 2 दर्जन अधिकारियों को राजनीतिक नियुक्तियां देने पर भी बड़ा सवाल उठाया और इसे कांग्रेस कार्यकर्ताओं का हक मारने की संज्ञा दी। पायलट ने कहा कि, ''बहुत से लोगों को राजनीतिक नियुक्तियां दीं, लेकिन जिन लोगों ने सरकार बनाने के लिए खून पसीना बहाया, उनका अनुपात सुधारना होगा। पायलट ने कहा कि प्रदेश में बहुत से ऊंचे अधिकारी हैं, जो अधिकारी हमारी सरकार में काम करते हैं। उन्हें यह फर्क नही पड़ता कि राज कांग्रेस का है या बीजेपी का है। अफसर तो राज की नौकरी करते हैं। बड़े अफसरों को भी हमें राज में मौका देना हो तो दीजिए, लेकिन अनुपात ठीक होना चाहिए।

पायलट ने कहा कि कांग्रेस का वर्कर चाहे मेरा समर्थक हो, हेमाराम जी का समर्थक हो, बृजेंद्र ओला जी का समर्थक हो या किसी और का हो, उसे राजनीतिक नियुक्तियों में पद दें, तो उसका हम सब उसका स्वागत करेंगे। बड़े-बड़े अधिकारी शाम को 5 बजे रिटायर होते हैं और रात को 12 बजे उनकी नियुक्ति हो जाती है। थोड़ा बहुत तो होता है, लेकिन अधिकारियों की जगह कांग्रेस के कार्यकर्ता को पद मिलते तो अच्छा होता। हमें तो उसको ठीक करना होगा।

इसी के साथ पायलट ने कहा कि 2013 में हमारे 21 विधायक ही रह गए थे। केवल दो मंत्री जीते थे, बाकी पूरी कैबिनेट हार गई थी। उन विपरीत हालात में कांग्रेस हाईकमान ने मुझे कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष बनाकर भेजा। उस वक्त मैं केंद्र में मंत्री था। लोगों ने तब कहा था कि यह फायदे का सौदा नहीं है। वहां तो कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया है। मैंने सब कुछ छोड़कर कार्यकताओं और नेताओं को जोड़ने, इकट्ठा करने की कोशिश की। इसी के चलते हमने सरकार बनाई।

मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जैसलमेर-बाड़मेर से लेकर भरतपुर - धौलपुर तक, गंगानगर- हनुमानगढ़ से लेकर बांसवाडा - डूंगरपुर तक का नौजवान चाहता है कि उनकी तकदीर सचिन पायलट लिखें।

गुढ़ा ने कहा कि आज इतनी बड़ी संख्या में जो नौजवान, किसान, माताएं, बहने जो जगदंबा के रूप में यहां बैठी हैं, इन सब का समर्थन और आशीर्वाद आपके साथ है।

मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने मुख्यमंत्री गहलोत पर हमला बोलते हुए कहा कि 100 में से 21 नंबर लाए वह फेल हो जाता है, जो 200 में से 21 लाए फिर भी वह पास। जो 21 सीट को 100 में बदल दें, वह निकम्मा कैसे हो गया ? हम यह कैसे भूलें ?

गुढ़ा ने कहा कि नौजवान हाईकमान के फैसले का इंतजार कर रहा है। जो बच्चा पहली बार वोटिंग करेगा वह भी और जिसका वोटर लिस्ट में नाम तक नहीं है वह भी पूछ रहा है कि पायलट साहब सीएम कब बन रहे हैं ? जब जब सत्ता के गलियारों में अन्याय होता है।

जनता के बीच उस व्यक्ति के प्रति साख-इज्जत बढ़ती है। राजस्थान का नौजवान चाहता है कि राजस्थान की तकदीर का फैसला पायलट करें। मंत्री गुढ़ा बोले कि जब राजा राम का राजतिलक होने जा रहा था पर बाद में उन्हें 14 साल का वनवास दे दिया गया तो जनता के मन में यह बैठ गया कि राम के साथ अन्याय हुआ। हस्तिनापुर में द्रौपदी का चीरहरण हुआ तो भी जनता को लगा कि द्रौपदी और पांडवों के साथ अन्याय हुआ। जिस जिसके साथ सत्ता ने अत्याचार किए हैं। वह जनता की सहानुभूति का पात्र बना है।

‘विशेष दर्जा नहीं मिला तो विधानसभा चुनाव का बहिष्कार किया जाएगा’

राजस्थान भील विकास समिति ने चेतावनी दी

- **भील समाज की मांग है कि, सरकारी नौकरियों में पर्याप्त प्रतिनिधित्व के लिए उन्हें भी सहरिया जनजाति की तरह विशेष दर्जा दिया जाए।**
- **राजसमंद में राजस्थान विकास समिति की बैठक हुई। बैठक में प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल भील ने कहा कि, सरकार के सामने बार-बार भील समाज का पक्ष रखा गया है पर सरकार उसकी अनदेखी कर रही है।**

राजसमंद, 18 जनवरी (निसं)। सरकारी नौकरियों में प्रभावी प्रतिनिधित्व के लिए भील समाज को सहरिया जनजाति की तर्ज पर आरक्षण में विशेष दर्जा दिए जाने की लम्बे अर्से से चल रही मांग पूरी नहीं होने एवं इस मुद्दे पर राज्य सरकार के उदासीन रवैये पर आक्रोश जताते हुए राजस्थान भील समाज विकास समिति ने आगामी विधानसभा चुनाव में मतदान का बहिष्कार करने का निर्णय किया है।

यहां जिला मुख्यालय पर पलेवा मगरी स्थित सभा भवन में प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल भील, संभागीय अध्यक्ष शंकरलाल, जिलाध्यक्ष उदयलाल, जिला युवा अध्यक्ष फूलचंद, जिला बेरोजगार युवा अध्यक्ष जगदीशचन्द्र भील आदि की मौजूदगी में हुई बैठक में इस मुद्दे पर विस्तृत विचार-विमर्श के बाद उक्त महत्वपूर्ण निर्णय किया गया। प्रदेशाध्यक्ष सहित सभी पदाधिकारियों ने आक्रोश व्यक्त किया कि बार-बार सरकार के समक्ष भील समाज का पक्ष रखने एवं हालात से अवगत कराने के बावजूद समाज को लगातार अनदेखा किया जा रहा है, जो चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि राजसमन्द जिला व आसपास के क्षेत्र में बिखरी आबादी में बसा भील समाज पहले से ही काफी पिछडा हुआ है जिसे विकास की मुख्य धारा में लाने की दरकार है। सरकार भील समाज के उत्थान के लिए बडे-बडे वादे तो करती है लेकिन कभी कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। आरक्षण में भील समाज के लिए विषेश प्रावधान नहीं होने के कारण जनजाति वर्ग के लिए लागू आरक्षण का पूरा लाभ कुछ जिलों का जनजाति वर्ग ही उठा रहा है। इसके चलते आज भी सरकारी नौकरियों में राजसमन्द क्षेत्र के भील समाज का प्रतिनिधित्व शून्य समान ही है। इसे देखते हुए भील समाज के विकास की उम्मीद करना बेमानी है। पदाधिकारियों ने आक्रोश जताया कि पिछले कई वर्षो से भील समाज अपने वाजिब अधिकार के लिए संघर्ष कर रहा है। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

बैठक में सभी ने सरकार से पुरजोर मांग की कि बारां क्षेत्र की सहरिया जनजाति की तर्ज पर राजसमन्द जिला व आसपास के क्षेत्र के भील समाज को भी आरक्षण अन्तर्गत विषेष दर्जा दिया जाए ताकि इनका जीवन स्तर भी ऊंचा उठ सके। यह भी कहा कि सरकारी सेवाओं में भील समाज का अपेक्षित प्रतिनिधित्व नहीं है, इसलिए समाज का उत्थान सम्भव नहीं हुआ। इस विषय पर विस्तृत चर्चा के बाद पदाधिकारियों ने एकमत होकर निर्णय किया कि भील समाज को विषेष दर्जा नहीं देने पर आगामी विधानसभा चुनाव में राजसमन्द क्षेत्र का भील समाज मतदान का बहिष्कार करेगा जिसकी जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी। बैठक में समिति से जुडे राजसमन्द, नाथद्वारा, खमनोर, देलवाडा, रेलमगरा, आमेट, कुम्भलगढ आदि तहसीलों के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे।

समिति जिलाध्यक्ष उदयलाल ने बताया कि अपने हक के लिए भील समाज वर्ष 2008 से लगातार संघर्षरत है। बीते डेढ दशक से चल रहे आंदोलन के तहत कई बार धरना-प्रदर्शन, घेराव आदि हुए, कलक्टर से लेकर मंत्री, मुख्यमंत्री व राज्यपाल तक को कई बार ज्ञापन सौंपे गए। सीएम से मिलकर वस्तुस्थिति से अवगत कराया एवं तथ्यात्मक जानकारी प्रस्तुत की गई लेकिन नतीजा नहीं निकला। उन्होंने बताया कि करीब दो वर्ष पूर्व सिरोही विधायक संयम लोढा ने विधानसभा में यह मुद्दा उठाया परन्तु सरकार ने कोई पहल नहीं की। करीब डेढ वर्ष पूर्व बिलोता (देलवाडा) में सुखाडिया विश्वविद्यालय के कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी ने राज्यपाल को भील समाज के हालात से रूबरू कराते हुए इनके उत्थान के लिए ठोस कदम उठाने की वकालत की थी। गत वर्ष गुडला (नाथद्वारा) में विद्यालय लोकार्पण समारोह में विधानसभा अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के समक्ष यह मुद्दा उठाया था वहीं पीसीसी चीफ गोविन्दसिंह डोटासरा के नाथद्वारा आगमन पर डॉ. जोशी ने उन्हें भी जानकारी दी।

गत वर्ष राजसमन्द विधानसभा उपचुनाव से पहले डॉ. जोशी ने सरकार के समक्ष पुन: यह समस्या रखी जबकि विगत महीनों नाथद्वारा क्षेत्र की फतेहपुर पंचायत में आयुर्वेदिक वैलनैस सैंटर शिलान्यास समारोह में विधानसभा अध्यक्ष ने पुन: सीएम को उक्त मुद्दे का स्मरण कराया। इसके अलावा डॉ. जोशी ने जयपुर राजभवन में राज्यपाल के साथ बैठक में भी यह मामला उठाया था। जिलाध्यक्ष ने बताया कि गुडला गांव में हुए कार्यक्रम में सीएम ने इस मुद्दे पर गम्भीरता दिखाते हुए इसके लिए सब कमेटी गठन की घोषणा की एवं बाद में इसके अनुरूप कमेटी भी बन गई लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

‘वन भूमि से घिरी सरकारी भूमि को फॉरैस्ट लैण्ड घोषित क्यों नहीं किया जा रहा’

जयपुर, 18 जनवरी (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रमुख राजस्व सचिव, झुंझुनूं कलेक्टर, प्रधान मुख्य वन संरक्षक, स्थानीय डीएफओ, रेंज फोरेस्ट ऑफिसर उदयपुरवाटी और हैड ऑफ फॉरेस्ट से पूछा है कि वन भूमि से घिरी सरकारी भूमि को वन संरक्षण के लिए राजस्व रिकॉर्ड में फॉरेस्ट लैंड के तौर पर दर्ज क्यों नहीं किया जा रहा है।

- **राजस्थान हाई कोर्ट ने राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव, झुंझुनूं कलैक्टर और वन विभाग से जवाब तलब किया। इस संबंध में दायर याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने बताया कि, संभागीय आयुक्त की अध्यक्षता में गठित कमेटी ने इस भूमि को वन भूमि घोषित करने का निर्णय लिया था।**

जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस गणेश राम मीणा की खंडपीठ ने यह आदेश फूलचंद की ओर से दायर जनहित याचिका पर दिए। याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने अदालत को बताया कि संभागीय आयुक्त की अध्यक्षता में गठित कमेटी ने 24 दिसंबर 2021 को निर्णय लिया था कि वन भूमि से घिरी सरकारी भूमि को भी राजस्व रिकॉर्ड में फॉरेस्ट लैंड घोषित किया जाए।

इसके बावजूद अब तक इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। जनहित याचिका में कहा गया कि वन भूमि से घिरी सिवायचक जमीन का दूसरा उपयोग होने से वहां मौजूद वन भूमि और उसमें विचरण करने वाले जीव प्रभावित होते हैं। वहीं सिवायचक जमीन का उपयोग लेने वाले भी वन्यजीवों से प्रभावित होते हैं। इसके साथ ही धीरे-धीरे वन भूमि का उन्मूलन होने लगाता है।

इसलिए वन भूमि से घिरी सरकारी भूमि को भी राजस्व रिकॉर्ड में फोरेस्ट लैंड के तौर पर दर्ज किया जाए। जिससे इस भूमि को भी वन भूमि के तौर पर विकसित किया जा सके। याचिका में बताया गया कि राज्य में प्रति व्यक्ति वन क्षेत्र सिर्फ 0.06 हेक्टेयर ही है। राज्य सरकार की वन नीति में भी प्रावधान है कि जहां भी खाली जमीन हो, वहां वृक्षारोपण किया जाना चाहिए।

याचिका में कहा गया कि झुंझुनूं जिला स्थित खेतडी तहसील के कांकरिया गांव में स्थित करीब चालीस हेक्टेयर भूमि वन भूमि से घिरी हुई है। इसके बावजूद उसे फोरेस्ट लैंड घोषित नहीं किया जा रहा है।

बॉर्डर एरिया में आधी रात को पाक से आया ड्रोन

श्रीगंगानगर, 18 जनवरी (कासं)। श्रीगंगानगर के श्रीकरणपुर बॉर्डर एरिया में आधी रात को पाकिस्तानी ड्रोन देखा गया। ड्रोन देखकर बीएसएफ के जवानों ने फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद ड्रोन वापस पाकिस्तानी सीमा में लौट गया। बॉर्डर पर अक्सर ड्रोन के जरिये तस्करी होती है, इसलिए संभावना थी कि, ड्रोन के जरिए इलाके में हेरोइन को फेंका गया है लेकिन सर्च ऑपरेशन में कुछ नहीं मिला। बीएसएफ के अधिकारिक सूत्रों के अनुसार देर रात करीब 12 बजे बीएसएफ जवानों को श्रीकरणपुर बॉर्डर एरिया के गांव 11 एफए-12 एफए के बीच के इलाके में ड्रोन नजर आया। ड्रोन की एक्टिविटी लगातार दो बार हुई। ड्रोन देखते ही बीएसएफ जवानों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद ड्रोन वापस पाकिस्तानी सीमा में लौट गया। ड्रोन के वापस लौटने पर बीएसएफ ने देर रात ही सर्च ऑपरेशन चलाया। पिछले कुछ दिनों से पाकिस्तान से लगातार श्रीगंगानगर के बॉर्डर एरिया के गांवों में ड्रोन के जरिए खेतों में हेरोइन के पैकेट फेंके जाते हैं।

- **श्रीकरणपुर बॉर्डर एरिया में आधी रात के बाद आए इस ड्रोन पर बी.एस.एफ. जवानों ने फायरिंग की तो ड्रोन लौट गया।**

‘सिमी पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शपथ पत्र में उल्लेख किया गया है कि ''सिमी इस्लाम का प्रचार करने और जिहाद के लिए समर्थन जुटाने को लेकर छात्रों और युवाओं को लामबंद करना चाहता है। यह संगठन ''इस्लामी इंकलाब'' के जरिए ''शरियत'' आधारित इस्लामी शासन लाने पर भी जोर दे रहा है। यह संगठन राष्ट्र देश अथवा भारत के धर्म निरपेक्ष संविधान में विश्वास नहीं करता। यह मूर्ति पूजा को पाप मानता है और ऐसी पूजा पद्धति को समाप्त करना अपना फर्ज मानता है।'' केन्द्र ने कहा कि सिमी की आर्थिक स्थिति मजबूत है उसे अरब देशों से भारी चंदा मिलता है। ये चंदा दो वर्गों में रखा जा सकता है जकात/दान और लूट व डकैती।' शपथ पत्र में कहा गया है कि सिमी के सदस्यों के पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, सऊदी अरेबिया और नेपाल से ताल्लुक है। यह संगठन ऐसे विभिन्न कट्टरपंथी व आतंकी संगठनों से प्रभावित है, जो जम्मु-कश्मीर में सक्रिय हैं। यह कई अन्य नामों के तहत भी सक्रिय है जैसे तमिलनाडु में वहादत-ए- इस्लामी, राजस्थान, कर्नाटक, गुजरात, आंध्र प्रदेश व दिल्ली में इण्डियन मुजाहिद्दीन, उत्तर प्रदेश में मुस्लिम मुत्ताहिद जिहाद, कर्नाटक में अंसारूल्लाह, मध्यप्रदेश में वहादत-ए-उम्मत व पश्चिम बंगाल में नागरिक सुरक्षा मंच।

नॉर्थ ईस्ट के तीन राज्यों के चुनाव नतीजों...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मार्च को समाप्त हो रहा है। उक्त तीनों राज्यों की विधानसभाओं में प्रत्येक की कुल सदस्य संख्या 60 है।

चुनाव आयोग ने कहा कि तीनों राज्यों का चुनाव कार्यक्रम हाई स्कूल परीक्षाओं और सुरक्षा बलों के मूवमैन्ट को ध्यान में रखकर बनाया गया है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने एक न्यूज़ कॉन्फ्रैंस में बताया कि ''नागालैण्ड, मेघालय और त्रिपुरा में 62.8 लाख से अधिक मतदाता हैं, जिनमें 31.47 लाख महिला वोटर्स हैं। तीनों राज्यों में 1.76 लाख से अधिक वोटर्स पहली बार वोट डालेंगे।''

इस वर्ष होने वाले विधानसभा चुनावों की शुरुआत उत्तर-पूर्व के इन तीन राज्यों से होने जा रही है। इनमें भी त्रिपुरा पर विशेष फोकस होगा जहां भाजपा ने वर्ष 2018 में पहली बार जीत दर्ज की थी। त्रिपुरा में जहां भाजपा सरकार है वहीं नागालैण्ड में नैशनलिस्ट डैमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी सत्ता में हैं।

द नैशनल पीपल्स पार्टी उत्तर-पूर्व भारत की एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसे राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा प्राप्त है। यह पार्टी मेघालय में सत्ता में है।

वर्ष 2018 में भाजपा ने वाम दल का 25 वर्षों का शासन समाप्त कर ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। इसके बाद बिप्लान देब वहां के मुख्यमंत्री बनाए गए थे। तथापि बढ़ते असंतोष के कारण गत वर्ष के मई माह में बिप्लब देब को हटाकर उनकी जगह डॉ. मानिक साहा को मुख्यमंत्री बनाया गया था। अब साहा के समक्ष पार्टी की राज्य इकाई में चल रहे आतंरिक विवादों को हल करने की चुनौती है।

इसके अतिरिक्त भाजपा की अपने एक प्रमुख सहयोगी एवं आदिवासी पार्टी ''इण्डीजिनस पीपल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा'' (आई.पी.एफ.टी.) के साथ फिलहाल अनबन चल रही है।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही इस राज्य का दौरा कर एक ''जन विश्वास यात्रा'' के जरिए इन मुद्दों का समाधान करने और समर्थन जुटाने की कोशिश की थी। उधर वाम दलों और कांग्रेस ने त्रिपुरा में एक साथ मिलकर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। इन दोनों पार्टियों ने वर्ष 20021 के पश्चिम बंगाल चुनाव में भी भाजपा को पराजित करने के लिए ऐसा ही एक विफल गठबंधन बनाया था।

त्रिपुरा के पूर्व राजघराने के सदस्य प्रद्युत मानिक्य, जो कि पहले कांग्रेस के साथ थे, ने ''त्रिपुरा मोथा'' नामक पार्टी का गठन किया है। वनवासी सीटों पर मानिक्य के प्रभाव के चलते आने वाले चुनाव में उनकी पार्टी एक महत्वपूर्ण फैक्टर हो सकती है।

मेघालय में वर्तमान में कॉनरॉड संगमा की नैशनल पीपल्स पार्टी (एन.पी.पी.) का शासन है। चुनावों से पहले यह पार्टी कई नए राजनीतिक संयोजनों की साक्षी रही है जिनमें उसके कई विधायक पार्टी छोड़कर दूसरी पार्टी में शामिल हो चुके हैं।

एन.पी.पी. और उसकी सहयोगी पार्टी भाजपा के बीच हाल ही के महीनों में मतभेद बढ़े हैं, लेकिन उम्मीद है कि दोनों पार्टियां विधानसभा चुनाव साथ मिलकर लड़ेंगी।

ये चुनाव ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस के लिए भी एक अहम परीक्षा होगी। पूर्व मुख्यमंत्री मुकुल संगमा के नेतृत्व में जब कांग्रेस के 17 में से 12 विधायक तृणमूल में शामिल हुए थे, तब ममता की पार्टी ने यहां अपनी उपस्थिति दर्ज करा दी थी, हालांकि उनमें से तीन विधायक अब तृणमूल कांग्रेस भी छोड़ चुके हैं। वर्ष 2023 में जिन छह अन्य राज्यों में विधानसभा चुनाव होंगे, उनमें राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना है।

गहलोत की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में किसान, युवा, महिलाएं व अन्य भी संख्या में उपस्थित हैं। पायलट ने अपनी मीटिंग्स शुरु करने से पूर्व राहुल गांधी से मुलाकात की थी और उन्हें ब्रीफ किया था कि वे जनता से संपर्क स्थापित करने, उससे मिलने और पार्टी कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने जा रहे हैं क्योंकि राज्य में विधानसभा चुनाव इस वर्ष के अंत में ही होने वाले हैं। इससे गहलोत की रातों की नींद उड़ गई है और पार्टी संगठन में उथल पुथल एवं भ्रमपूर्ण स्थिति निर्मित हो गई है।

पंजाब के वरिष्ठ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सकता है। मैं किसी बात विशेष को विस्तार से समझाना जरूरी नहीं समझता। इसी के कारण मेरा पार्टी से हमेशा के लिए लगाव खत्म हो गया।

कड़कती ठंड में रूस-यूक्रेन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लडने के लिए अत्याधुनिक टैंकों के लिए निवेदन किया है। ब्रिटेन अत्याधुनिक ''चेलैंजर 2'' टैंकों की सप्लाई का निर्णय पहले ही ले चुका है। ये टैंक अत्यधिक शक्तिशाली हैं। ब्रिटेन के साथ ही, पोलैंड भी यह निर्णय ले चुका है कि वह यूक्रेन को अत्याधुनिक टैंक भेजेगा ताकि अनुमानित रुसी सैन्य अभियान का सामना किया जा सके।

इस बीच, यूक्रेन को सबसे ज्यादा और महत्वपूर्ण सैन्य सहायता देने वाले अमेरिका ने अभी तक यह निर्णय नहीं लिया है कि वह यूक्रेन को अपना ''अब्राम्स'' टैंक देगा, जिसकी बड़ी उत्सुकता से प्रतीक्षा की जा रही है। इसके बजाय, अमेरिका ने यूक्रेन को बख्तरबंद गाड़ियों, ब्रैडले इन्फ्रैन्ट्री गाड़ियों की पेशकश की है, जो ''टैंक किलर्स'' मानी जाती है।

इसी बीच, जर्मनी तथा फ्रांस भी यूक्रेन को और अधिक टैंक तथा सैन्य हार्डवेयर भेज रहे हैं जर्मनी नाटो देशों के लिए कुछ बहुत महत्वपूर्ण बख्तरबंद गाड़ियों का निर्माण करता है। लेकिन इन्हें अभी यूक्रेन को दिये जाने की मंजूरी नहीं मिली है। लेकिन अब ऐसा प्रतीत हो रहा है कि कन्जर्वेटिव जर्मन सरकार यूक्रेन को इन अति महत्वपूर्ण मशीनों में से कुछ मशीनें देने का मानस बना रहा है।

शुरुआती दिनों में, यूरोपियन देशों ने यूक्रेन को अत्याधुनिक घातक हथियार देने में पूरी उदारता नहीं दिखाई, क्योंकि उन्हें रुस की नाखुशी का डर था। इस नये और बड़े सैन्य अभियानों से पहले, यह याद दिलाना उल्लेखनीय होगा कि रुस के राष्ट्रपति ने हर उस देश को सजा दिये जाने की धमकी दे दी थी, जो रुस-यूक्रेन युद्ध में दखलंदाजी करेगा। रुसी राष्ट्रपति ने इसके भयानक नतीजे भुगतने की धमकी दे दी थी।

अब इस युद्ध के लगभग एक साल तक चलने के बाद, इनमें से ज्यादातर देशों का सोच बदल गया है तथा वे मानने लगे हैं कि अब रुस इतना कमजोर हो गया है कि वह अन्य देशों के साथ और कोई लड़ाई मोल नहीं ले सकता। यूक्रेन की जमीन पर रुस की घोर असफलता से रुसी सेनाओं के इर्द-गिर्द बना वह सैन्य आभामंडल नष्ट हो गया है।

- **पर, अब यूक्रेन युद्ध को साल भर होने के बाद, यूरोपीय देशों का विश्वास हो गया है कि, सामरिक दृष्टि से कमज़ोर हुआ रूस, अब अपनी धमकी को क्रियान्वित करने की क्षमता नहीं रखता।**

फिर भी, इस बात पर प्रश्न चिन्ह लगा हुआ है कि यूक्रेन को मिलने वाले ये नये हथियार तथा अन्य युद्ध सामग्री कितनी कारगर साबित होगी। चूंकि ये मशीनें अत्याधुनिक तथा अत्यधिक जटिल हैं इसलिए इन्हें तैनात करने का वास्तविक लाभ तभी मिल सकता है, जब यूक्रेन के सैनिक इनके उपयोग करने का उचित प्रशिक्षण लिए हुए हो। इन अस्त्र शस्त्र की युद्ध क्षेत्र में तैनाती से पहले अगर यूक्रेनी सैनिकों को इन्हें काम में लेने की कम से कम छ महीनों की ट्रैनिंग नहीं मिलेगी, इन नये हथियारों के उपयोग की रणनीति के केवल असफल ही रहने की संभावना रहेगी।

ऐसी स्थिति को देखते हुए, ब्रिटेन ने अपने चैलेंजर टैंक के प्रयोग के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित करना शुरु कर दिया है।

अन्य देशों ने इन हथियारों तथा साज सामान की तैनाती के लिए अभी प्रशिक्षण सत्र शुरु ही नहीं किये हैं। विभिन्न प्रकार तकनीकों वाले अनेकानेक प्रकार के इन हथियारों को युद्ध में उतारना, इन हथियारों के रखरखाव तथा इनके प्रयोग को मुश्किल बना सकता है।

माइक्रोसॉफ्ट भी 11 हजार कर्मचारियों की छंटनी करेगा

वाशिंगटन, 18 जनवरी (वार्ता/स्पूतनिक)। अमेरिका की दिग्गज सॉफ्टवेयर कंपनी माइक्रोसाफ्ट वैश्विक आर्थिक मंदी की आशंका के मद्देनजर अपने करीब 11 हजार कर्मचारियों की छंटनी करेगा। स्काई न्यूज ने यह रिपोर्ट दी है।

मंगलवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि यह संख्या माइक्रोसाफ्ट में काम करने वाले कर्मचारियों का पांच प्रतिशत है। जबकि एक विश्लेषक ने बताया कि यह संख्या बढ़ भी सकती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि माइक्रोसाफ्ट प्रमुख सत्य नडेला 24 जनवरी को वित्तीय निवेशकों को अपडेट से पहले कर्मचारियों की छटंनी की घोषणा कर सकते हैं। 1.78 खरब वाली इस कंपनी में दुनियाभर में दो लाख 20 हजार से ज्यादा कर्मचारी है।

जस्टिस माहेश्वरी व सुप्रीम कोर्ट बार काउंसिल अध्यक्ष के बीच भारी गहमागहमी देखने को मिली

बार काउंसिल के अध्यक्ष ने सुनवाई के दौरान जस्टिस माहेश्वरी पर यह आरोप लगाया कि, आप मनमर्जी से केस पिक कर रहे हैं

नई दिल्ली, 18 जनवरी। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को जस्टिस दिनेश माहेश्वरी व सुप्रीम कोर्ट बार काउंसिल के अध्यक्ष विकास सिंह के बीच गहमागहमी देखने को मिली। जस्टिस माहेश्वरी ने एडवोकेट विकास सिंह के व्यवहार पर नाराजगी जताई। दोनों के बीच काफी देर बहस चलती रही। दरअसल, जस्टिस दिनेश माहेश्वरी और जस्टिस बेला त्रिवेदी की बेंच ताजा मामलों को सुनने के बाद, ऐसे मामलों की सुनवाई करने लगी जो एक दिन पहले अधूरे रह गए थे।

इस पर एडवोकेट विकास ने टोकते हुए आपत्ति जताई। जिस पर जस्टिस दिनेश माहेश्वरी ने कहा कि यह पहले ही लिस्ट में बताया गया था कि ताजा मामलों को सुनने के बाद सप्लीमेंट्री लिस्ट के मामलों की सुनवाई होगी। लेकिन इसके बाद भी विकास सिंह तर्क करते रहे। लाइव लॉ की एक रिपोर्ट के मुताबिक एडवोकेट विकास सिंह ने कहा कि तीन कोर्ट में इस तरह की समस्या है। अगर किसी अधूरे मामले की सुनवाई है तो लिस्ट में इसे भी दर्शाना चाहिए। इस पर जस्टिस माहेश्वरी ने कहा कि सप्लीमेंट्री लिस्ट के ये वही मामले हैं, जिन्हें कल बोर्ड पर दिखाया गया था।

- **दरअसल, जस्टिस माहेश्वरी एवं बेला त्रिवेदी की बैंच बुधवार को लिस्ट हुये मामलों की सुनवाई करने के बाद मंगलवार को अधूरे छूट गये मामलों की सुनवाई करने लगी तो बार काउंसिल के अध्यक्ष विकास सिंह ने उन्हें बीच में ही टोक दिया।**

एडवोकेट विकास सिंह ने कहा कि बार काउंसिल का प्रेसिडेंट होने के नाते यह मेरी ड्यूटी है कि अगर कहीं कोई समस्या या खामी है तो उसकी तरफ आपका ध्यान आकर्षित करें। इस पर जस्टिस दिनेश माहेश्वरी ने जवाब दिया कि क्या हम आपको बार-बार एक ही बात एक्सप्लेन करते रहें? आपने व्यक्तिगत तौर पर पूरे मामले को वेरीफाई नहीं किया..क्या आपने ऐसा किया? आप बार काउंसिल सबसे सीनियर मेंबर हैं, ऐसे में हम आपसे इससे अधिक की उम्मीद करते हैं।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908

MARUTI SUZUKI ARENA

जल्दी करें या मौक़ा गँवाएँ*

सीमित अवधि ऑफ़र्स, सिर्फ़ आपके लिए।

बड़ी बचत

WAGONR ₹48 000*
ALTO K10 ₹48 000*
S-PRESSO ₹46 000*
CELERIO ₹36 000*
EECO ₹30 100*

ऑफ़र सिर्फ़ स्टॉक रहने तक मान्य है।

WAGONR ALTO K10 S-PRESSO CELERIO EECO

E-book today at www.marutisuzuki.com or visit your nearest Maruti Suzuki dealership | For bulk orders, mail at: bharat.mittal@maruti.co.in

AUTHORISED DEALERS: SIROHI: NAVNEET MOTORS: CALL: 02972-222917-18, 7665010638. **JODHPUR: AURIC MOTORS PVT LIMITED:** SARASWATI NAGAR, NEW PALI ROAD: CALL: 0291- 2722691, 9015900500. BALESAR: CALL: 6377715171. AHORE: CALL: 9015900500. SAYLA: CALL: 9015900500. **SHRI KRISHNA AUTO SALES PVT. LTD.:** PRATAP NAGAR: CALL: 0291-2762064/65, 9929244403, 9829144436. PHALODI: CALL: 9928841300, 9116150669, 9929244402. **L.M.J. SERVICES LTD:** A-11, INDUSTRIAL ESTATE, OPP. UDYOG BHAWAN, NEW POWER HOUSE ROAD: CALL: 8094011123, 8094011151, 0291- 2630478/79/80. **NAGAUR: MANGALAM MOTORS**: CALL: 9116008626, 9116008630. **PALI: L.M.J. SERVICES LTD.:** CALL: 02932 - 256177, 8094011136. **CHURU: AURIC MOTORS:** CALL: 01562-250696, 8875010502. **BIKANER: DUDI AUTOMOBILES:** CALL: 0151-2942222, 0151 -3550418, 7412075151. PADAMPUR**:** CALL: 7412075151. **AURIC MOTORS**: CALL: 0151-2251819, 9529251819, 9636045111. **AJMER: RELAN MOTORS**: CALL: 0145-2610106, 9214444222. **AJMER AUTO**: CALL: 0145-2425200, 9314531845, 9314391004. **JAIPUR: VIPUL MOTORS PVT. LTD.:** DAUSA: CALL: 9773364861. LALSOT: CALL: 9773364863. BANDIKUI: CALL: 9773364864. MAHWA: CALL: 9773364862. MEHANDIPUR BALAJI: CALL: 9773364865. UNIARA: CALL: 7742944482. **KTL AUTOMOBILE PVT. LTD.:** PHULERA: CALL: 7412077062. SAMBHAR: CALL: 7412068410. ACHROL: CALL: 7412077078. **FORTUNE CARS:** KARAULI: CALL: 8875001175/ 8875005132. HINDAUN: CALL: 9214794314 / 8875007758. **PREM MOTORS PVT. LTD.:** BASSI: CALL: 8058794137. SAWAI MADHOPUR: CALL: 07462-220029 / 8058799005 / 8058794181. GANGAPUR CITY: CALL: 8058794021. BAGRU**:** CALL: 8058401166. KOTPUTLI**:** CALL: 8058794121. JOBNER: CALL: 8058796065. RENWAL**:** CALL: 8058600117. RENWAL-MANJHI: CALL: 8058794042. DUDU: CALL: 8058406655. PHAGI: CALL: 8058403338. KANOTA: CALL: 8058794167. TUNGA: CALL: 8058794137. **K.P. AUTOMOTIVES PVT. LTD.:** TONK: CALL: 9549651924. CHAKSU: CALL: 9549651926. SHAHPURA: CALL: 8696925275. DEOLI: CALL: 8696934957. MALPURA: CALL: 9549650513. NIWAI: CALL: 9667777114. PAOTA: CALL: 9549650495. VIRATNAGAR: CALL: 6350612446. JAMWA RAMGARH: CALL: 6350612727. **SANGA AUTOMOBILES PVT. LTD.:** CHOMU: (MORIJA ROAD): CALL: 9772210096 / 9772210906. GOVINDGARH: CALL: 9772210451. **ALWAR: MG MOTORS:** CALL: 9001795515, 9001795517, 8003692651, 8003692652, 8003090466. **SRIGANGANAGAR: AURIC MOTORS**: CALL: 8955559963. **DUDI AUTOMOBILES:** PADAMPUR: CALL: 7412075151. **SIKAR: JAMU AUTOMOBILES**: CALL: (01572) 245515 / 246219. **NEEM KA THANA: JAMU AUTOMOBILES**: CALL: 9785644715. **JHUNJHUNU: AURIC MOTORS**: CALL: 8955664400. **KOTA: BHATIA & COMPANY:** CORPORATE OFFICE: 23-24, INDUSTRIAL ESTATE**:** CALL: 0744-2365092, 9829035100. DAKANIYA SHOWROOM: G-11-12, AUTO MOBILE ZONE, NEAR DAKANIYA STATION**:** CALL: 0744-2439000, 9829799009. **SUWALKA MOTORS PVT. LTD.:** KUNHARI: CALL: 0744-2370272, 9116312345, 7300308888. SULTANPUR: CALL: 9116178527. BHAWANIMANDI: CALL: 9116178557. KHANPUR: CALL: 07430-299240, 8306333715. **UDAIPUR: NAVNEET MOTORS**: MADRI: CALL: 0294-2494454, 7230046380. CITY STATION ROAD: CALL: 0294-2415142, 7230046381. **TECHNOY MOTORS:** GOVARDHAN VILLAS: CALL: (0294) 2485158, 2485738, 9982666809. **BANSWARA: NAVNEET MOTORS**: CALL: 9414159145, 7665010632, 7412074100. **BHILWARA: LOHIA AUTOMOBILES**: CALL: 01482-264061, 264144, 09799545333, 09950512555. **CHAMPION CARS**: CALL: 01482-267135, 9602892423, 7727863720. **BHARATPUR: TM MOTORS:** CALL: 05644-220970, 226392, 9251423393, 9251423395, 8094000626. **CHITTORGARH: BHATIA & COMPANY**: CALL: 9414130799, 9001791753, 9587208999, 9414179006, 9413316117.

*Offer includes consumer offer, exchange offer and ISL/ Rural offer (wherever applicable) on WagonR (1.2L Petrol- all variants except AGS) Alto K10 (Petrol- LXI & VXI variants only), S-Presso (Petrol- all variants except AGS), Celerio (Petrol- all variants except AGS) and Eeco (Petrol- all variants except cargo, flexi & Ambulance). *Terms & Conditions apply. Creative visualization. The terms and conditions are subject to change without any prior notice. All offers are brought to you by Maruti Suzuki dealers only. Offers may vary from variant to variant. All offers shown are valid for limited period & for limited stock only. For more details, please contact your nearest ARENA dealership. Colors shown may vary from actual body colors due to printing on paper. Black glass shade on the vehicle is due to lighting effect. Images used are for illustration purposes only. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice. Above offers are valid till 31st January 2023 or till stocks last, whichever is earlier.